हरिभूमि

रायपुर भूमि

पेंड्रा में 6 सेमी.

मौसम विभाग के मुताबिक मंगलवार को दिन में रायगढ़ में भी प्री-मानसून की जोरदार बारिश हुई है। इसी तरह पेंड्रा में दोपहर के वक्त 6 सेमी. तक वर्षा दर्ज की गई है। बारिश की गतिविधि अगर अगले दो दिन तक इसी तरह जारी रहती है, तो मानसून बस्तर के साथ रायपुर संभाग तक सक्रिय हो सकता है।

ढाई घंटे तक चलता रहा वर्षा का दौर, जमकर गरजे बादल, तेज हवा भी

एक ही दिन में साढ़े तीन सेमी., पिछले सत्रह दिन में डेढ़ सेमी. बरसे थे

प्री-मानसून की पहली झमाझम बारिश से राजधानी तरबतर, उमसभरी गर्मी से मिली राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

लंबे इंतजार और तेज गर्मी से परेशान राजधानी के लोगों को प्री-मानसून की पहली झमाझम बारिश ने राहत दिलाई है। लगभग ढाई घंटे में यहां साढ़े तीन सेमी. वर्षा हुई है। इस दौरान जमकर बादल गरजे और तेज हवा भी चली। रायपुर जिले में बीते सत्रह दिन में डेढ़ सेमी. वर्षा हुई थी और आज एक ही दिन में साढ़े तीन सेमी. का कोटा पूरा हो गया।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार अगर बारिश की गतिविधि आज भी जारी रहती है, तो मानसून को सुकमा और बीजापुर से आगे बढ़ने की घोषणा की जा सकती है। अगले चौबीस घंटे में रायपुर समेत प्रदेश के अधिकतर स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने का अनुमान है। मंगलवार की सुबह तेज गर्मी थी और दोपहर साढ़े पांच डिग्री अधिक तापमान से ग्रीष्मलहर चली। दोपहर आवाजाही के दौरान लोगों को त्वचा जलन का अहसास हुआ। शाम के बाद बादलों ने अपना प्रभाव जमाना शुरू कर दिया था और सात बजते ही मौसम का मिजाज बदला और राजधानी समेत कई क्षेत्रों में व्याप्क बारिश का दौर शुरू हो ▶▶|शेष पेज 13 पर

परिस्थितियां अनुकूल

मौसम विज्ञान केंद्र की विशेषज्ञ गायत्री कांचीभोथला के अनुसार मानसून के आगे बढ़ने के लायक स्थिति अनुकूल बन रही है। अगले चौबीस घंटे में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने से इसके प्रदेश के कुछ और हिस्से में पहुंचने की संभावना है। राज्य में अरब सागर से आने वाली नमी के प्रभाव से वर्षा की गतिविधि में वृद्धि होगी और इसका विस्तार उत्तर की तरफ होगा। राज्य में मानसून 22 जून तक सक्रिय हो जाता है। इस बार सही सिस्टम नहीं मिलने की वजह से यह काफी दिनों से बस्तर के कुछ इलाकों में ठहरा हुआ है।

कई स्थानों पर पानी भरा

तेज बारिश होने की वजह से शहर के कई मार्गों पर पानी भर गया। बारिश तेज होने की वजह से शहर में आवागमन थम सा गया था, जिसकी वजह से जाम की स्थिति बन गई थी। बारिश से भरा पानी से लोगों ने परेशानी के बजाए राहत महसूस की। तेज वर्षा के दौरान कई इलाकों में बिजली गुल जैसी शिकायत भी सामने आती रही। बारिश को देखते हुए नगर-निगम द्वारा बाढ़ आपदा प्रकोष्ठ का गठन किया गया है, जो 20 तक क्रियाशील होगा। प्रभारी अधिकारी विनोद पांडे ने बताया कि प्री-मानसून वर्षा से किसी क्षेत्र में जलभराव की स्थिति नहीं बनी।

सप्ताहभर से बनी स्थिति, राजहंस के जोड़ों, जलीय जीव के जीवन को खतरा

तेलीबांधा तालाब में मर रहीं सैकड़ों मछलियां, तेज बदबू, एसटीपी बंद, नाक बंद कर करना पड़ रहा वॉक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी के तेलीबांधा तालाब का पानी दूषित हो चला है। रोज सैकड़ों मछलियां मर रही हैं, एक सप्ताह में हजारों की संख्या में मछलियां मरने से तालाब के पानी में तेज बदबू उठने लगी है। इसे दबाने नगर निगम ने चूना व ब्लीचिंग पावडर का छिड़काव कर साफ करने की कोशिश की है। वहीं तालाब में छोड़े गए राजहंस के जोड़ों व जलीय जीव के जीवन को खतरा बना हुआ है, जबकि तेलीबांधा तालाब में गंदे पानी को साफ करने रायपुर स्मार्ट सिटी ने 3.50 करोड़ की लागत से जैविक विधि से तालाब सफाई का सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट लगा रखा है। अनुबंधित एजेंसी के साथ एसटीपी मेंटनेंस व आपरेशन की समय अवधि 3 माह पहले ही खत्म हो गई है। इसके कारण एसटीपी बंद पड़ा है।

तेलीबांधा तालाब में बड़ी संख्या में मछलियों की मौत हो गई है। मरी हुई मछलियां तालाब के ऊपर आने और इससे उठ रही तेज बदबू को लेकर लोग परेशान हैं। पिछले एक सप्ताह से यह स्थिति बनी हुई है। तालाब में सुबह-शाम वॉक करने आने वाले इससे खासे परेशान हैं। वहां काम करने वाले सफाई कर्मचारियों का कहना है, पिछले एक सप्ताह से यह स्थिति बनी हुई है, ▶▶|शेष पेज 13 पर

राजहंस के जोड़ों व जलीय जीव के जीवन को बना हुआ है खतरा

हरिभूमि सरोकार

अधिकारियों की लापरवाही से तालाब की दुर्गति

अधिकारियों की लापरवाही से तेलीबांधा तालाब की दुर्गति हुई है। पहले भी इस तालाब में नाले का गंदा पानी जा रहा था, तब मछलियां नहीं मरती थीं, पर मरीन ड्राइव बने तालाब के पास सुबह से शाम और देर रात तक लोगों की भीड़ रहती है। इस दौरान खाने के शौकीन फूड वेस्ट, मिर्च मसाला वाली चीजें, प्लास्टिक की प्लेट,कप, पेपरग्लास कोल्ड ड्रिंक की बोतलें व गंदगी तालाब में फेंक देते हैं। रेस्टोरेंट का कचरा भी तालाब में फेंका जाता है। महापौर से मैंने इस बात की शिकायत भी की थी। एनजीटी की गाइड लाइन के हिसाब से तालाब के आसपास व्यावसायिक गतिविधियां नहीं होनी चाहिए।

- अजीत कुकरेजा, पार्षद मदर टेरेसा वार्ड

नया टेंडर कर रहे

तेलीबांधा तालाब में वैकल्पिक व्यवस्था के तहत जिस एजेंसी को वर्कआर्डर दिया गया, उसने बहुत घटिया काम किया है। तापमान बढ़ना भी तालाब के पानी का आक्सीजन लेवल कम होने का एक बड़ा कारण है। विशेषज्ञों के साथ तेलीबांधा तालाब का विजिट किया है। 1 साल की समय अवधि के लिए एजेंसी तय करने नया टेंडर कर रहे हैं। मछलियों के जीवन को सुरक्षित रखने नैनो स्केल फाइको न्यूट्रींटस का छिड़काव करने कहा गया है।

- अबिनाश मिश्रा, आयुक्त, नगर निगम रायपुर

माशिम भवन में लगी आग, समग्र शिक्षा का दफ्तर खाक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

माध्यमिक शिक्षा मंडल में मंगलवार दोपहर उस वक्त अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया, जब तीसरे फ्लोर में आग लग गई। मंडल भवन की तीसरी मंजिल में समग्र शिक्षा का कार्यालय संचालित होता है। यहां के मीटिंग हॉल में आगजनी की घटना हुई। तुरंत बाद ही फायर ब्रिगेड को बुला लिया गया। आग में समग्र शिक्षा के बैठक कक्ष का बड़ा हिस्सा जलकर खाक हो गया। दमकल विमानों के तुरंत ही पहुंचने के कारण आग अन्य मंजिलों में नहीं पहुंच सकी, इसलिए अन्य किसी विभाग के दफ्तर में किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ। माध्यमिक शिक्षा मंडल के भवन में भूतल में स्वयं माशिम का कार्यालय है, जबकि द्वितीय माले में राष्ट्रीय शिक्षा मिशन तथा तृतीय तल में समग्र शिक्षा कार्यालय है। आग तीसरे मंजिल में लगी।

- सुरक्षित निकाले गए 150 से अधिक अधिकारी -कर्मचारी

जांच के बाद स्पष्ट होगी स्थिति

आग लगने के स्पष्ट कारणों का अभी पता नहीं लग सका है। शॉर्ट सर्किट से आग लगने का अनुमान लगाया जा रहा है। जिस वक्त आगजनी की यह घटना हुई, उस समय तीनों फ्लोर मिलकार 150 से अधिक अधिकारी व कर्मचारी भवन में थे। उन्हें भवन से बाहर निकाला गया। सर्वाधिक मुश्किल समग्र शिक्षा के अधिकारियों और कर्मचारियों को हुई। सीढ़ी में चारों तरफ धुआं भर जाने के कारण सांस लेने में हो रही कठिनाइयों के बीच मुश्किल से सभी को बाहर लाया गया। समग्र शिक्षा के सहायक संचालक एम.सुधीश के अनुसार, जांच में किन दस्तावेजों अथवा संपति का नुकसान हुआ है, इसकी जानकारी नहीं हो पाई है। बुधवार को जांच के बाद ही आगजनी से हुए नुकसान का आंकलन हो सकेगा।

खबर संक्षेप

माइनिंग घोटाला मामले में पांच और आरोपी, ईओडब्लू ने किया गिरफ्तार

रायपुर। माइनिंग घोटाला मामले में ईओडब्ल्यू ने लेवी वसूलने के आरोप में रायपुर, मुंगेली तथा कोरबा से पांच लोगों को गिरफ्तार कर स्पेशल कोर्ट में पेश किया। जांच एजेंसी के आवेदन पर पांचों आरोपियों से पूछताछ करने कोर्ट ने 22 जून तक ईओडब्ल्यू की रिमांड पर देने का फैसला सुनाया। माइनिंग घोटाले की आरोपी निलंबित आईएएस रानू साहू, समीर विश्नोई, राज्य प्रशासनिक सेवा की निलंबित अफसर सौम्या चौरसिया तथा सूर्यकांत तिवारी की कोर्ट ने न्यायिक हिरासत 1 जुलाई तक बढ़ा दी है। गौरतलब है कि माइनिंग घोटाला के आरोप में ईओडब्ल्यू ने चार दिन पूर्व बिलासपुर तथा कोरबा के कारोबारी हेमंत एवं चंद्रप्रकाश जायसवाल को गिरफ्तार कर पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया। इसके बाद जांच एजेंसी ने शेख मोइनुद्दीन, रोशन कुमार सिंह, पारेख कुमार कुर्रे, राहुल सिंह और वीरेंद्र जायसवाल को गिरफ्तार किया है। पांचों की गिरफ्तारी का बचाव पक्ष ने विरोध करते हुए फर्जी प्रकरण दर्ज कर अपने मुवक्किल को गिरफ्तार करने का आरोप लगाया है। साथ ही बताया कि उनके पक्षकारों का पूरे प्रकरण से कोई लेना-देना नहीं है।

चाकूबाजी के आरोप में सात आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। विधानसभा थाना क्षेत्र में सार्वजनिक जगह पर गाली-गलौज करने से मना करने पर एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने के आरोप में पुलिस ने चार नाबालिगों समेत सात बदमाशों को गिरफ्तार किया है। कृपा हंस के बड़े भाई की शिकायत पर पुलिस ने राकेश साहू, सुरेंद्र उर्फ दादू तथा साहिंद्रा नेताम को चाकूबाजी के आरोप में गिरफ्तार किया है। बदमाश शनिवार देर रात सार्वजनिक स्थान पर गाली-गलौज कर रहे थे, जिन्हें कृपा ने गाली-गलौज करने से मना किया। इस बात से नाराज होकर बदमाशों ने कृपा के शरीर के अलग-अलग स्थानों में चाकू से वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया और मौके से फरार हो गए थे।

मेडिकल छात्र से लूट का आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राखी थाना क्षेत्र में मेडिकल छात्र से लूट के आरोप में पुलिस ने एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। घटना में शामिल दो अन्य बदमाशों की पुलिस पतासाजी कर रही है। विवेक कुमार सुमेर से लूट के आरोप में दुर्ग अम्लेश्वर निवासी भावेश सोनी को गिरफ्तार किया है। घटना में शामिल आशीष देवांगन एवं सागर निर्मलकर फरार हैं। विवेक ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि शनिवार तड़के वह अपने दोस्त के साथ नवा रायपुर सैर करने गया था, इस दौरान एक्सप्रेस ओवरब्रिज पर तीनों बदमाश चाकू की नोक पर मारपीट कर उसकी एक्टिवा लूटकर फरार हो गए।

मेयर कक्ष के सामने पानी के लिए घंटों बजाया नगाड़ा, थाली बजाकर विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शहर में जल संकट को लेकर भाजपा पार्षद दल ने महापौर कक्ष के सामने मंगलवार को जमकर नगाड़ा बजाया। भाजपा पार्षद दल ढोल, नगाड़ा और थाली बजाकर घंटों पानी मांगता रहा। महापौर के खिलाफ पानी संकट को लेकर किये गये विरोध प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में पुलिस के जवान मौके पर मौजूद रहे। पानी दो-पानी दो की आवाज के साथ नगाड़ा की थाप में महिला पार्षद भी सुर में सुर मिलाते दिखीं। वहीं पार्षद अमर बंसल, उपनेता प्रतिपक्ष मनोज वर्मा ने शहर में जल संकट की स्थिति पर कटाक्ष करते हुए फाग गीत में प्रस्तुत किया।

- प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में पुलिस के जवान रहे मौजूद
- भाजपा पार्षद दल ने नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे के नेतृत्व में जलसंकट को लेकर किया प्रदर्शन

राजधानी में पानी की किल्लत को लेकर मंगलवार को भाजपा पार्षद दल महापौर एजाज ढेबर के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। बड़ी संख्या में गांधी सदन स्थित महापौर कक्ष के सामने भाजपा पार्षद जमीन पर बैठकर 3 जोड़ी नगाड़ा बजाकर विरोध प्रदर्शन करते रहे। नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे ने आरोप लगाया कि शहर में पानी को लेकर भ्रष्टाचार हो रहा है। 310 एमएलडी की क्षमता वाले फिल्टर प्लांट से रोजाना शहर के लिए 300 एमएलडी पानी छोड़ा जा रहा है, जबकि शहर को 250 एमएलडी पानी की जरूरत है। आखिरकार बाकी पानी जा कहां रहा है? 45 दिन पहले भाजपा पार्षद दल ने ▶▶|शेष पेज 13 पर

ये रहे शामिल

गांधी सदन में महापौर कक्ष के सामने पानी की किल्लत को लेकर किये गये विरोध प्रदर्शन में नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे, उपनेता मनोज वर्मा, प्रवक्ता मृत्युंजय दुबे, सूर्यकांत राठौर, डॉ. प्रमोद साहू, चंद्रपाल धनकर, अमर बंसल, दीपक जायसवाल, गोपेश साहू, भोलाराम साहू, सरिता वर्मा, सरिता दुबे, टेसू-नंद किशोर साहू, गोदावरी-गज्जू साहू, नारद कौशल, रोहित साहू, सावित्री-जयमोहन साहू, कमलेश्वरी देवांगन सहित अन्य भाजपा पार्षद शामिल रहे।

जेल के बाहर समर्थकों का हंगामा, अनवर और त्रिपाठी को आज ले जाएगी यूपी पुलिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राज्य में कथित तौर पर दो हजार करोड़ रुपए के शराब घोटाला मामले में उत्तरप्रदेश नोएडा स्थित कासना थाने में नकली होलोग्रॉम बनाने का मामला दर्ज है। नकली होलोग्रॉम मामले में यूपी एसटीएफ की टीम प्रोटेक्शन वारंट पर अनवर ढेबर तथा जेल में बंद एपी त्रिपाठी को गिरफ्तार करने जेल पहुंची थी। जहां हंगामे के बाद समर्थक अनवर को सिविल लाइंस थाने ले गए। यूपी एसटीएफ ने अनवर की जांच के लिए डॉक्टर बुलवाया, तब डॉक्टर ने उन्हें फिट फॉर जर्नी बताया। सूत्रों से पता चला है कि अनवर एवं त्रिपाठी को रायपुर के कोर्ट में पेश करने के बाद एसटीएफ उन्हें यूपी ले जाएगी। गौरतलब है कि शराब घोटाला मामले में हाईकोर्ट से जमानत मिलने तथा जेल से रिहा होने के बाद अनवर ढेबर जैसे ही जेल से बाहर निकला। उत्तरप्रदेश एसटीएफ ने उसे अपने साथ नोएडा ले जाने घेर लिया। तब मौके पर उपस्थित अनवर के समर्थकों ▶▶|शेष पेज 13 पर

फर्जी होलोग्रॉम मामले में अनवर, एपी त्रिपाठी तथा दो अन्य के खिलाफ नोएडा में दर्ज है अपराध

छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस में कैंसिल करना पड़ा टिकट

जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक उत्तरप्रदेश पुलिस इस बात को लेकर आश्वस्त थी कि वह अनवर तथा एपी को प्रोटेक्शन वारंट पर आसानी से नोएडा ले जाएगी। इसके लिए एसटीएफ ने छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस के एसी थ्री कोच में पांच सीटें बुक भी करा ली थीं। सोमवार को अनवर तथा एपी को प्रोटेक्शन वारंट पर नोएडा नहीं ले जा पाने की स्थिति में टिकट कैंसिल कराना पड़ा। जानकारी के मुताबिक अनवर तथा एपी को एसटीएफ सड़क के रास्ते नागपुर तथा वहां से फ्लाइट से उत्तरप्रदेश ले जाएगी।

जेल से लेकर सिविल लाइंस थाने तक हंगामा

अनवर को एसटीएफ की टीम अपने साथ नोएडा न ले जा सके, इसके लिए सेंट्रल जेल से लेकर सिविल लाइंस थाने तक समर्थकों ने जमकर हंगामा किया। हंगामे के हालात देखते हुए सिविल लाइंस थाने के दोनों प्रवेश द्वार बंद करने पड़े। थाने के अंदर सिविल लाइंस पुलिस के साथ उत्तरप्रदेश से आई एसटीएफ की टीम एक घंटे तक मंथन किया। मंथन के बाद सिविल लाइंस पुलिस ने अनवर को उत्तरप्रदेश एसटीएफ के हवाले किया। इसके बाद एसटीएफ की टीम अनवर तथा एपी त्रिपाठी को सड़क के रास्ते अपने साथ लेकर नोएडा के लिए रवाना हुई।

ठंडी पड़ी स्कूली बच्चों की आंखों की एक्सरसाइज योजना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

ऑनलाइन पढ़ाई के बाद बढ़ती शिकायतों को ध्यान में रखकर बनाई की आंखों की एक्सरसाइज की योजना ठंडी पड़ गई है। इस योजना को पूरा करने के लिए स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग के बीच समन्वय नहीं हो पाया है। योजना के मुताबिक स्कूल में पढ़ने वाले छोटे बच्चों को शिक्षकों की मदद से इस बारे में बताया जाना था। सालभर पहले आला अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान यह बात सामने आई थी, कोरोनाकाल में हुई ऑनलाइन पढ़ाई की वजह से बच्चों को अधिक स्क्रीन टाइम की बुरी लत लग गई है। इसकी वजह से उन्हें कम उम्र में ही चश्मे लगाने की आवश्यकता पड़ रही है। अधिकारियों ने इस बात को गंभीरता से लिया था और मैदानी अमले को स्कूली बच्चों को आंखों की ▶▶|शेष पेज 13 पर

- स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग में नहीं हो पाया समन्वय

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को

अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

खबर संक्षेप

सहायक शिक्षक फेडरेशन ने दिवंगत शिक्षक के परिवार को दी सहायता राशि

तिल्दा नेवरा। सहायक शिक्षक फेडरेशन तिल्दा ने दिवंगत शिक्षक के परिवार को सहायता राशि दी। जानकारी के अनुसार शिक्षक अश्वनी कुमार दक्छिने के आकस्मिक निधन के बाद सहायक शिक्षक फेडरेशन के अध्यक्ष की अगुवाई में उनके परिजन को 50 हजार रुपए की सहायता राशि दी गई। साथ ही जल्द ही अनुकंपा नियुक्ति के लिए डीईओ से मिलकर पहल किए जाने की बात भी कही गई। अध्यक्ष ओम प्रकाश वर्मा सहित खुमान वर्मा, माखन यादव, दीवान और एमके साहू ने परिजनों से मुलाकात कर उक्त सहायता राशि प्रदान की।

कुटेसर में पुरखा के सुरता कार्यक्रम 20 को

चंदखुरी। माता कौशल्या धाम चंदखुरी समीप ग्राम कुटेसर में पुरखा के सुरता कार्यक्रम 20 जून को रात्रि 8 बजे से आयोजित किया जाएगा। युवा मंच संचालक सत्यदेव ढ़ीढ़ी ने बताया बीते कुछ सालों में हमने गांव के सम्मानित प्रतिभावान रत्नों को खो दिया है, जिनकी याद में इस कार्यक्रम को रखा गया है। कार्यक्रम में पंडित जगतारण ढ़ीढ़ी, चेतन जांगड़े, जगर बघेल, परदेशी टंडन, उदल भतपहरी, जकला धीवर के साथ गांव के दिवंगत लोगों को श्रद्धांजलि सभा में याद किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम में रात्रि को लोककला मंच रंग छत्तीसगढ़ सुरगी राजनांदगांव के कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे।

बृजमोहन का इस्तीफा मंजूर, विधानसभा ने आयोग को भेजी जानकारी

रायपुर। रायपुर लोकसभा से सांसद चुने जाने के बाद बृजमोहन अग्रवाल के रायपुर दक्षिण

विधानसभा विधायक पद से इस्तीफा दिए जाने के बाद यह सीट रिक्त हो गई है। विधानसभा सचिवालय ने उनका इस्तीफा स्वीकार होने के बाद प्रक्रिया पूरी कर निर्वाचन आयोग को इस सीट के रिक्त होने की सूचना भेज दी है। अब इस सीट पर 18 दिसंबर के पहले उप चुनाव कर इसे भरा जाएगा। बृजमोहन अग्रवाल ने सोमवार को विधायकी से इस्तीफा विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह को सौंप दिया था। अध्यक्ष ने उनका इस्तीफा मंजूर कर लिया था। विधानसभा के सचिव दिनेश शर्मा ने इस्तीफे के बाद दक्षिण विधानसभा सीट के रिक्त होने की प्रक्रिया के तहत सूचना भारत निर्वाचन आयोग को भेज दी है। अब इस सीट को 6 माह में भरने के संबंध में निर्वाचन आयोग उप चुनाव की प्रक्रिया पूरी कर चुनाव कराएगा।

कैबिनेट की बैठक आज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक बुधवार को दोपहर 3 बजे मंत्रालय में होगी। तीन माह बाद हो रही कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा सकते हैं। बैठक में छत्तीसगढ़ विधानसभा सत्र की तैयारियों को लेकर चर्चा की जाएगी। सत्र के दौरान लाए जाने वाले विधेयकों के संबंध चर्चा की जाएगी। वहीं चालू खरीफ सीजन की तैयारियों को लेकर मानसून की स्थिति और खेती-किसानी की समीक्षा होगी।

श्रमिकों को किफायती दर पर मिलेगा भोजन

रायपुर। राज्य सरकार ने श्रमिकों को किफायती दरों पर भोजन उपलब्ध कराने की योजना बनाई है। मॉडल श्रम अन्न केंद्र रायपुर, कोरबा और कुनकुरी में खुलेंगे। श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने कहा कि मॉडल श्रम अन्न केंद्र रायपुर के तेलीबांधा, कोरबा के नगर निगम बुधवारी टंकी और कुनकुरी में स्थापित किए जाएंगे। वर्तमान में 9 जिलों में 24 जगहों पर श्रम अन्न केंद्र संचालित हो रहे हैं। योजना का विस्तार करते हुए 13 जिलों के 27 स्थानों पर नवीन श्रम अन्न केंद्र शुरू किए जाएंगे।

पचेड़ा में 35 एकड़ जमीन मुक्त कराकर बना रहे तीन तालाब, बहेगी विकास की बयार

सरपंच की सक्रियता से जमीन से हटाया गया बेजाकब्जा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चंदखुरी

आरंग विधानसभा क्षेत्र में माता कौशल्या मंदिर चंदखुरी समीप स्थित ग्राम पचेड़ा में 35 एकड़ जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराकर तीन तालाब बनाए जा रहे हैं। तालाब बन जाने से विकास की बयार बहेगी। निस्तारी के लिए पानी मिलेगा व जलस्तर भी बढ़ेगा। ग्राम की सरपंच की सक्रियता से यह कार्य संभव हो पाया।

ग्राम पंचायत सरपंच नेहरू डांडे की सूझबूझ एवं सजगता से गांव की सूरत बदल रही है। कई वर्षों से गांव की 35 एकड़ की घास जमीन में सात परिवारों ने अतिक्रमण कर रखा था। सरपंच की पहल पर जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। घास जमीन में अब तीन नए तालाब का निर्माण किया जा रहा है। आने वाले दिनों में ग्रामवासियों को राहत मुहैया एवं गांव के मवेशियों के लिए पानी की उचित व्यवस्था हो सकेगी। अवैध कब्जे पर नियंत्रण रखते हुए गांव में हो रही है। विकास की चर्चा ग्राम के सरपंच नेहरू डांडे लगातार गांव की मूलभूत सुविधाओं को लेकर निराकरण के लिए प्रतिबद्ध है। अवैध कब्जाधारियों से जमीन को छुड़वाकर न्यायालय तहसीलदार मंदिर हसौद ने 35 एकड़ समतल चारागाह भूमि को 31 जनवरी 2024 को दर्ज कराया। जहां पर मवेशियों के लिए गौठान का निर्माण कराया गया। पुनः भव्य सरोवर तालाब का निर्माण किया।

अवैध कब्जा हटवाने में इनकी भी रही भूमिका

ग्राम पंचायत सरपंच नेहरू लाल डांडे, उपसरपंच रामचरण डांडे पंच परिवार श्रीमती संतोषी वर्मा पिंकी वर्मा राजेश कुमार पाल रुक्मणी देवांगन गिरवरप्रसाद धनेश्वरी वर्मा शिव कुमार पाल मुंगरा बाई शेख फरीद कुरैशी माहेश्वरी जागड़े कृष्ण कुमार मिर्च कृष्णाबाई चद्रवंशी सीताबाई देवागण विमला बाईटंडन चमेली देव भारती छन्नूलाल एवं समस्त ग्रामवासियों की भूमिका रही।

कांग्रेस का धरना प्रदर्शन: बलौदाबाजार की घटना राज्य सरकार की विफलता

मुंह में काली पट्टी, हाथों में तख्ती लेकर जा रहे पूर्व विधायक व कांग्रेसियों को पुलिस ने रोका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा नेवरा

■ सीबीआई जांच, मुख्यमंत्री साय के इस्तीफे की कांग्रेसियों ने की मांग

बलौदाबाजार में हुई घटना की सीबीआई जांच, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के इस्तीफे, निर्दोष लोगों को परेशान नहीं करने सहित अन्य मांगों को लेकर मुंह में पट्टी बांधकर व हाथ में तख्ती लेकर कलेक्टोरेट जा रहे पूर्व विधायक विकास व कांग्रेसियों को पुलिस ने रोक लिया। इस दौरान कांग्रेसियों व पुलिस के धक्कामुक्की भी हुई। कांग्रेस ने बलौदाबाजार की घटना को लेकर मंगलवार को एक दिवसीय धरना- प्रदर्शन किया।

धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए विकास उपाध्याय ने कहा कि बलौदाबाजार में जैत खाम के अपमान व तोड़फोड़ मामले में आवश्यक कार्रवाई होनी चाहिए। कार्रवाई के नाम पर निर्दोष लोगों को फंसाने का काम न किया जाए। इस घटना की सीबीआई जांच की मांग करते हैं। वहीं भाजपा के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के इस्तीफे की मांग करते हैं। कांग्रेसजनों द्वारा मुंह में काली पट्टी बांध कर एवं हाथ में तख्ती लेकर शांति पूर्वक कलेक्टर कार्यालय ज्ञापन सौंपने जा रहे कांग्रेसजनो को पुलिस द्वारा धक्का मुक्की कर रोका गया।

विकास उपाध्याय ने कहा कि चार दिन पहले ही छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के द्वारा आव्हान किया गया था की 18 जून को छत्तीसगढ़ प्रदेश के पूरे जिला मुख्यालय में एक दिवसीय धरना दिया जाएगा सूचना देने के बाद भी शासन प्रशासन के लोग बेवजह विकास उपाध्याय को पलारी के पास रोका गया क्यों रोका गया इसका पुलिस के पास किसी भी प्रकार का जवाब नहीं था वही शैलेश नितिन त्रिवेदी छाया विधायक बलौदा बाजार एवं हितेंद्र ठाकुर जिला अध्यक्ष को भी रोका गया। भारतीय जनता पार्टी विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है दंगाइयों की आड़ में समाज विशेष को टार्गेट किया जा रहा है

शांतिपूर्ण प्रदेश को आग के हवाले करने का काम भारतीय जनता पार्टी की सरकार कर रही है।

असली दोषियों पर कार्रवाई नहीं

बलौदा बाजार कलेक्ट्रेट में 10 जून को हुई हिंसा एवं आगजनी हुए आज लगभग एक सप्ताह से अधिक हो गया लेकिन सरकार आज तक असली दोषियों पर कार्रवाई नहीं कर पाई है। विकास उपाध्याय ने बलौदाबाजार भाटापारा जिले के आम जनता से शान्ति व्यवस्था बनाए रखनी की अपील भी की है।

ये रहे उपस्थित

उक्त में धरना प्रदर्शन कार्यक्रम प्रभारी एवं सांसद प्रत्याशी रहे व पूर्व संसदीय सचिव विधायक विकास उपाध्याय, जिला कांग्रेस अध्यक्ष हितेंद्र ठाकुर विधानसभा प्रत्याशी शैलेश नितिन त्रिवेदी, सुरेंद्र शर्मा पूर्व विधायक जनक राम वर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष विक्रम गिरी, रूपेश ठाकुर, संजय अवस्थी, प्रकाश मानिकपुरी, दिलीप गुप्ता, कुंदन सिंह सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित थे।

किसान सम्मान निधि की 17वीं किश्त हुई जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

■ आरंग विधायक गुरु खुशवंत ने किसानों को दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में तीसरी बार एनडीए सरकार बनने के बाद जनकल्याणकारी कार्य निरंतर जारी हैं। मंगलवार को देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश के वाराणसी में आयोजित किसान सम्मान सम्मेलन में शामिल होकर रिमोट का बटन दबाकर देश के 9.26 करोड़ किसानों के खाते में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि जारी की। आरंग कृषि विभाग कार्यालय में आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब उपस्थित होकर वर्चुअल माध्यम से किसान सम्मान सम्मलेन का साक्षी बने। गुरु खुशवंत साहेब विधायक आरंग विधानसभा क्षेत्र ने कहा कि आज सभी किसान भाई–बहनों के लिए खुशी का दिन हैं। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसान सम्मान निधि की तीसरी किश्त के तहत 20 हजार करोड़ से ज्यादा की राशि ट्रांसफर की हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं से देश का आज हर वर्ग और हर नागरिक लाभान्वित हो रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी का ध्येय "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास" हर जगह–हर घड़ी परीलक्षित हो रही हैं। विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने कृषि विभाग कार्यालय में उपस्थित सभी किसानों को किसान सम्मान निधि की राशि प्राप्त होने पर शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर प्रमुख रुप से अधिकारी, कर्मचारी, वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारी, किसानगण उपस्थित थे।

आरंग मुक्ति धाम में कंडा व अस्थि संचय के लिए लॉकर सुविधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

आरंग जन सेवा समिति द्वारा मुक्तिधाम आरंग में दाह संस्कार हेतू कंडा की उपलब्धता के बाद अस्थि कलश रखने हेतू लाकर की सुविधा उपलब्ध कराया गया है। समिति के प्रमुख श्रवण अग्रवाल, आनंद द्वारकानी ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि दाह संस्कार हेतु 365 नग कंडा 1500 रुपये में उपलब्ध कराया जा रहा है तथा अतिरिक्त कंडे के लिए 05 रूपये प्रति कंडे का दर निर्धारित है। इसके अलावा अस्थि संचय हेतु लॉकर सेवा की भी शुरुवात अभी-अभी की गई है। स्मरण रहे कि मुक्तिधाम में दाह संस्कार के बाद अस्थि संचय कर लोग इलाहाबाद, राजिम और शिवरीनारायण में अस्थि विसर्जन के लिए जाते हैं।

कई बार तुरंत जाने की व्यवस्था नहीं हो पाने के कारण अस्थि को सुरक्षित रखना पड़ता है ऐसी स्थिति में कोई सुविधा न होने के कारण परिवार के सदस्यों को परेशान होना पड़ता है। अब लॉकर सुविधा उपलब्ध हो जाने के बाद लोग अस्थि को संचय कर लॉकर में सुरक्षित रख सकेंगे। दाह संस्कार हेतु कंडा की सुविधा और लॉकर की दोनों सुविधा भी उपलब्ध है।

सरकार की योजनाओं का धीवर समाज उठाए लाभः खुशवंत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

■ धीवर समाज आरंग परगना का वार्षिक अधिवेशन एवं आमसभा संपन्न

लोरिक ग्राम रीवां में छत्तीसगढ़ धीवर समाज आरंग परगना का वार्षिक अधिवेशन व आमसभा संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब शामिल हुए।

मुख्य अतिथि खुशवत साहेब ने कहा उन्होंने समाजजन को संबोधित करते हुए कहा कि मछुआरों के हितों को ध्यान रखकर केंद्र व राज्य सरकार द्वारा अनेकों योजनाएं संचालित हैं, जिसका आप सभी अधिक से अधिक लाभ लें। धीवर समाज के प्रत्येक कार्य में आपके साथ हूं, जब भी आप याद करेंगे, आपके बीच हमेशा उपस्थित रहूंगा।

साथ ही समाज की मांग पर ग्राम रीवां में सामाजिक भवन हेतु 8 लाख रुपए, रंगमंच हेतु 3 लाख, ग्राम भोथली मे सामाजिक भवन के लिए 3 लाख एवं ग्राम रींवा में शनि मंदिर हेतु 1 लाख रु. की देने घोषणा की। धीवर समाज के इस वार्षिक अधिवेशन में आरंग क्षेत्र के 18 ग्रामों के कुटुम्बजन सहित छत्तीसगढ़ प्रदेश धीवर समाज के विभिन्न परिक्षेत्रों के पदाधिकारियों द्वारा समाज की उन्नति एवं प्रगति को लेकर अपना–अपना विचार रखते हुए आगामी कार्ययोजना का रूपरेखा तैयार किया गया।

ये रहे उपस्थित

उक्त अधिवेशन व आमसभा में छत्तीसगढ़ धीवर समाज महासभा के संरक्षक सलाहकार जग्गनाथ सरपार, लीलाराम तारक, प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कुमार धीवर, प्रदेश महासचिव रामलाल पेंडरिया, प्रदेश कोषाध्यक्ष पवन धीवर, प्रदेश उपाध्यक्ष वेदव्यास तारक, आरंग परगना अध्यक्ष रामानंद धीवर, उपाध्यक्ष भीम जलक्षत्री, संरक्षक पुनेश धीवर, सचिव बलदाऊ जलक्षत्री, कोषाध्यक्ष चिंताराम धीवर, महासभा खेल व संस्कृति प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुशील जलक्षत्री, महासभा युवाप्रकोष्ठ प्रदेशअध्यक्ष पुरषोत्तम धीवर, भुनेश्वर धीवर, सहदेव धीवर, पुरषोत्तम धीवर, नरेंद्र धीवर, महिला प्रकोष्ठ प्रदेश पदाधिकारी लक्ष्मी पेंडरिया, मंजु धीवर, ग्राम रींवा के वरिष्ठ नागरिक सुरेंद्र नशीने, देवनाथ साहू, सरपंच चंद्रप्रकाश साहू, पंच रामेश्वरी धीवर, तीलू धीवर, आरंग नगर धीवर समाज अध्यक्ष डॉ. तेजराम जलक्षत्री, रमन जलक्षत्री, सदाराम जलक्षत्री, चेतन लल्लू जलक्षत्री, युवा प्रकोष्ठ संरक्षक सलाहकार दिलीप जलक्षत्री, रूपेश जलक्षत्री, सतीश मानु जलक्षत्री, झड़ी धीवर, संतोष धीवर, जगदीश धीवर, शिव धीवर, बुधु धीवर, रामकिशुन, छोटेलाल, युवा प्रकोष्ठ से दुर्गेश जलक्षत्री, भरत धीवर, त्रिलोक धीवर, नरेंद्र जलक्षत्री, चमन जलक्षत्री, गैंदराम धीवर, रेखराम धीवर सहित धीवर समाज के कुटुम्बजन उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायतों में बनेंगे महतारी सदन ग्रामीण सचिवालय का आयोजन भी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश के ग्राम पंचायतों में महिलाओं के लिए एक सुव्यस्थित महतारी सदन बनाए जाएंगे। यह सदन सर्व सुविधायुक्त होगा। इस सदन में महिलाओं की विभिन्न गतिविधियां आयोजित होंगी। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने महतारी सदन की ड्राइंग डिजाइन का अनुमोदन करते हुए इसे तेजी से पूर्ण कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। महतारी सदन का निर्माण लगभग 25 सौ वर्गफीट होगा, यहां बरामदा, एक बड़ा हाल, किचन और स्टोररूम, शौचालय जैसी सुविधाएं रहेंगी। पानी के लिए ट्यूबवेल के साथ वाटर हार्वेस्टिंग भी किया जाएगा। महिलाओं की सुरक्षा के लिए इसमे बॉउंड्रीवाल भी बनाये जाएंगे।

इसके साथ ही ग्राम पंचायतों में ग्रामीण सचिवालय का आयोजन भी होगा। यह जानकारी उप मुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के भारसाधक मंत्री विजय शर्मा द्वारा की गई विभागीय समीक्षा बैठक से सामने आई है। समीक्षा बैठक में श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास निर्माण के काम में तेजी लाई जाए। कार्ययोजना बनाकर इसे समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बड़े गांवों के व्यवस्थित विकास के लिए भी कार्ययोजना तैयार करें। ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण के लिए प्रत्येक सप्ताह ग्रामीण सचिवालय का आयोजन किया जाए। इसी प्रकार पीएम जनमन योजना के तहत आदिवासी बहुल बसाहटों में मूलभूत सुविधाओं सहित सभी प्रमुख योजनाओं से जनजाति परिवारों को लाभान्वित किया जाए।

मानसून के लिए की गई तैयारियों की समीक्षा

रायपुर। कलेक्टर गौरव सिंह ने मानसून के लिए जिले में की गई तैयारियों की समीक्षा की। रेडक्रास सभाकक्ष में मंगलवार को समय-सीमा की बैठक में उन्होंने सभी नगरीय निकाय के सीएमओ को निर्देश दिए कि उनके क्षेत्र में पानी टंकी की सफाई अगर नहीं कराए हैं, तो जल्दी कराएं, ताकि बारिश के दिनों में किसी भी प्रकार की महामारी या बीमारी ना फैले और लोगों को स्वच्छ पेयजल मिले। उन्होंने कहा कि जल्द ही सभी नालों-नाली की सफाई पूर्ण कराए, जिससे जलभराव की स्थिति से बचा जा सके। कलेक्टर ने कहा कि एनजीटी ने 15 जून तक सारे रेत खदान बंद किए जाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद भी रेत उत्खनन पाए जाने पर खनिज विभाग तथा अन्य संबंधित राजस्व अधिकारी तत्काल कार्रवाई करें।

सांसद की जीत के बाद तिल्दा नेवरा में प्रथम आगमन हुआ

क्षेत्र की समस्याओं को मिलकर करेंगे दूरः बृजमोहन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा-नेवरा

रायपुर लोकसभा के नवनिर्वाचित सांसद और छत्तीसगढ़ सरकार के मंत्री बृजमोहन अग्रवाल का जीत के बाद प्रथम तिल्दा नेवरा नगर आगमन हुआ। देर रात पहुंचे बृजमोहन अग्रवाल का कार्यकर्ताओं ने जोश और आतिशबाजी के साथ स्वागत किया।

छत्तीसगढ़ में सर्वाधिक वोट से रायपुर लोकसभा सीट जितने के साथ-साथ तिल्दा नेवरा शहर भाजपा मंडल में भी अभूतपूर्व जोश देखा गया, शहर के 24 के 24 बूथ में भाजपा ने रिकार्ड तोड़ मतों से जीत दर्जी की हैं, क्षेत्र से मिली ऐतिहासिक लीड और विजय आभार रैली शहर भाजपा मंडल द्वारा

निकाली गयी, जिसमें नवनिर्वाचित सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने रोड़ शो कर मातादाताओं और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। छत्तीसगढ़ सरकार में मंत्री और सांसद बृजमोहन अग्रवाल के साथ क्षेत्रीय विधायक और मंत्री टंकराम वर्मा, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मी वर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेता रमन लाल शर्मा, पूर्व विधायक देवजी भाई पटेल, लोकसभा संयोजक अशोक बजाज, पूर्व विधयाक प्रमोद शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम नारंग उपस्थित थे। साथ ही कार्यक्रम को भी सम्बोधित किया।

लड्डु से तौला, की गईं पुष्प वर्षा

नगर प्रवेश द्वार पर भाजपा शहर मंडल द्वारा आतिशबाजीयों के साथ स्वागत किया, और बृजमोहन अग्रवाल को लड्डु से तौला पुष्प वर्षा की गई, आभार रैली शहर के विभिन्न स्थानों से होते होते हुए गांधी चौक नेवरा पहुंची, में नगर प्रवेश द्वार पर नगर पालिका अध्यक्ष लेमीक्षा गुरु डहरिया, मंडल अध्यक्ष सुरेश वर्मा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष महेश अग्रवाल सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा फूल मालाओं के साथ स्वागत कार्यक्रम कर जगह जगह मिठाईओं और फलों से तौला गया।

जनता की मांगों के अनुरूप क्षेत्र का विकास करेंगेः अग्रवाल

आभार रैली कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए बृजमोहन अग्रवाल ने कहाँ कि आप तिल्दा नेवरा वासियों का आभार स्नेह रिकार्ड तोड़ मतों से जीत दर्ज करने से ये बृजमोहन अग्रवाल आप जानता का ऋणी हैं, तिल्दा नेवरा से मेरा पुराना नाता हैं, मेरे लिए कोई नया नहीं हैं, आप लोगों जिस उत्साह से और विश्वास से मुझे जिताया हैं उसे मैं हमेशा बनाये रखूँगा, आप लोगों ने मुझे प्रदेश से ऊपर अब ज्यादा जिम्मेदारी के साथ देश की सेवा के लिए भेजा हैं, मिलकर क्षेत्र की समस्याओं को दूर करेंगे, जानता की मांगो के अनुरूप क्षेत्र का विकास की करेंगे। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य अदिति बघमार, जिला महामंत्री छोटेलाल सोनकर, पूर्व जनपद अध्यक्ष वेदराम मनहरे, जिला उपाध्यक्ष राम पंजवानी, नगर पालिका अध्यक्ष लेमीक्षा गुरु डहरिया, भाजयुमो जिलाध्यक्ष फनेन्द्र वर्मा, मंडल अध्यक्ष सुरेश वर्मा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष महेश अग्रवाल, दीपक शर्मा, मंडल अध्यक्ष भागबली साहू, सुदेश जैन, सूरज नारायण शर्मा, लक्ष्मीचंद नागवानी, यशवंत वर्मा, रमेश रिंकू अग्रवाल, घनश्याम अग्रवाल, विकास कोटवानी, रवि सेन, नरसिंग वर्मा, प्रेमनाथ वर्मा, हिरानंद भोजवानी, सतीश निषाद सहित अनेक उपस्थित थे।

न्यायालय तहसीलदार (नजूल)
तिल्दा नेवरा जिला रायपुर (छ.ग.)

उदघोषणा

क्रमांक/अ - 6 अ वर्ष 2023-2024
ग्राम तिल्दा नेवरा प.ह.नं. 08

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि रवि वर्मा उम्र 43 वर्ष पिता स्व. दयाराम वर्मा जाति कुर्मी निवासी ग्राम चौबे कॉलोनी कालडा नर्सिंग होम के पास रायपुर तहसील रायपुर द्वारा आवेदक के पिता दयाराम पिता झरियार वर्मा वार्ड क्रमांक 06 बालगंगाधर तिलक के पास तिल्दा नजूल खसरा नं. 896 का भाग रकबा 1200 वर्गफुट भूमि पर पंजीकृत बैनाम के माध्यम से 03.01.2003 को क्रय कर काबिज है। उक्त भूमि वर्तमान में नजूल संधारण खसरा में दर्ज नही होने के कारण संधारण खसरा में भगवती प्रसाद पिता कपिलनाथ नायक का नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र पेश किया है। जिसकी सुनवाई न्यायालय तिल्दा में 21.06.2024 को नियत है।

इस संबध मे जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति यदि हो तो वह स्वयं या अभिभाषक या अपने विधिमान्य अभिकर्ता के द्वारा अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथी बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 05.06.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुहर से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार (नजूल)
तिल्दा नेवरा

मंत्री और बड़े अफसरों से अब बिना अनुमति नहीं मिल सकेंगे सरकारी अधिकारी-कर्मचारी

मुलाकात से पहले लेनी होगी विभागीय अनुमति, राज्य शासन ने जारी किया परिपत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में अब सरकारी अधिकारी-कर्मचारी अब किसी भी समय मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात नहीं कर पाएंगे। राज्य सरकार ने आदेश जारी किया है कि अगर किसी निजी मामले को लेकर मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों से मिलना है तो उसके पहले उचित माध्यम से अनुमति लेनी होगी। ऐसा नहीं करने पर छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 21 के अंतर्गत कदाचरण माना जाएगा और संबंधित शासकीय सेवक के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

मंत्रालय में रोज लगती है भीड़

इस संबंध में राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हरिभूमि से चर्चा में बताया कि यह आदेश दरअसल इसलिए निकालना पड़ा है, क्योंकि मंत्रालय-सचिवालय में वरिष्ठ अधिकारियों के कार्यालयों में दोपहर बाद बड़ी संख्या में विभिन्न विभागों के कर्मचारियों की भीड़ लगी रहती है। होता ये है कि विभाग के अधिकारी किसी भी फाइल के फॉलोअप, जानकारी लेने के लिए किसी भी कर्मचारी को भेज देते हैं। जबकि नियम के हिसाब से विभाग को खुद ही फॉलोअप करना चाहिए। इस स्थिति को देखते हुए यह आदेश जारी किया गया है।

मंत्री के सामने हाजिर होते हैं बिना अनुमति

इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ ने आदेश जारी किया है। उल्लेखनीय है कि शासकीय सेवकों एवं अन्य सेवाओं से संबंधित मामलों के निराकरण के लिए उचित माध्यम से वरिष्ठ अधिकारियों को अभ्यावेदन प्रस्तुत करने के निर्देश पूर्व से ही दिए गए हैं। परिपत्र में कहा गया है कि उपरोक्त निर्देशों के बावजूद यह देखा जा रहा है कि शासकीय सेवक सीधे मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी के समक्ष बिना विभागीय अनुमति प्राप्त किए उपस्थित हो रहे हैं। इस प्रकार की कार्यप्रणाली से न सिर्फ कर्मचारियों का अनुशासन प्रभावित होता है, बल्कि संबंधित कर्मचारी का भी समय व्यर्थ नष्ट होता है, जिसके कारण उनके कार्यस्थल की सेवा भी प्रभावित होती है।

उचित माध्यम से लेनी होगी अनुमति

सरकार द्वारा जारी परिपत्र में कहा गया है कि कई मामलों में यह देखा गया है कि कोई व्यक्तिगत समस्या के निराकरण के लिए संबंधित शासकीय सेवक मंत्रालय में मिलने आते हैं, उनकी समस्या का निराकरण संबधित विभागाध्यक्ष कार्यालय या जिला कार्यालय के स्तर से ही किया जा सकता है। यदि किसी प्रकरण विशेष के निराकरण में अनुमति के लिए पत्र मंत्रालय को संदर्भित किया गया है तो संबंधित कार्यालय द्वारा ही फॉलोअप किया जा सकता है। इसलिए संबंधित कर्मचारी को मंत्रालय भेजने की आवश्यकता नहीं है। परिपत्र के माध्यम से सभी विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि अपनी निजी समस्या के लिए मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक हो, तब भी शासकीय सेवक को उक्त संबंध में 'उचित माध्यम से' सक्षम अधिकारी की अनुमति प्राप्त करनी होगी।

खबर संक्षेप

बृजमोहन का इस्तीफा मंजूर, विधानसभा ने आयोग को भेजी जानकारी

रायपुर। रायपुर लोकसभा से सांसद चुने जाने के बाद बृजमोहन अग्रवाल के रायपुर दक्षिण विधानसभा विधायक पद से इस्तीफा दिए जाने के बाद यह सीट रिक्त हो गई है। विधानसभा सचिवालय ने उनका इस्तीफा स्वीकार होने के बाद प्रक्रिया पूरी कर निर्वाचन आयोग को इस सीट के रिक्त होने की सूचना भेज दी है। अब इस सीट पर 18 दिसंबर के पहले उप चुनाव कर इसे भरा जाएगा। बृजमोहन अग्रवाल ने सोमवार को विधायकी से इस्तीफा विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह को सौंप दिया था। अध्यक्ष ने उनका इस्तीफा मंजूर कर लिया था। विधानसभा के सचिव दिनेश शर्मा ने इस्तीफे के बाद दक्षिण विधानसभा सीट के रिक्त होने की प्रक्रिया के तहत सूचना भारत निर्वाचन आयोग को भेज दी है। अब इस सीट को 6 माह में भरने के संबंध में निर्वाचन आयोग उप चुनाव की प्रक्रिया पूरी कर चुनाव कराएगा।

कैबिनेट की बैठक आज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक बुधवार को दोपहर 3 बजे मंत्रालय में होगी। तीन माह बाद हो रही कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा सकते हैं। बैठक में छत्तीसगढ़ विधानसभा सत्र की तैयारियों को लेकर चर्चा की जाएगी। सत्र के दौरान लाए जाने वाले विधेयकों के संबंध चर्चा की जाएगी। वहीं चालू खरीफ सीजन की तैयारियों को लेकर मानसून की स्थिति और खेती-किसानी की समीक्षा होगी।

श्रमिकों को किफायती दर पर मिलेगा भोजन

रायपुर। राज्य सरकार ने श्रमिकों को किफायती दरों पर भोजन उपलब्ध कराने की योजना बनाई है। मॉडल श्रम अन्न केंद्र रायपुर, कोरबा और कुनकुरी में खुलेंगे। श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने कहा कि मॉडल श्रम अन्न केंद्र रायपुर के तेलीबांधा, कोरबा के नगर निगम बुधवारी टंकी और कुनकुरी में स्थापित किए जाएंगे। वर्तमान में 9 जिलों में 24 जगहों पर श्रम अन्न केंद्र संचालित हो रहे हैं। योजना का विस्तार करते हुए 13 जिलों के 27 स्थानों पर नवीन श्रम अन्न केंद्र शुरू किए जाएंगे। श्रम मंत्री श्री देवांगन ने विभागीय बैठक में कहा है कि श्रम विभाग के मण्डलों में असंगठित एवं निर्माण श्रमिकों के पंजीयन, योजनाओं के आवेदनों के निराकरण में श्रमिकों, अभिलेखों का सुस्पष्ट मिलान कर शत-प्रतिशत पात्र श्रमिकों को लाभ प्रदान करें। साथ ही ऐसे श्रमिक, जिनके अभिलेख में कमी, त्रुटि पाई जाती है, उन श्रमिकों से अभिलेख पूर्ण कराकर पंजीयन, योजना का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। खैरागढ़ जिले के अंतर्गत निर्माण, असंगठित श्रमिकों के पंजीयन, योजना आवेदनों में स्वघोषणा प्रमाणपत्र को अमान्य कर जिले द्वारा निरस्त किए गए आवेदनों को पुनः जांच करने के निर्देश दिए गए।

छत्तीसगढ़ में पदोन्नति में आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा

रायपुर। राज्य सरकार के कर्मचारी अधिकारियों को पदोन्नति में आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा। अब पूर्ववत वरिष्ठता क्रम में ही पदोन्नत किए जाएंगे। सामान्य वर्ग के अधिकारी-कर्मचारियों को इससे बड़ा लाभ होगा। सर्वोच्च और उच्च न्यायालयों के आदेश के परिपालन में सचिव जीएडी मुकेश बंसल ने इस आशय का परिपत्र जारी किया है। इसमें दिसंबर 19, फरवरी-20 के आदेशों को निरस्त कर दिया है। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर में दायर तीन याचिकाओं पर 16 अप्रैल को पारित अंतिम निर्णय अनुसार राज्य शासन द्वारा पदोन्नति में आरक्षण के संबंध में जारी छत्तीसगढ़ लोक सेवा (पदोन्नति) नियम, 2003 में संशोधन 22 और 30 अक्टूबर 19 को जारी अधिसूचना को मान्य नहीं किया गया है। इससे पहले दायर याचिका प्रकरणों में उच्च न्यायालय ने 9 दिसंबर 2019 को अंतरिम आदेश पारित किया गया था। उस आधार पर जीएडी के दिसंबर 2019 को समस्त विभागों की ओर जानकारी के लिए प्रेषित किया गया था।

भूपेश बोले- कानून व्यवस्था का राज कायम रखने में विफल रही साय सरकार

बलौदाबाजार की घटना पर प्रदेशव्यापी प्रदर्शन कांग्रेस ने मांगा राज्य सरकार से इस्तीफा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बलौदाबाजार की घटना के विरोध में कांग्रेस ने पूरे छत्तीसगढ़ में जोरदार प्रदर्शन किया। रायपुर से सरगुजा तक कांग्रेस के कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे और सरकार से इस्तीफे की मांग की है। रायपुर में राजीव गांधी चौक पर आयोजित कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शामिल हुए। उन्होंने कहा, बलौदाबाजार की घटना के पीछे खुद भजापा के लोग शामिल हैं। घटना के बाद निर्दोष लोगों को पकड़ा जा रहा है। डराया जा रहा है। उन्होंने कहा, सरकार कानून व्यवस्था का राज कायम रखने में विफल साबित हुई है। सरकार को अपनी गलती मानते हुए इस्तीफा दे देना चाहिए।

उन्होंने कहा, सही समय पर कार्रवाई नहीं करने से लोगों की भीड़ भड़क गई। जब लोग कलेक्टोरेट पहुंचे तो कुछ उपद्रवी लोग वहां पहुंच गए। उपद्रवियों ने जमकर उत्पात मचाया। अगर पुलिस बल पर्याप्त मात्रा में होता, तो भीड़ को काबू किया जा सकता था। भाजपा के नेताओं की लगातार बातचीत कलेक्टर के साथ होती रही। घटना के लिए अगर कोई जिम्मेदार है, तो वो भाजपा है। भोजन और टेंट की व्यवस्था भाजपा के लोग कर रहे थे। सरकार पूरी तरह से नाकाम रही। सरकार को तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। अगर ठीक से बैरिकेडिंग, वाटर कैनन और टीयर गैस का इस्तेमाल किया होता, तो ये घटना रोकी जा सकती थी। विजय शर्मा से गृहमंत्री का पद नहीं संभल रहा है।

पलारी में पुलिस ने विकास को रोका

बलौदाबाजार घटना के विरोध में चल रहे प्रदर्शन में शामिल होने के लिए विकास उपाध्याय बलौदाबाजार पहुंचे। पलारी पहुंचते ही विकास उपाध्याय को बैरियर पर रोक लिया गया, जिस पर वो भड़क गए। उन्होंने कहा, मुझे किस वजह से यहां रोका गया है, ये मुझे बताया जाए। पुलिस से चर्चा के बाद उन्हें वहां से बलौदाबाजार जाने दिया गया।

जहां भी भाजपा सरकार, वह प्रदेश जल रहा : बैज

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, जहां भी भाजपा की सरकार है, आज वह प्रदेश जल रहा है। 6 महीने की छत्तीसगढ़ में भाजपा की विष्णु देव साय की सरकार ने छत्तीसगढ़ को भी आग के हवाले कर दिया। धर्मांतरण को लेकर बस्तर को जलाया जा रहा है। बस्तर में फिर से नक्सलवाद अपने चरम पर पहुंच गया है। वहीं बलौदा बाजार जैसी घटना देश के इतिहास में पहली बार घटित हुई है, क्योंकि आज तक देश के इतिहास में कभी भी कलेक्टर और एसपी के कार्यालय को नहीं जलाया गया। सरकार ने आनन फानन में लीपापोती करने तीन लोगों को गिरफ्तार किया, परंतु सतनामी समाज इस रवैया से संतुष्ट नहीं था और लगातार सीबीआई जांच की मांग कर रहा था।

सीबीआई जांच एवं साय सरकार के इस्तीफे की मांग

बलौदाबाजार में जैत खाम के अपमान व तोड़ फोड़ मामले में आवश्यक कार्रवाई, सीबीआई जांच एवं साय सरकार के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेसियों ने मुंह में काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया। हाथ में तख्ती लेकर शांति पूर्वक ज्ञापन सौंपने कलेक्टर कार्यालय जा रहे कांग्रेसियों को पुलिस ने धक्का मुक्की कर रोका। प्रदर्शन में धरना प्रदर्शन कार्यक्रम प्रभारी व पूर्व विधायक विकास उपाध्याय, पूर्व विधायक जनक राम वर्मा, जिला कांग्रेस अध्यक्ष हितेंद्र ठाकुर, विधानसभा प्रत्याशी शैलेश नितिन त्रिवेदी, सुरेंद्र शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष विक्रम गिरी, रूपेश ठाकुर सहित कांग्रेसी उपस्थित थे।

समय पर आवश्यक कदम उठाते तो ये घटना नहीं होती : महंत

कोरिया में धरने को संबोधित करते हुये नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा, बलौदाबाजार की घटना प्रदेश के माथे पर कलंक का टीका है। यह घटना भाजपा सरकार की लापरवाही, नाकामी, लचर कानून व्यवस्था के कारण हुई है। सरकार को समाज की मांग अनुसार घटना की जांच कराया जाना चाहिए था, भाजपा सरकार ने अगर समय पर आवश्यक कदम उठाये होते, तो ये घटना नहीं होती। जांच के नाम पर दोषी भाजपाइयों को बचाया जा रहा है।

सरकार लॉ एंड आर्डर का राज कायम करने में विफल

दुर्ग के हिंदी भवन के सामने कांग्रेस ने अपना विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस के इस प्रदर्शन में पूर्व मंत्री रविंद्र चौबे सहित सैकड़ों कांग्रेसी कार्यकर्ता और नेता शामिल हुए। रविंद्र चौबे ने कहा, बलौदाबाजार में जो घटना हुई वो शर्मनाक है। मेरे चालीस साल के राजनीतिक करियर में ऐसी घटना न मैंने सुनी न ही देखी। निर्दोष लोगों को पकड़ा जा रहा है। गृहमंत्री की ये नाकामी है। ये सरकार लॉ एंड आर्डर का राज कायम करने में पूरी तरह से विफल रही है।

बीएससी प्रथम वर्ष में 58 प्रतिशत छात्र नपे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- रविवि ने जारी किए नतीजे, 11 हजार 417 छात्रों ने दिलाई थी परीक्षा

पं.रविशंकर शुक्ल विवि द्वारा बीएससी प्रथम वर्ष के परीक्षा परिणामों की घोषणा कर दी गई है। रविवि द्वारा आयोजित इस परीक्षा में 11 हजार 417 छात्र शामिल हुए थे। इनमें से 4 हजार 816 छात्र ही उत्तीर्ण हो सके हैं, जो कुल शामिल छात्रों का मात्र 42.18 प्रतिशत है। इस तरह से 58 छात्र प्रतिशत छात्र परीक्षा में असफल हो गए हैं। असफल छात्रों में से 5 हजार 205 अनुत्तीर्ण रहे हैं, जबकि 1352 छात्रों को पूरक श्रेणी में रखा गया है। 44 छात्रों के परिणाम विविध कारणों से रोके गए हैं। रोके गए परिणामों में से कुछ प्रकरण नकल के हैं जबकि कुछ छात्रों के परिणाम महाविद्यालयों से प्रायोगिक अंक प्राप्त ना होने के कारण जारी नहीं किए जा सके हैं। 136 छात्र ऐसे रहे, जिन्होंने परीक्षा के लिए आवेदन फॉर्म तो भरा, लेकिन परीक्षा में शामिल नहीं हुए।

बीए के रोके गए नतीजे जारी

रविवि द्वारा बीए तृतीय वर्ष के परिणाम पहले ही जारी किए जा चुके हैं। इनमें से कई छात्रों के परिणाम विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा रोके गए थे। महाविद्यालयों से प्रायोगिक कक्षाओं के अंक प्राप्त होने के बाद विथहेल्ड नतीजों की घोषणा कर दी गई है। नकल संबंधित प्रकरणों के निराकरण के बाद जिन छात्रों के परिणाम रोके गए हैं, उनके नतीजे भी जारी कर दिए गए हैं। परिणाम रविवि के आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं। छात्र निर्धारित अवधि के भीतर पुनर्मूल्यांकन और पुनर्गणना के लिए आवेदन कर सकते हैं।

अब नितिन नवीन बने भाजपा के प्रदेश प्रभारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

ओम माथुर के स्थान पर अब सहप्रभारी बिहार के मंत्री नितिन नवीन भाजपा प्रदेश प्रभारी का जिम्मा देख रहे हैं। लोकसभा चुनाव के समय इस बार ओम माथुर की छत्तीसगढ़ से लगातार दूरी के बाद सवाल भी खड़ा हो रहा था कि ऐन चुनाव के समय वे कहां हैं। राष्ट्रीय संगठन ने उनको दूसरा बड़ा जिम्मा दे दिया था। ऐसे में पहले नितिन नवीन को प्रदेश का चुनाव प्रभारी बनाया गया और इसके बाद लोकसभा चुनाव के बीच में ही उनको प्रदेश प्रभारी भी बना दिया गया।

विधानसभा चुनाव से पहले बीते साल प्रदेश प्रभारी का जिम्मा डी. पुरंदेश्वरी के स्थान पर ओम माथुर को दिया गया था। उनको प्रदेश में भाजपा की फिर से सरकार बनाने की बड़ी जिम्मेदारी के साथ राष्ट्रीय संगठन ने भेजा था। इस जिम्मेदारी पर श्री माथुर खरे भी उतरे और प्रदेश में भाजपा की सरकार बन गई। विधानसभा चुनाव में सहप्रभारी नितिन नवीन की भी अहम भूमिका रही। इसके बाद जब इस साल लोकसभा के चुनाव हुए, तो इनमें ओम माथुर की लगातार प्रदेश से दूरी रही। उनको दूसरी बड़ी जिम्मेदारी देने के कारण चुनाव में नितिन नवीन को प्रदेश का चुनाव प्रभारी बनाया गया, हालांकि तब उनको प्रदेश प्रभारी घोषित नहीं किया और सह प्रभारी ही रहे, लेकिन भाजपा के पदाधिकारियों का कहना है कि लोकसभा चुनाव के बीच में ही उनको प्रदेश प्रभारी भी बना दिया गया था। लोकसभा चुनाव के बाद इस बार नितिन नवीन 15 और 16 जून को जब दो दिनों के दौरे पर प्रदेश संगठन की बैठकें लेने आए, तो इस बार वे यहां पर प्रदेश प्रभारी के रूप में ही आए।

किरण देव बोले- कांग्रेस का धरना सियासी नौटंकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने बलौदाबाजार अग्निकांड मामले को लेकर कांग्रेस पर वातावरण को बिगाड़कर अपनी गंदी राजनीतिक सोच से प्रदेश के समरस सामाजिक सौहार्द्र को क्षति पहुंचाने का आरोप लगाया है। श्री देव ने मंगलवार को कांग्रेस के एक दिनी धरना-प्रदर्शन को कोरी सियासी नौटंकी करार देते हुए कहा, बलौदाबाजार मामले के षड्यंत्र में अपनी भूमिका के जगजाहिर हो जाने के भय से कांग्रेस के लोग बेचैन हो रहे हैं और इसलिए धरना-प्रदर्शन के फ्लॉप शो करके वह अब प्रदेश की जनता का ध्यान भटकाने की नाकाम कोशिश कर रहे हैं। श्री देव ने कहा, भाजपा जांच दल ने सोमवार को अमरगुफा स्थित जैतखाम पहुंचकर जैतखाम को पहुंचाई गई क्षति का विस्तार से जायजा लिया है और क्षेत्र के लोगों से सभी पहलुओं पर चर्चा की है। भाजपा जांच दल ने घटनास्थल का मुआयना करने के बाद प्रारंभिक तौर पर पाया कि बलौदाबाजार में हुई आगजनी की भीषण वारदात एक सुनियोजित राजनीतिक षड्यंत्र है। प्रदेश सरकार की प्रारंभिक जांच भी इसी दिशा में स्पष्ट संकेत कर रही है। श्री देव ने कहा, षड्यंत्रकारियों का प्रदेश के सामाजिक सौहार्द्र को खत्म कर भाजपा सरकार को बदनाम कर राजनीतिक लाभ लेने का उद्देश्य था, लेकिन प्रदेश सरकार की सक्रियता और सूझबूझ से षड्यंत्रकारी अपनी बदनीयती में नाकामयाब रहे। श्री देव ने कहा, कांग्रेस ने इस आंदोलन को हिंसक दिशा देने की सुनियोजित तैयारी की थी।

ग्राम पंचायतों में बनेंगे महतारी सदन ग्रामीण सचिवालय का आयोजन भी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश के ग्राम पंचायतों में महिलाओं के लिए एक सुव्यस्थित महतारी सदन बनाए जाएंगे। यह सदन सर्व सुविधायुक्त होगा। इस सदन में महिलाओं की विभिन्न गतिविधियां आयोजित होंगी। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने महतारी सदन की ड्राइंग डिजाइन का अनुमोदन करते हुए इसे तेजी से पूर्ण कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। महतारी सदन का निर्माण लगभग 25 सौ वर्गफीट होगा, यहां बरामदा, एक बड़ा हाल, किचन और स्टोररूम, शौचालय जैसी सुविधाएं रहेंगी। पानी के लिए ट्यूबवेल के साथ वाटर हार्वेस्टिंग भी किया जाएगा। महिलाओं की सुरक्षा के लिए इसमे बॉउंड्रीवाल भी बनाये जाएंगे। इसके साथ ही ग्राम पंचायतों में ग्रामीण सचिवालय का आयोजन भी होगा।

यह जानकारी उप मुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के भारसाधक मंत्री विजय शर्मा द्वारा की गई विभागीय समीक्षा बैठक से सामने आई है। समीक्षा बैठक में श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास निर्माण के काम में तेजी लाई जाए। कार्ययोजना बनाकर इसे समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बड़े गांवों के व्यवस्थित विकास के लिए भी कार्ययोजना तैयार करें। ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण के लिए प्रत्येक सप्ताह ग्रामीण सचिवालय का आयोजन किया जाए। इसी प्रकार पीएम जनमन योजना के तहत आदिवासी बहुल बसाहटों में मूलभूत सुविधाओं सहित सभी प्रमुख योजनाओं से जनजाति परिवारों को लाभान्वित किया जाए।

पीएम आवास के लिए राशि की कमी नहीं

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत राशि की कमी नहीं होगी। कई पात्र हितग्राही जो आवास बनाने में सक्षम नही हैं उन्हें वालेंटियर्स के माध्यम से सपोर्ट दिया जाएगा। सभी ग्राम पंचायतो में प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किये जा रहे हैं। इन्हें तेजी से पूर्ण करने के लिए कार्ययोजना बनाएं। समीक्षा बैठक में प्रमुख सचिव निहारिका बारिक सिंह, संयुक्त सचिव तारन प्रकाश सिन्हा, संचालक प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण रजत बंसल, संचालक पंचायत प्रियंका ऋषि महोबिया, मिशन संचालक राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन नम्रता जैन, मिशन संचालक, राज्य स्वच्छ भारत मिशन संजय चंदन त्रिपाठी समेत विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने की नगरीय प्रशासन की समीक्षा

सभी नगरीय निकायों का बनेगा डेवलपमेंट प्लान, वार्डों का परिसीमन 18 जुलाई तक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के सभी नगरीय निकायों के लिए डेवलमेंट प्लान बनाए जाएंगे। उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव ने मंगलवार को नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की समीक्षा बैठक में सभी नगरीय निकायों के सुव्यवस्थित और योजनाबद्ध विकास के लिए यह निर्देश दिया है।

इसके साथ ही उन्होंने विभागीय अधिकारियों को सभी निकायों में डेवलपमेंट प्लान के अनुसार ही विकास और जन सुविधाएं विकसित करने के कार्य स्वीकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने ये भी कहा है कि वार्डों के परिसीमन का काम 18 जुलाई तक पूरा करने कहा है, ताकि जिससे कि आरक्षण प्रक्रिया और मतदाता सूची तैयार करने का काम समय पर शुरू किया जा सके। समीक्षा के दौरान उपमुख्यमंत्री ने जिला मुख्यालयों से संभागीय मुख्यालय आने-जाने के लिए सुलभ पब्लिक ट्रांसपोर्ट की कार्ययोजना तैयार करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने आगामी बारिश के मौसम को देखते हुए सभी नगरीय निकायों में नालों-नालियों की सफाई बरसात के पहले सुनिश्चित करने को कहा।

हाउसिंग परियोजनाओं में जिओ-टेगिंग

श्री साव ने समीक्षा बैठक में सभी नगरीय निकायों के सुव्यवस्थित और योजनाबद्ध विकास के लिए सिटी डेवलपमेंट प्लान तैयार करने को कहा। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को सभी निकायों में डेवलपमेंट प्लान के अनुसार ही विकास और जन सुविधाएं विकसित करने के कार्य स्वीकृत करने के निर्देश दिए। श्री साव ने शहरी क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना के साथ ही अफोर्डेबल हाउसिंग की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने इन योजनाओं के काम पूर्ण गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने को कहा। उन्होंने हाउसिंग परियोजनाओं में जिओ-टेगिंग का ऑडिट कराने भी कहा।

कई योजनाओं की हुई समीक्षा

श्री साव ने बैठक में मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना, श्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स, अमृत मिशन, गौरव पथ निर्माण और संपत्ति कर संग्रहण की समीक्षा की। बैठक में नगर पंचायतों के नगर पालिकाओं में और नगर पालिकाओं के नगर निगमों में उन्नयन पर भी चर्चा हुई। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस., संचालक कुंदन कुमार, सूडा के सीईओ शशांक पाण्डेय, अपर संचालक पुलक भट्टाचार्य और संयुक्त संचालक एसके सुंदरानी भी समीक्षा बैठक में मौजूद थे।

मुख्यमंत्री साय से मिले केन्द्रीय राज्यमंत्री चौधरी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से मंगलवार शाम उनके निवास कार्यालय में केन्द्रीय जल शक्ति राज्यमंत्री राजभूषण चौधरी ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने श्री चौधरी को शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। इस दौरान छत्तीसगढ़ में नल से स्वच्छ पेयजल की जल जीवन मिशन के तहत कराए जा रहे कार्यों के संबंध में विस्तार से चर्चा की। ये है जलजीवन मिशन की स्थिति : मुख्यमंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य में जलजीवन मिशन के तहत 50 लाख 5 हजार 12 घरों में नल कनेक्शन दिए जाने के लक्ष्य के विरुद्ध अब तक 39 लाख 17 हजार 491 घरों में नल कनेक्शन दिया जा चुका है, जो कि लक्ष्य का 78.21 प्रतिशत है। राज्य के धमतरी जिले में सर्वाधिक 98 प्रतिशत घरों में नल कनेक्शन दिया जा चुका है।

खबर संक्षेप

रोजगार के बेहतर अवसर दे रहे हैं बी-वॉक प्रोग्राम

रायपुर। जेम्स एंड ज्वेलरी सेक्टर जिस तेजी से बढ़ रहा है, उससे रोजगार के नए अवसर लगातार उत्पन्न हो रहे हैं। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में त्रिवर्षीय बी-वॉक (जेम्स एंड ज्वेलरी इंडस्ट्री प्रोफेशन) प्रोग्राम में छत्तीसगढ़ के युवा दाखिला लेकर ऐसे रोजगार के अवसर का बखूबी लाभ उठा सकते हैं। रायपुर सराफा एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष हरख मालू ने युवाओं से इस कोर्स में एडमिशन लेने की अपील की है। तीन साल के कोर्स के लिए न्यूनतम योग्यता किसी भी विषय में 12वीं पास (इंटरमीडिएट) होना जरूरी है। सीटें जरूर सीमित हैं, कुल 20 सीटें हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। श्री मालू ने बताया कि वर्तमान में यह उद्योग भारत के कुल निर्यात में 15 प्रतिशत का योगदान देता है और हमारे जीडीपी का 6 प्रतिशत हिस्सा इस उद्योग से आता है। इसके महत्व को रेखांकित करते हुए श्री मालू ने बताया कि आगामी वर्षों में जेम्स एंड ज्वेलरी सेक्टर को 2.5 लाख प्रशिक्षित जनशक्ति की आवश्यकता होगी। साथ ही भारतीय उद्योग के प्रमुख घराने जैसे टाटा, रिलायंस, टीबीजेड, सेंको और अन्य प्रतिष्ठित ज्वेलरी हाउस अपने व्यापार का विस्तार कर रहे हैं।

दोषियों पर कार्रवाई के लिए सौंपा ज्ञापन

रायपुर। शक्ति सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष शैलेंद्र बंजारे ने बलौदाबाजार में सतनामी समाज के शांतिपूर्ण आंदोलन में असामाजिक व शरारती तत्वों द्वारा किए गई कृत्यों के लिए सख्त कार्रवाई और सात सूत्रीय मांगों को लेकर राज्यपाल सचिवालय में ज्ञापन सौंपा। इसी दौरान श्री बंजारे ने कहा कि सात मांगों में अमर गुफा, गिरौदपुरी, बलौदाबाजार में जैतखंब कटाई की पूरे मामले की जांच सतनामी समाज की मांग को ध्यान में रखते हुए सीबीआई से जांच कराई जाए, सतनामी समाज के जिन लोगों को इस मामलों में पुलिस गिरफ्तार किया गया है, उन्हें तत्काल कोर्ट में पेश कर चालानी कार्यवाही की जाए, शासन-प्रशासन यह ध्यान दे कि ठोस आधार पर ही उचित जांच कराकर ठोस सबूतों के आधार पर ही दोषियों को गिरफ्तार करें, अनुसूचित जाति, जनजाति, असहाय निर्बल परिवारों पर किसी भी तरह का प्रताड़ना न हो और न्याय का परिपालन शासन-प्रशासन द्वारा कड़ाई से किया जाए। इसके लिए बीजेपी की प्रदेश सरकार द्वारा श्वेतपत्र जारी किया जाए।

निधन

चंद्रादेवी चंदनानी

रायपुर। आनंद विहार निवासी चंद्रादेवी चंदनानी का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 18 जून को तेलीबांधा मुक्तिधाम में किया गया। वे नारायणदास चंदनानी की पत्नी और सोहन, सुनील, जितेंद्र चंदनानी की माता थीं।

पुष्पा देवी आहूजा

रायपुर। प्रेम पार्क फेज-2 महावीर नगर निवासी पुष्पा देवी आहूजा का निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 19 जून को सुबह 11 बजे उनके निवास स्थान से तेलीबांधा मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे स्व. हीरानंद आहूजा की पत्नी एवं लक्ष्मण आहूजा की माता थीं।

गुलशन अली

रायपुर। रमन मंदिर वार्ड निवासी गुलशन अली (71) का 18 जून को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 19 जून दोपहर 1 बजे मौदहापारा कब्रिस्तान के लिए निकलेगी। वे आफरीन परवीन की वालिदा थीं।

ट्रेनों में जहरखुरानी गिरोह सक्रिय, सफर में अजनबी से न करें दोस्ती, आरपीएफ ने बढ़ाई चौकसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अलग खबर

ट्रेन में सफर के दौरान किसी अनजान से दोस्ती करना और खाने पीने की चीजें लेना यात्रियों को भारी पड़ सकता है, क्योंकि ट्रेनों में भीड़ के साथ इन दिनों एक बार फिर से जहरखुरानी गिरोह के सक्रिय होने की खबर है। गिरोह के लोग रात के समय में लगातार यात्रियों को अपना शिकार बनाकर लूट रहे हैं। जहर खुरानी गिरोह के लोग पहले यात्रियों को अपनी कन्फर्म सीट पर बैठने के जगह देते है, फिर मित्रता करते हुए नाश्ता, चाय व बिस्किट में नशीली दवा पिलाकर बेहोश कर यात्रियों का सामान चोरी कर रहे हैं। हर साल त्योहार और ट्रेनों में भीड़ के दौरान गिरोह सक्रिय हो जाता है। आरपीएफ के मुताबिक गिरोह के लोग अच्छे कपड़े पहनकर सफर करते हैं, ताकि यात्री को संदेह न हो। गिरोह में महिलाएं भी शामिल होती हैं। कई मामलों में देखा गया है कि गिरोह मेडिकल पर आसानी से मिलने वाली एक नशीली गोलियों का हैवी डोज चाय-कोल्ड ड्रिंक्स या खाने के सामान में देते हैं, चंद मिनटों बाद गिरोह का शिकार 8-10 घंटे के लिए बेहोश हो जाता है, इस बीच यात्री का सारा सामान लूटकर बदमाश भाग गए।

गिरोह के सरगना को पकड़ने आरपीएफ ने खोला मोर्चा

अजनबी की हमदर्दी पड़ रही भारी

जोन में ट्रेनों में जहर खुरानी गिरोह के हर साल दर्जन से अधिक मामले आरपीएफ और जीआरपी को मिलते हैं। नागपुर, कटनी और झारसुगुड़ा रूट में जहर खुरानी गिरोह ने यात्रियों के साथ सर्वाधिक चोरी की है। आरपीएफ के मुताबिक जहर खुरानी गिरोह के पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ में पता चला है कि लंबी दूरी की ट्रेनों को अपना शिकार बनाते हैं। हमदर्दी जताने के लिए कई बार अपनी जेब से चाय के पैसे भी दे देते हैं। बगल की सीट पर बैठकर मुसाफिर बनकर खाने-पीने का सामान में साझा करते हैं। कोई कितना भी मना करे, लेकिन ये बदमाश किसी भी तरह एक बिस्कुट खिलाने में कामयाब हो जाते हैं। बस ये कच्चा लालच ही उस मुसाफिर पर भारी पड़ जाता है। मुसाफिर को नशा होने के बाद ये बदमाश उसका सामान लूट लेते हैं।

ट्रेन व प्लेटफार्म पर चला जागरूकता अभियान

सहायक सुरक्षा आयुक्त रेलवे सुरक्षा बल के निर्देशन में रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ टीम ने स्टेशन पर जागरूकता अभियान चलाते हुए यात्रियों को संदेश दिया कि वह किसी भी अपरिचित व्यक्ति से कुछ ना खाए और ना ही अपरिचित व्यक्ति से संपर्क रखे। आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक एस. दत्ता ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा के लिए चौकसी बरती जा रही है। गिरोह को पकड़ने के लिए दूसरे राज्यों के मुखबिर से मदद भी ली जा रही है। एनाउंसमेंट के जरिए यात्रियों को बताया जा रहा है कि यात्रा के दौरान किसी की बातों में न आएं। अनजान व्यक्ति के हाथों से कोई भी चीज न खाएं। चाहे वह कितना नजदीकी, पड़ोसी या बिरादरी का बताकर भरोसा जीतने की कोशिश करे।

अभियान जारी

ट्रेनों में जहरखुरानी के संबंध में प्लेटफार्म में अनाउंसमेंट कर यात्री को लगातार जागरूक किया गया। यात्रियों को गिरोह के हथकंडों से भी अवगत करवा रहे हैं, ताकि किसी अनजान की बातों पर विश्वास न करें। यात्रियों से अपील की जा रही है कि संदिग्ध व्यक्ति के बारे में आरपीएफ को जानकारी दें।

- एस. दत्ता, आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक

दो पक्षों में मारपीट के साथ जमकर हुई पत्थरबाजी, मौदहापारा थाना क्षेत्र की घटना

बाहरी लड़कों की आवाजाही रोकने पर पड़ोसी के घर जलता सिलेंडर फेंकने से हुआ बवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- **पुलिस महिला बदमाश सहित छह लोगों को हिरासत में लेकर कर रही पूछताछ**

बाहरी लड़कों की आवाजाही रोकने के विवाद पर दो पक्षों में जमकर विवाद हुआ। घर में पत्थरबाजी की घटना से आहत महिला बदमाश ने अपने पड़ोसी के घर जलता हुआ सिलेंडर फेंक दिया। सिलेंडर फेंके जाने की घटना के बाद जमकर बवाल हुआ और जमकर पत्थरबाजी हुई। पुलिस घर में जलते हुए सिलेंडर फेंकने के आरोप में आदतन तथा हिस्ट्रीशीटर बदमाश सहित उसके छह अन्य साथियों को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। घटना मंगलवार देर शाम मौदहापारा थाना क्षेत्र से सटी गली की है।

पुलिस के अनुसार मुस्कान रात्रे के घर के आसपास बाहरी लड़कों की आवाजाही होती रहती थी। इस बात को लेकर आसपास के रहवासियों ने मुस्कान को बाहरी लड़कों की आवाजाही पर रोक लगाने कहा। इस बात से नाराज होकर पिछले कुछ दिनों से मुस्कान रात्रे तथा उसके साथी रहवासियों के घरों में पत्थर सहित पटाखा वाले बम फेंकने लगे। इससे क्षेत्र के लोग नाराज होकर एकजुट होने लगे, जिसने घटना दिनांक को बलवा का रूप धारण कर लिया।

बकरीद के दिन बम फेंके जाने से भड़के लोग

पुलिस को स्थानीय लोगों ने बताया है कि सोमवार बकरीद का पर्व था। लोगों ने अपने घरों में अन्य लोगों को दावत पर बुलाया था। ऐसे में मुस्कान, उसके भाई तथा साथियों ने पड़ोसी के घर के सामने पटाखे जलाने के साथ पटाखे फेंके। इस बात को लेकर लोग आक्रोषित थे। पटाखे फोड़े जाने को लेकर सोमवार को विवाद की स्थिति निर्मित हुई, लेकिन लोगों के बीच-बचाव से विवाद शांत हो गया।

बदला लेने लोगों ने घर में फेंके पत्थर

सोमवार की घटना को लेकर दूसरे दिन फिर विवाद की स्थिति निर्मित हो गई, इसके बाद मुस्कान, उसके भाई तथा साथियों ने जिसके घर के सामने सोमवार को पटाखे फोड़ने के साथ फेंके थे, उन्होंने मुस्कान के घर जमकर पत्थरबाजी की। घर में पत्थरबाजी होते देख मुस्कान ने बदला लेने की नीयत से अपने पड़ोसी के घर जलता हुआ सिलेंडर फेंक दिया। हालांकि जलते हुए सिलेंडर से किसी तरह से कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है।

क्षेत्र में तनाव की स्थिति

पत्थरबाजी तथा जलता हुआ सिलेंडर फेंकने की घटना से क्षेत्र में तनाव की स्थिति निर्मित हो गई थी। तनाव को देखते हुए मौके पर भारी भरकम पुलिस बल लगाना पड़ा, तब कहीं जाकर पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया। बलवा शांत होने के बाद भी मौके पर पुलिस बल की तैनाती की गई है।

दो माह पूर्व पुलिस पर कुत्ता छोड़ दिया था

मुस्कान रात्रे के खिलाफ अलग-अलग थानों में दर्जनों प्रकरण दर्ज हैं। दो माह पूर्व कबीर नगर में गांजा तस्करी के मामले में पुलिस मुस्कान को गिरफ्तार करने गई थी, तब उसने पुलिस के पीछे कुत्ता छोड़ दिया था। इतना ही नहीं, पुलिस से बचने मुस्कान ने छत पर चढ़कर अपने बच्चे को फेंकने की धमकी दी। साथ ही घर में रखे गैस सिलेंडर का पाइप खोल आग लगा देने की धमकी देकर पुलिस से बचने का प्रयास किया। पुलिस के मुताबिक गांजा तस्करी के आरोप में मुस्कान एक माह पूर्व जेल से छूटकर आई है। मुस्कान के खिलाफ एक्सटार्सन, मारपीट, गांजा तस्करी करने के साथ ही कई गंभीर धाराओं के तहत अपराध दर्ज हैं।

जोन 5 के 7 वार्डों में आज से नए राशनकार्ड का वितरण शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- **वामनराव लाखे वार्ड के लिए रामजानकी सामुदायिक भवन में लगेगा शिविर**

रायपुर नगर निगम के जोन क्रमांक 5 के 7 वार्डों में नवीनीकरण के बाद नए राशनकार्ड वितरण के लिए शिविर 19 जून से आयोजित है। यह शिविर वार्ड वासियों की सुविधा के लिए 19 जून से 3 जुलाई तक लगाया जायेगा। इसके लिए प्रातः 10 से दोपहर 3 बजे तक का समय कार्डधारियों को राशनकार्ड वितरण के लिए तय किया गया है। वामनराव लाखे वार्ड के राशनकार्ड धारियों के लिए मलसाय तालाब के पास स्थित राम-जानकी सामुदायिक भवन कुशालपुर में नया राशनकार्ड वितरण शिविर बुधवार से लगाया जायेगा।

शहर में नए राशनकार्ड वितरण की व्यवस्था को देखते हुए वार्डवार नवीन राशनकार्ड वितरण शिविर लगाया जा रहा है। जोन अध्यक्ष मन्नू- विजेता यादव ने बताया कि 19 जून से 3 जुलाई तक वामनराव लाखे वार्ड के रहवासियों को राशनकार्ड वितरण किया जायेगा। राशनकार्ड धारियों की सुविधा के लिए राम-जानकी सामुदायिक भवन परिसर में यह शिविर बुधवार से सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक आयोजित है। उपभोक्ता अपनी सुविधा अनुसार शिविर स्थल पर पहुंचकर नया राशनकार्ड ले जा सकते हैं।

इसी तरह वार्ड क्रमांक 43 महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड के रहवासियों के लिए गोवर्धन चौक स्थित वाचनालय भवन में राशनकार्ड वितरण शिविर 19 जून से 3 जुलाई तक सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक लगाया जायेगा। भक्त कर्मा माता वार्ड और डॉ. खूबचंद बघेल वार्ड के राशनकार्ड धारियों के लिए चंगोराभाठा के सांस्कृतिक भवन में यह शिविर आयोजित होगा।

नया राशन कार्ड वितरण का वितरण

इसी तरह ठाकुर प्यारेलाल वार्ड के रहवासियों के लिए डगनिया पानी टंकी के पास स्थित वार्ड कार्यालय में नया राशन कार्ड वितरण का वितरण किया जायेगा। पंडित दीनदयाल उपाध्याय वार्ड वासियों के लिए डीडीयू नगर स्थित वार्ड कार्यालय में 19 जून से 3 जुलाई तक राशनकार्ड वितरण शिविर लगाया जायेगा। पंडित सुंदरलाल शर्मा वार्ड के वासियों की सुविधा के लिए अश्वनी नगर स्थित सामुदायिक भवन परिसर में नया राशनकार्ड वितरण शिविर आयोजित होगा।

पेज 11 के शेष ...

प्री-मानसून की पहली...

गया। लगभग ढाई घंटे तक बादल जमकर गरजे। इस दौरान तीस किमी. प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चली और रात साढ़े आठ बजे तक 36.3 मिमी. बारिश दर्ज की गई। तेज बारिश से रात में सामान्य से अधिक रहने वाला तापमान नीचे चला गया और लोगों ने राहत महसूस की।

तेलीबांधा तालाब में मर...

रविवार को तो बदबू से बुरा हाल था। अभी भी मरी हुई मछलियां तालाब के पानी के ऊपर देखी जा सकती हैं। रोज बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियों की सफाई तालाब से की जा रही है, जबकि तेलीबांधा तालाब में गंदे पानी को साफ करने रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने 3.50 करोड़ की लागत से सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट लगवाया है। इसमें जैविक तरीके से तालाब के पानी की सफाई कराने राष्ट्रीय स्तर की कंपनी भेल के साथ अनुबंध किया गया था। अनुबंधित एजेंसी ने 5 साल तक सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट की देखरेव व संचालन का काम किया, पर 3 माह पूर्व अनुबंध की समय सीमा पूरा होने के बाद से एसटीपी बंद पड़ा है। **आचार संहिता बना बहाना, अब तक टेंडर नहीं , वैकल्पिक व्यवस्था से काम** : सूत्रों के मुताबिक रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा अनुबंधित एजेंसी के 5 साल की कार्य अवधि आचार संहिता से पहले समाप्त हो गई, पर विभागीय अधिकारियों ने नया टेंडर करने की जगह स्थानीय एजेंसी को वैकल्पिक व्यवस्था के तहत तेलीबांधा तालाब में लगाये गए एसटीपी का मेंटनेंस करने काम सौंप दिया। नई एजेंसी इस काम को सही ढंग से नहीं कर पाई, जिससे तालाब में मिलने वाले नाले के गंदा पानी की सफाई का कार्य प्रभावित रहा।

मेयर कक्ष के सामने...

महापौर को ज्ञापन सौंपकर पेयजल संकट दूर करने की मांग की थी। इसके बाद भी जल संकट की समस्या बनी हुई है। इसीलिए भाजपा पार्षद दल महापौर को कुंभकरणी नींद से जगाने नगाड़ा बजाकर विरोध प्रदर्शन करने पहुंचा है। भाजपा पार्षद दल प्रवक्ता मृत्युंजय दुबे, वरिष्ठ पार्षद डॉ. प्रमोद साहू ने कहा कि 450 करोड़ रुपए अमृत मिशन योजना के तहत खर्च करने के बाद भी नलों में पानी का प्रेशर नहीं आ रहा है। शहर के 70 वार्डों में से 42 वार्डों में पानी टैंकर भेजने की नौबत आई है। इस समस्या के पीछे कहीं न कहीं महापौर और उनके परिषद की कार्यप्रणाली जिम्मेदार है।

जेल के बाहर समर्थकों...

ने एसटीएफ के साथ झूमाझटकी करते हुए अनवर की सेहत का हवाला देते हुए अस्पताल ले जाने की बात कही तथा एंबुलेंस से अस्पताल ले जाने लगे। तब एसटीएफ ने अनवर की उत्तरप्रदेश में स्वास्थ्य परीक्षण कराने की बात कही। इसके बाद समर्थक अनवर को एंबुलेंस में एक पुराने केस में सिविल लाइंस थाने लेकर पहुंच गए। **दिनभर ऐसे चला घटनाक्रम** : अनवर तथा एपी त्रिपाठी को प्रोटेक्शन वारंट पर उत्तरप्रदेश ले जाने एसटीएफ की टीम पिछले दो दिनों से रायपुर में डेरा डाले हुए थी। उत्तरप्रदेश कोर्ट से प्रोटेक्शन वारंट हासिल करने के बाद एसटीएफ की टीम सेंट्रल जेल पहुंची, तब जेल प्रशासन ने अनवर तथा एपी की सेहत को लेकर जेल अस्पताल में भर्ती होने का हवाला देते हुए एसटीएफ को रायपुर की स्पेशल कोर्ट में आवेदन दाखिल करने कहा। रायपुर कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद एसटीएफ अनवर तथा एपी को प्रोटेक्शन वारंट पर ले जाने जेल पहुंची, तब तक अनवर की हाईकोर्ट से जमानत स्वीकृति का कागज जेल पहुंच गया। **इस बात को लेकर हंगामा** : अनवर के वकील तथा उसके समर्थकों का तर्क था कि प्रोटेक्शन वारंट जेल तक सीमित रहता है। अनवर को हाईकोर्ट से स्वास्थ्यगत कारणों से जमानत मिल गई है, ऐसे में प्रोटेक्शन वारंट का कोई औचित्य नहीं। इस बात को लेकर एसटीएफ तथा अनवर के समर्थकों के बीच विवाद की स्थिति निर्मित हो गई। समर्थक एसटीएफ के साथ झूमाझटकी करते हुए अनवर को अपने साथ नोएडा ले जाने से रोकने की कोशिश कर रहे थे।

ठंडी पड़ी स्कूली बच्चों की...

सुरक्षा के लिए सावधानी बरतने संबंधित जानकारी देने अभियान चलाने पर जोर दिया था। इस आधार पर स्कूलों में सप्ताह में एक दिन व्यायाम शिक्षकों के माध्यम से बच्चों को आंखों की एक्सरसाइज कराए जाने की योजना बनाई गई थी। इसके तहत पहले व्यायाम शिक्षकों को इसकी जानकारी से अवगत कराया जाना था। आला अधिकारियों की पसंद होने के बाद भी मैदानी अमला इस मामले में गंभीरता नहीं दिखा पाया और योजना ठंडे बस्ते में चली गई।

आबकारी के अल्टीमेटम के बाद आधे सुरक्षा गार्डों को मिली आधी सैलेरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- **ढाई माह से वेतन नहीं देने पर शराब दुकानों के सुरक्षा गार्डों ने एसआईएस कंपनी के खिलाफ किया था प्रदर्शन**

आबकारी विभाग के अल्टीमेटम के बाद भी शासकीय शराब दुकानों के सुरक्षा गार्डों को एसआईएस कंपनी ने वेतन का पूरा भुगतान नहीं किया है। कंपनी ने दो महीने की जगह सिर्फ एक माह का वेतन ही सुरक्षा गार्डों को दिया है। यह वेतन भी आधे से कम सुरक्षा गार्डों को दिया गया है, जबकि 100 से अधिक गार्डों का वेतन अभी भी कंपनी ने अटका के रखा है। वेतन नहीं मिलने के कारण सुरक्षा गार्डों के परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं, जिससे वे फिर प्रदर्शन करने की तैयारी में हैं।

रायपुर जिले की शासकीय शराब दुकानों में कार्यरत सुरक्षा गार्डों ने एसआईएस कंपनी के खिलाफ 12 जून को सिविल लाइंस स्थित आबकारी कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया। सुरक्षा गार्डों के प्रदर्शन करने पर विभागीय अधिकारियों ने इस मामले को तत्काल संज्ञान में लिया और कंपनी के जवाबदारों को तत्काल कार्यालय तलब कर इस मामले में बातचीत की। कंपनी के लोगों ने विभाग को अपनी सफाई में बताया कि जिन्हें वेतन नहीं मिला है, उनके खातों को कंपनी द्वारा अपडेट कराया जा रहा है, वहीं सुरक्षा गार्डों ने आरोप लगाया था कि कंपनी वेतन देने में आनाकानी कर रही है, जबकि सभी सुरक्षागार्ड शराब दुकानों में कई साल से कार्यरत हैं। उनके खाते अपडेट हैं।

कंपनी को सिर्फ उनके खातों में वेतन ट्रांसफर करना है। विभाग ने इस मामले में सुरक्षा गार्डों को वेतन नहीं मिलने से होने वाली परेशानी को देखते हुए कंपनी को 3 दिन के भीतर वेतन का भुगतान करने का अल्टीमेटम दिया था।

आबकारी कार्यालय में किया प्रदर्शन

ढाई माह से वेतन नहीं, शराब दुकानों के सुरक्षा गार्डों ने कंपनी के खिलाफ खोला मोर्चा

तीन दिन में वेतन नहीं मिला तो विभाग करेगा कंपनी के खिलाफ कार्रवाई

3 दिन में वेतन नहीं दिया तो एक्शन लेंगे

खाते अपडेट नहीं होने का बहाना बना रही कंपनी- सुरक्षा गार्ड

चेतावनी के बावजूद पूरा भुगतान नहीं

जिले की शराब दुकानों में लगभग ढाई सौ सुरक्षागार्ड कार्यरत हैं। इनमें से करीब 30-40 सुरक्षा गार्डों को हर महीने वेतन समय पर दिया जा रहा है, लेकिन शेष को अप्रैल से वेतन नहीं मिला है। विभाग ने कंपनी को वेतन का भुगतान करने के लिए 3 दिन का अल्टीमेटम दिया था, लेकिन अब तक 100 से अधिक गार्डों को वेतन नहीं मिला है। एक सुरक्षागार्ड मनमोहन लाल साहू ने बताया कि कंपनी ने आधे से कम लोगों को वेतन दिया है, वह भी सिर्फ एक महीने का, जबकि शेष को कुछ दिनों के भीतर वेतन देने का वादा किया है। उन्होंने बताया कि जिन्हें वेतन नहीं मिला है, वे फिर से प्रदर्शन करने की तैयारी में हैं। अगर बुधवार तक वेतन नहीं मिला, तो वे काम बंद कर कंपनी के खिलाफ फिर प्रदर्शन करेंगे।

न्यायालय तहसीलदार अभनपुर जिला रायपुर छ.ग.

-: ईश्तहार :-

ग्राम सिवनी प.ह.नं. 18 तहसील अभनपुर
रा.प्र.क्र. 202405110500088 ब/121
वर्ष 2023-24

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक दिलीप यादव पिता स्व. चिन्ताराम यादव निवासी- ग्राम बेन्द्री तहसील अभनपुर जिला रायपुर (छ.ग.) द्वारा ग्राम सिवनी प.ह.नं.13 रा.नि.मं. केन्द्री तहसील अभनपुर जिला रायपुर छ.ग. में स्थित भूमि ख.नं. 1152/1, 1154/1, 1157/1, 1170 रकबा क्रमशः 0.226, 0.066, 0.206, 0.267 हे. भूमि राजस्व अभिलेख में दिलीप, दीपक, ओंकार, अशोक बाई, दुलार बाई, राजकुमारी, रामप्यारी पिसरान चिन्ताराम, शांति बाई बेवा चिन्ताराम के नाम पर शामिल खाता में दर्ज है। आवेदक द्वारा उक्त वाद भूमि की मूल ऋण पुस्तिका गुम हो गया है। अतएव आवेदक द्वारा उक्त वाद भूमि का द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका जारी किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा या आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत पेशी दिनाँक 26/06/2024 तक न्यायालय में स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से लिखित में पेश कर सकते है। नियत पेशी दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्ति या दावा पर विचार नही किया जायेगा।

आज दिनाँक 28/05/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सील मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार
अभनपुर जिला-रायपुर

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार सी.एच. साहू पिता - डी. आर. साहू निवासी- रायपुर (छ.ग.) ने विक्रेतागण- मनोहर लाल साहू वगैरह पिता - स्व. चैतराम साहू निवासी- ग्राम धनसुली, तहसील मंदिरहसौद जिला रायपुर (छ.ग.) के संयुक्त हक, आधिपत्य एवं स्वामित्व की कृषि भूमि जो कि वाके मौजा- धनसुली, प.ह.नं.- 00002, रा.नि.मं.- चंदखुरी, तहसील- मंदिरहसौद, जिला रायपुर (छ.ग.) में स्थित है, जिसका खसरा नंबर- 380/1, रकबा 0.7000 हेक्टेयर है, को क्रय करने का पक्का सौदा तय किया जा चुका है, जिसकी मात्र विक्रयपत्र का पंजीयन एवं निष्पादन किया जाना शेष है।

अतः उपरोक्त वर्णित भूमि के विक्रय अंतरण व संव्यवहार के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, बीमा कंपनी, साहूकार, वित्तीय संस्थान, शासकीय, अर्द्धशासकीय कार्यालय या निजी संस्था व निकाय को कोई उजर दावा व आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर मेरे उक्त पते पर अपनी आपत्ति मय दस्तावेज प्रस्तुत कर देवें। बाद मियाद पेश की गयी कोई आपत्ति या उजर दावा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी तथा मेरा पक्षकार, विक्रेता को विक्रय प्रतिफल की राशि अदा कर अपने पक्ष में विक्रयपत्र का पंजीयन एवं निष्पादन करा लेवेगा।

सो सूचना जाने।

रायपुर (छ.ग.)
दिनांक- 18/06/ 2024

अश्वनी कुमार राव (अधिवक्ता)
पता- प्रथमतल, कमरा नं.- 110, टेबल नं.-14 सिविल कोर्ट रायपुर (छ.ग.)
मो.नं.- 74892-34931

// आम सूचना //

कृषि भूमि जिसका खसरा नंबर 770/1/1 रकबा 2.0200 हे. जो कि ग्राम चोरभट्ठी प.ह.नं. 08 रा.नि.म. भैंसा तहसील आरंग जिला रायपुर छ.ग. में स्थित है के संबंध में।

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने विक्रेतागण सीतादेवी पाण्डेय पति श्री रविमणी, मनोज कुमार पिता श्री रविमणी, अनिता पाण्डेय पिता श्री रविमणी, सूरज पाण्डेय पिता श्री रविमणी, सत्यम पाण्डेय पिता श्री अजय, पुरुषोत्तम पाण्डेय पिता श्री लाल जी, जया पति श्री जय निवासी हनुमान मंदिर के पास नया पारा रायपुर तह व जिला रायपुर (छ.ग.) वाले से कृषि भूमि जिसका खसरा नंबर 770/1 रकबा 2.0200 हे0 जो कि ग्राम चोरभटठी प.ह.नं. 08 तहसील आरंग जिला रायपुर छ.ग. में स्थित है। को क्रय करने का सौदा के साथ पक्का कर अग्रिम बयाना राशि प्रदान कर दिया है तथा अब केवल मात्र विक्रय विलेख का निष्पादन किया जाकर पंजीयन कराया जाना मात्र शेष है। अतः उक्त संव्यहार के कुल अथवा कुछ भाग से जिस किसी व्यक्ति संस्था, निकाय, बैंक, महाजन, वित्तीय संस्थान, शासकीय अर्धशासकीय संस्था, निगम, मंडल, अथवा दिगर किसी व्यक्ति को उजर दावा अथवा आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के सात दिवस के भीतर अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज अधोलिखित कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद म्याद गुजरने मेरे पक्षकार द्वारा विक्रय विलेख का निष्पादन पंजीयन अपने पक्ष में करा ली जावेगी तथा बाद म्याद गुजरने की गई आपत्ति अवैध व शून्य होकर मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगा। तदनुसार सूचना जानें।

रायपुर, दिनांक 17.06.2024

भवदीय
अजय दास मानिकपुरी, ललित कुमार साहू, अजय कुमार साहू अधिवक्तागण कार्यालय एफ.एफ. 47 डी, ई प्रथम तल श्याम प्लाजा पंडरी बस स्टैण्ड रायपुर तह व जिला रायपुर (छ.ग.) मो.न. 8871922465

जनसुनवाई तत्काल रद्द करने कलेक्टर को ज्ञापन

रायपुर। निजी कंपनी की जनसुनवाई रद्द कर उनकी जगह प्रभावित ग्राम पंचायत में ग्रामसभा कराए जाने की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ ग्राम विकास एकता समिति के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष हुलास साहू ने कहा कि प्रभावित गांव वालों के हित में निर्णय नहीं लेने की स्थिति में और जनसुनवाई रद्द नहीं करने की स्थिति में सभी संगठनों द्वारा मिलकर सामूहिक आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता की परवाह किए बिना किसानों से कृषि जमीन एक निजी कंपनी ने अधिग्रहित कर ली है, उसी जमीन से किसान अपने परिवारों का भरण-पोषण कर सकते थे, जो मुआवजा मिला। यह ज्ञापन छत्तीसगढ़ किसान महासभा, ऑल इंडिया सेंट्रल कौंसिल ऑफ ट्रेड यूनियंस, अखिल भारतीय खेत एवं ग्रामीण मजदूर सभा के संयुक्त प्रतिनिधि की उपस्थिति में दिया गया।

राजकीय पशु वनभैंसा की जगह वन महकमा पाल रहा सफेद हाथी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नाम से परिलक्षित राज्य का राजकीय पशु वनभैंसा की शान छत्तीसगढ़ में अलग ही देखते बनती है। यही वजह है की राजकीय पशु की शान में कोई गुस्ताखी न हो इसके लिए वन विभाग ने असम से लाए गए पहले दो वनभैंसों को पौष्टिक आहार देने तथा स्वास्थ्य में महज एक साल के भीतर 17 लाख रुपए फूंक दिए। इसके बाद लाए गए चार अन्य वनभैंसों सहित छह के लिए 25 लाख रुपए खर्च कर दिए। असम से लाए गए वनभैंसा अब वन विभाग के लिए गले की हड्डी साबित हो रहे हैं। वर्ष 2020 में दो तथा वर्ष 2023 में लाए गए चार वनभैंसों की वन विभाग के अफसर अब तक ब्रीडिंग भी नहीं करा पाए हैं।

एक साल में दो राजकीय पशु खा गए 17 लाख का चारा

नहीं करा सकते राज्य के वनभैंसों से ब्रीडिंग

असम से लाए गए वनभैंसों का उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के नर वनभैंसों के साथ ब्रीडिंग कराना था, लेकिन वहां के वनभैंसों के साथ असम के वनभैंसों का ब्रीडिंग करना संभव नहीं है। इसकी वजह यूएसटीआर के वनभैंसा क्रास ब्रीड के हैं। ऐसे में असम से लाए गए वनभैंसों का यूएसटीआर के वनभैंसों से ब्रीडिंग कराने से नस्ल खराब होगी। प्योर ब्रीड का एक छोटू नामक नर वनभैंसा है, वह भी अपनी उम्र के अंतिम पड़ाव पर है।

नहीं तो सभी एक ही पिता की संतान होंगे

असम से लाए गए वनभैंसों को बारनवापारा के जंगल में भी नहीं छोड़ा जा सकता। असम से जो वनभैंसा लाए गए हैं, उनमें एक नर है तथा शेष पांच मादा हैं। ऐसे में एक नर वनभैंसा का अन्य मादा वनभैंसों के साथ ब्रीडिंग होने की स्थिति में मादा वनभैंसों से जन्मे वनभैंसा एक ही पिता की संतान होंगे। इससे भी वनभैंसा की नस्ल खराब होने का अंदेशा है। उदंती-सीतानदी में छोड़े जाने की स्थिति में असम से लाए गए वनभैंसों की शुद्धता प्रभावित होगी।

ऐसे में वनभैंसा लाने को लेकर विभाग पर सवाल उठ रहे हैं।

असम से वनभैंसा लाने का विरोध करने वाले वन्यजीव प्रेमी नितिन सिंघवी के मुताबिक असम से दो किस्त में जो वनभैंसा लाए गए हैं, उनमें नियमों की अनदेखी की गई है। असम से वनभैंसा लाने के बाद उनके रखरखाव तथा खान पान को लेकर वन्यजीव प्रेमी ने सूचना के अधिकार के तहत जानकारी हासिल करने के बाद वनभैंसों के खान-पान तथा रखरखाव में पिछले चार वर्षों के भीतर अब तक 17 तथा 25 लाख रुपए खर्च होने की जानकारी मिली है। वनभैंसों को चारा के रूप में घास, बीज रोपण, चना, खरी, पैरा कुट्टी, दलिया दिया जा रहा है।

खबर संक्षेप

आयुर्वेद महाविद्यालय में योग उत्सव का दौर

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय द्वारा योग उत्सव मनाया जा रहा है। इस दौर में महाविद्यालय के प्राचार्य डी. जीआर चतुर्वेदी के निर्देश पर वृत्त विभागाध्यक्ष डॉक्टर अनीता शर्मा, रीडर डॉक्टर सस्मिता त्रिपाठी, व्याख्याता डॉक्टर विभा पाली और योग चिकित्सक डॉक्टर सुनीता जैन द्वारा विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उत्सव के दौर में स्लोगन, स्पीच स्पर्धा के बाद सेंट्रल लाइब्रेरी के पास स्थित कला केंद्र में फ्लैश मोब एवं स्वयं के लिए एवं समाज के लिए योग विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया है। 20 जून को महाविद्यालय के सेमिनार हॉल में नारी सशक्तिकरण में योग का महत्व विषय पर व्याख्यान होगा। योग को बढ़ावा देने प्रतिदिन सुबह नालंदा परिसर, अनुपम उद्यान एवं शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय परिसर में योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 70 से भी ज्यादा प्रतिभागी लाभ उठा रहे हैं।

धोबी समाज के महाधिवेशन की तैयारी जोरों पर

रायपुर। ईडन गार्डन रायगढ़ में आयोजित धोबी समाज के महाधिवेशन रजक महोत्सव की तैयारी में समाज के पदाधिकारी पूरी तरह से जुड़ गए हैं और पृथक-पृथक बैठक लेकर आयोजन के प्रति समाजजनों को जागृत कर रहे हैं। सोशल मीडिया प्रिंट मीडिया में भी समाचार प्रकाशित करा रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया गया है, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, सांसद राधेश्याम राठिया के सहमति के बाद राज्यसभा सदस्य सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह ने भी आमंत्रण स्वीकार कर सहमति प्रदान की है। राजधानी से सामाजिक बस में प्रदेश अध्यक्ष सूरज निर्मलकर के निवास दूधाधारी मठपारा से 19 जून को शाम 6 बजे से समाज के लोग रवाना होंगे, जिसको पार्षद मनोज वर्मा हरी झंडी दिखाएंगे। समाज के तैयारी अभियान में बालोद जिला गुरुर राज के अध्यक्ष जगजीवन निर्मलकर, राजधानी के अध्यक्ष वरुण निर्मलकर, रायपुर जिला अध्यक्ष जगमोहन निर्मलकर, चार राज नवपार के अध्यक्ष चोवाराम रजक सहित सभी परिक्षेत्रीय अध्यक्ष पृथक-पृथक बैठक लेकर के तैयारी अभियान चलाए हुए हैं।

जाली में कचरा फंसा नाले की सफाई करवाई

रायपुर। राजधानी रायपुर में मंगलवार को रात्रि तेज बारिश होने के दौरान काली माता मन्दिर के सामने मार्ग पर पानी भरने की शिकायत मिली। इसे संज्ञान लेते हुए जोन 4 स्वास्थ्य विभाग की टीम के सफाई मित्र कर्मचारियों को नाली की जाली में फंसे हुए कचरे को हटवाया और नाली का चेम्बर साफ करवाकर निकास व्यवस्था को दुरुस्त कराया। चेंबर साफ होने के बाद सड़क पर भर रहा पानी नाली के जरिये निकल गया।

रायपुर नगर निगम में सबसे ज्यादा 5 हजार प्लेसमेंट कर्मचारी

प्रदेश के 20 हजार नगरीय निकाय प्लेसमेंट कर्मचारियों ने 2 सूत्रीय मांग को लेकर खोला मोर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय प्लेसमेंट कर्मचारी महासंघ के आव्हान पर प्रदेशभर के 20 हजार प्लेसमेंट कर्मचारी अपनी 2 सूत्रीय मांगों को लेकर लामबंद हो गये हैं। निकाय से सीधे प्लेसमेंट कर्मचारियों के खाते में हर महीने वेतन का भुगतान करने और 10 से 15 साल की सेवाकाल के बाद स्थायीकरण की मांग को लेकर कर्मचारियों ने राज्य शासन का ध्यान आकर्षित कराया है। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष संजय ऐडे, महासचिव शरदराम पोया ने संयुक्त रूप से कहा है कि दिसंबर में नगरीय निकाय चुनाव होना है। ऐसे में प्रदेशभर के नगरीय निकाय कर्मचारियों को उम्मीद है कि राज्य सरकार उनकी 2 सूत्रीय लंबित मांग पूरा करेगी। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो प्रदेशभर के नगरीय निकाय प्लेसमेंट कर्मचारी नगरीय निकाय चुनाव का बहिष्कार करेंगे।

- निकाय चुनाव से पहले मांग पूरी नहीं होने पर चुनाव बहिष्कार की चेतावनी
- निकाय से सीधे प्लेसमेंट कर्मचारियों के खाते में वेतन भुगतान की मांग

पूर्व में अनियमित कर्मचारियों की मांग के लिए पिंगुवा कमेटी

छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय प्लेसमेंट कर्मचारी महासंघ प्रदेश अध्यक्ष संजय ऐडे ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कार्यकाल में प्रदेशभर के अनियमित कर्मचारियों के नियमितीकरण को लेकर मनोज पिंगुवा कमेटी गठित की गई, पर आज तक इसकी जांच रिपोर्ट ठंडे बस्ते में है। ऐसे में नगरीय निकाय के प्लेसमेंट कर्मचारियों को नई सरकार से लंबित मांग पूरा करने काफी उम्मीद है। विदित हो प्रदेश के 14 नगरीय निकायों में 20 हजार प्लेसमेंट कर्मचारी कार्यरत हैं। इनमें सबसे ज्यादा प्लेसमेंट कर्मचारी रायपुर नगर निगम में हैं, जहां इनकी संख्या 5 हजार है।

नगरीय निकाय प्लेसमेंट कर्मचारियों ने अपनी 2 सूत्रीय लंबित मांग को लेकर राज्य शासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इन कर्मचारियों का कहना है, एक अरसे से वे नगरीय निकाय में प्लेसमेंट कर्मचारी के रूप में नियमित कर्मचारी की तरह शासन की विभिन्न योजनाओं का सुचारू निष्पादन का काम पूरी ईमानदारी से करते आ रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें सम्मानजनक वेतन नहीं मिल रहा है। अपनी लंबित मांग को लेकर वे मुख्य सचिव और नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों से भी मिल चुके हैं। और शासन से पत्राचार भी किया है। पर अब तक उनकी मांगे पूरी नहीं हुई। राज्य शासन ने पूर्व में निहारिक बारिक की अध्यक्षता में 13 मार्च 2024 को समिति का गठन भी किया।

कमेटी को लंबित मांग पर विचार कर शासन को अपनी रिपोर्ट देनी थी, पर अभी तक इस समिति ने अपनी जांच रिपोर्ट राज्य शासन को नहीं दी है। समिति कब तक अपनी रिपोर्ट देगी इसकी समय सीमा भी तय नहीं है।

श्रम सम्मान की 4 हजार रुपये वृद्धि अब तक लागू नहीं

नगरीय निकाय के प्लेसमेंट कर्मचारियों को वर्तमान में कलेक्टर दर पर वेतन भुगतान ठेकेदार के माध्यम से होता है। यह हर माह नियमित रूप से नहीं होने से इन कर्मचारियों को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पूववर्ती कांग्रेस शासन काल में 1 साल पहले इन कर्मचारियों के लिए 4 हजार रुपए श्रम सम्मान राशि वृद्धि करने की घोषणा के बाद इसे लागू किया गया, पर नगरीय निकाय को छोड़कर बाकी अन्य विभागों के कर्मचारियों को इसका लाभ मिल रहा है। नगरीय निकाय प्लेसमेंट कर्मचारी आज तक श्रम सम्मान 4 हजार वृद्धि की गई राशि से वंचित हैं।

गर्मी में इस बार खपत को नहीं लगा 65 सौ मेगावाट का करंट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी को इस बार गर्मी में बिजली की खपत 65 सौ मेगावाट तक जाने का अनुमान था। इसे देखते हुए ही कंपनी ने बिजली की व्यवस्था की थी। सेंट्रल सेक्टर के एक हजार मेगावाट अतिरिक्त की भी डिमांड करके रखी थी, लेकिन जहां तक गर्मी में खपत का सवाल है तो भीषण गर्मी से पहले जरूर मार्च में खपत 63 सौ मेगावाट के पार गई, लेकिन इसके बाद खपत छह हजार मेगावाट से कम ही रही। इस बार अनुमान के मुताबिक खपत का नया रिकार्ड नहीं बन सका। इस समय खपत सामान्य समय में 45 सौ मेगावाट के आसपास और पीकऑवर में 52 सौ मेगावाट के करीब हो रही है।

- मार्च में खपत 63 सौ मेगावाट के पार गई, बाद में छह हजार मेगावाट से कम रही

प्रदेश में लगातार बिजली के उपभोक्ता बढ़ते जा रहे हैं, यही वजह है कि अब इसकी खपत भी लगातार बढ़ने लगी है। पहले कभी फरवरी और मार्च में इतनी खपत नहीं होती थी, जितनी अब होने लगी है। अब तो ठंड के समय ही खपत चार हजार मेगावाट के पार हो जाती है। इसके पीछे का एक और कारण मौसम भी है। अब गर्मी का मौसम महज चार माह का नहीं रहता।

फरवरी से अप्रैल तक खपत ज्यादा

इस बार भीषण गर्मी से पहले ही फरवरी और मार्च में बिजली की खपत ने तीखे तेवर दिखाए। इसके पीछे का सबसे बड़ा कारण यह है कि इसी माह से कृषि पंप चलने लगते हैं। कृषि पंपों पर ही रोज की खपत पांच से छह सौ मेगावाट हो जाती है। इसी के साथ अब फरवरी से ही एसी और कूलर चलने लगे हैं। मार्च में तो गर्मी के तेवर और तेज हो गए तो इस माह जून जैसी गर्मी होने के कारण खपत ने रिकार्ड तोड़ दिया। इस माह ही खपत 63 सौ मेगावाट के पार हो गई। इसके बाद मार्च और अप्रैल में भी खपत छह हजार मेगावाट के पार रही।

नहीं बना नया रिकॉर्ड

बिजली की खपत ने जिस तरह से तेवर मार्च में दिखाए, इसके बाद अप्रैल में भी खपत छह हजार मेगावाट के पार जा रही थी, उससे लग रहा था कि इस बार खपत 65 सौ मेगावाट का एक नया रिकार्ड बना देगी। करीब इतनी खपत की संभावना को देखते हुए ही पॉवर कंपनी ने इस बार सेंट्रल सेक्टर से एक हजार मेगावाट की अतिरिक्त बिजली की मांग की थी, लेकिन खपत 65 सौ मेगावाट के पार नहीं गई और अप्रैल से कृषि पंपों के बंद होने का सिलसिला प्रारंभ हुआ।

सरोना के ट्रेंचिंग ग्राउंड की स्टडी कर एम्स के छात्र ने जीता पुरस्कार

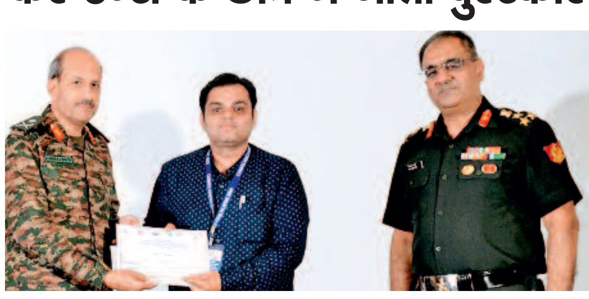

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल कालेज पुणे में आयोजित दो प्रतियोगिताओं में एम्स के चिकित्सा छात्रों ने पुरस्कार जीता है। पहला पुरस्कार सरोना के पुराने ट्रेंचिंग ग्राउंड की भौगोलिक स्थिति पर हुए अध्ययन के आधार पर मिला है। दूसरा पुरस्कार प्रश्नोत्तरी स्पर्धा में प्राप्त हुआ है।

एएफएमसी द्वारा जलवायु में परिवर्तन को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर कांफ्रेंस का आयोजन किया गया था। इसमें एम्स के कम्यूनिटी एंड फैमिली मेडिसिन के पीएचडी छात्र डॉ. हनी शर्मा और एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अरविंद कुमार शुक्ला को ओरल पेपर प्रेजेंटेशन में प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। टीम ने रायपुर में सरोना स्थित डंपसाइट का जियोग्राफिक इंफोरमेशन और गूगल अर्थ इंजन की मदद से अध्ययन किया है। इससे वेस्ट मैनेजमेंट में काफी मदद मिल सकेगी। इस अध्ययन की मदद से भविष्य में इस प्रकार की भूमि का विस्तृत अध्ययन कर उससे वातावरण के संरक्षण में मदद ली जा सकेगी। डॉ. शर्मा यह शोधकार्य विभागाध्यक्ष डॉ. मनीषा रुइकर के निर्देशन में कर रहे हैं। स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के डॉ. रविचंद्रा सीवी और डॉ श्रीपाल चौधरी की टीम ने देश के 27 चिकित्सा संस्थानों की टीम के साथ क्विज प्रतियोगिता में भाग लिया और चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। कार्यपालक निदेशक अशोक जिंदल ने विजेता टीम को शुभकामनाएं देते हुए राष्ट्रीय स्तर पर इसी प्रकार सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया।

- एएफएमसी पुणे में स्पर्धा, दो इनाम एम्स के खाते में

मांगों को लेकर धरना स्थल तूता में जुटे कर्मचारी

सोसाइटी के लिए सूखत का प्रावधान न करने पर धान खरीदी का बहिष्कार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ सहकारी समिति कर्मचारी संघ ने अपनी तीन लंबित मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया है। कर्मचारी संघ ने कहा कि पिछले साल अप्रैल, नई सरकार बनने के बाद फरवरी और जून में इस संबंध में ज्ञापन दिया था। अब तक उनके मांगों पर कोई पहल नहीं की गई है। संघ का कहना है कि 2024-25 की धान खरीदी नीति में सोसाइटियों के सूखत का प्रावधान किया जाए। ऐसा नहीं किए जाने पर धान खरीदी का बहिष्कार किया जाएगा।

मांगों के लंबित होने के कारण प्रदेश के 2058 सहकारी समितियों में 13 हजार से अधिक कर्मचारियों में असंतोष है। सहकारी संघ की प्रमुख मांगों में प्रदेश की समितियों को 5-5 लाख रुपए प्रबंधकीय अनुदान दिया जाए। धान परिवहन के बाद आने वाली सूखत की राशि की भरपाई शासन द्वारा किया जाए। समितियों के कमीशन से यह राशि न काटी जाए। साथ ही जीरो शार्टेज की राशि में भी कटौती न की जाए। अधिक समय तक केंद्र में धान रखे जाने पर समितियों पर अतिरिक्त सुरक्षा और प्रासंगिक व्यय आता है, उसकी राशि सभी समितियों को प्रदान की जाए। सूखत के लिए समिति के कर्मचारियों पर की जाने वाली कार्रवाई न की जाए। संघ का कहना है कि 2024-25 के धान खरीदी नीति में सोसाइटी के लिए सूखत का प्रावधान किया जाए।

विधायक पुरंदर मिश्रा को दिया ज्ञापन

छत्तीसगढ़ सहकारी समिति कर्मचारी यूनियन की मांगों के लिए नया रायपुर के तूता में धरना कार्यक्रम में ऑल इंडिया कोआपरेटिव बैंक इम्प्लॉयिस फेडरेशन के राष्ट्रीय उप महासचिव छत्तीसगढ़ को-आपरेटिव बैंक एम्प्लाई फेडरेशन के प्रदेशाध्यक्ष चन्द्र प्रकाश व्यास, रायपुर जिला सहकारी बैंक कर्मचारी संघ के उपाध्यक्ष देवेन्द्र पाण्डेय ने शामिल होकर उनकी मांगों का समर्थन किया।

पीएम ने कहा- दुनिया के सभी घरों के डायनिंग टेबल पर हो कोई न कोई भारतीय खाद्यान्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी में मंगलवार को आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत छत्तीसगढ़ के 23.59 लाख से अधिक किसानों के बैंक खातों में 483.85 करोड़ रुपए डीबीटी के माध्यम से अंतरित किए। इस मौके पर उन्होंने कहा, भारत के किसानों को विभिन्न कृषि उत्पादों का उत्पादन करना चाहिए। दुनिया के सभी घरों के डायनिंग टेबल पर भारतीय खाद्यान्न का कोई न कोई खाद्यान्न उत्पाद होना चाहिए, तभी इस देश के किसान को उन्नत किसान कहा जा सकेगा।

- किसान सम्मान निधि : छत्तीसगढ़ के 23.59 लाख किसानों के बैंक खातों में 483.85 करोड़ रुपए अंतरित

वर्चुअल कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, कृषि निर्यात में और वृद्धि हो ऐसे कदम भविष्य में उठाये जाएंगे। किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए आगे कदम बढ़ाना चाहिए। किसानों के सम्मान बढ़ाने और आय को दोगुनी करने के लिए सरकार निरंतर सकारात्मक प्रयास कर रही है। किसान, मजदूर, नारी-शक्ति और गरीब भारत के मजबूत आधार स्तंभ हैं। उन्होंने कहा, खेती को नई दिशा देने में महिलाओं की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। कृषि सखी के रूप में खेती को एक नई ताकत देने के लिए पूरे देश के महिला समूहों को इससे जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देश के 3 करोड़ से अधिक परिवारों को नए आवास स्वीकृत किए गए हैं। आने वाले दिनों में इन परिवारों को इसका लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। इसी तरह 'नमो ड्रोन दीदी योजना' के तहत देश की 3 करोड़ महिलाओं को करोड़पति दीदी बनाने की पहल शुरू हो गई है।

जैविक कृषि सम्मेलन का आयोजन : कृषि विभाग, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय और कृषि विज्ञान केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय जैविक कृषक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्राकृतिक खेती के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए मृदा एवं फसल प्रबंधन और उद्यानिकी फसलों के बारे में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को विस्तार से जानकारी दी।

अब किसान जैविक खेती की ओर बढ़ रहे- बृजमोहन

राज्य के स्कूल शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, छत्तीसगढ़ में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय कृषि और किसानों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहा है। प्रदेश में अब किसान जैविक खेती की ओर बढ़ रहे हैं। जैविक खेती से न केवल स्वास्थ्य में सुधार होगा अपितु खेतों की मिट्टी की उर्वरा शक्ति में वृद्धि होगी। किसानों को अब सिर्फ धान की फसल ही नहीं अपितु वर्षभर आय देने वाली फसल दलहन, तिलहन, फल-फूल, हार्टीकल्चर, मोटे अनाज और औषधि फसल को भी व्यापक रूप में बढ़ावा देना चाहिए।

बिजनेस साइट

जायका ऑटोमोबाइल्स राष्ट्रीय स्तर पर 'एक्सीलेंस अवॉर्ड' से सम्मानित

रायपुर। टाटा मोटर्स के कमर्शियल वाहनों की छत्तीसगढ़ की सबसे पुरानी डीलरशिप 'जायका ऑटोमोबाइल्स एंड फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड' के लिए वर्ष 2024 शानदार साबित हो रहा है। जायका ग्रुप जहां इस साल अपनी स्थापना का 70वां वर्ष हर्षोल्लास से मना रहा है, वही इस वर्ष जायका ग्रुप को अवॉर्ड मिलने का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में 14 जून को मुंबई में फाडा का 'फाडा अवाड्र्स 2024 फॉर डीलरशिप एक्सीलेंस' समारोह में जायका ऑटोमोबाइल्स एंड फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड को मीडियम एंड हैवी कमर्शियल व्हीकल केटेगरी में राष्ट्रीय स्तर पर 'एक्सीलेंस अवॉर्ड' से निरंतर दूसरे वर्ष सम्मानित किया गया। फाडा के अध्यक्ष मनीषराज सिंघानिया की उपस्थिति में जायका ऑटोमोबाइल्स के सुशील त्रिपाठी (सीनियर जीएम सेल्स) तथा शिवनाथ हुंडई के राहुल खरे (सीनियर जीएम सेल्स) ने बॉलीवुड फिल्म अभिनेता अरबाज खान के हाथों ये अवार्ड प्राप्त किए।

आयोजन की तैयारी को लेकर प्रदेश कार्यालय में बैठक

कैट के 3 बड़े कार्यक्रम इसी माह, 21 को योग शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स की ओर से इस माह 3 बड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसकी तैयारी को लेकर मंगलवार को कैट के राजधानी स्थित प्रदेश कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी ने बताया, कैट सीजी चैप्टर के प्रदेश अध्यक्ष की अध्यक्षता में प्रदेश कार्यालय में कैट एवं युवा टीम के पदाधिकारियों की बैठक हुई, जिसमें 21 जून को विश्व योग दिवस पर योग शिविर का आयोजन, 26 जून को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत मुद्रा लोन मेला लगाने का निर्णय लिया गया। इसी तरह 28 जून को भामाशाह की जयंती पर कैट के प्रदेश कार्यालय में राष्ट्रीय व्यापारी दिवस मनाया जाएगा।

- 26 जून को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना में मुद्रा लोन मेला, 28 को राष्ट्रीय व्यापारी दिवस

कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानंद जैन ने बताया 21 जून को विश्व योग दिवस के अवसर पर प्रातः 7.30 बजे से 8.30 तक योग शिविर का आयोजन किया जाएगा। 26 जून को शाम 4 बजे से 6 बजे तक कैट के प्रदेश कार्यालय में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत मुद्रा लोन मेला लगाया जाएगा।

मुद्रा लोन मेला में व्यापारियों को 50 हजार रुपए से लेकर 10 लाख रुपए तक का लोन राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा बिना किसी गांरटी के पात्रतानुसार दिया जाएगा। तकनीकी टीम द्वारा निशुल्क सहायता की सुविधा इस मौके पर व्यापारियों को उपलब्ध कराई जाएगी। राष्ट्रीयकृत बैंकों की मौजूदगी में आकर्षक ब्याज दर पर स्पॉट लोन की मंजूरी कागजात पूर्ण होने पर मिल सकेगी। मुद्रा लोन मेला में अन्य लोन संबधित समस्याओं का समाधान किया जाएगा। कैट ने सभी व्यापारियों से अपील की है कि 26 जून को कैट के प्रदेश कार्यालय में आयोजित होने जा रहे प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत आयोजित मुद्रा लोन मेला का लाभ लेकर व्यापार को आगे बढ़ाने में सहायक बनें। श्री पारवानी ने बताया, 28 जून को दानवीर भामाशाह की जयंती पर पूरे देश में राष्ट्रीय व्यापारी दिवस उत्साह के साथ मनाया जाता है।

हरिभूमि
रायपुर, बुधवार 19 जून 2024
लाइव
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

कैंपस इवेंट

अलग-अलग भौतिक स्थितियों में पृथक होता है वस्तु का व्यवहार

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 'फाइनाइट् एलिमेंट एनालिसिस' पर 5 दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया जा रहा है। 'फाइनाइट् एलिमेंट एनालिसिस' गणनाओं, मॉडलों और सिमुलेशन का उपयोग करके यह अनुमान लगाने और समझने की प्रक्रिया है कि कोई वस्तु विभिन्न भौतिक स्थितियों में कैसे व्यवहार कर सकती है। इस वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को इसके प्रिंसिपल्स और उनके अनुप्रयोगों की बेहतर जानकारी देना और थ्योरी और प्रैक्टिस के बीच की दूरी को कम करना है। इसके साथ ही पायथन प्रोग्रामिंग और अबेकस सॉफ्टवेयर की मदद से एफईए एनालिसिस करने व कॉम्प्लेक्स इंजीनियरिंग प्रॉब्लम्स को हल करने योग्य बनाना है।

तकनीक से बेहतर हो सकती हैं चीजें

इस वर्कशॉप के थीम में सिविल और मैकेनिकल इंजीनियरिंग एक्सपर्ट्स से जियोटेक्निकल एप्लिकेशंस, वाइब्रेशन इश्यूज और कंपोजिट मैटेरियल्स पर जानकारी प्रदान की जाएगी। इन 5 दिनों में वक्ताओं के रूप में विभिन्न एनआईटी और आईआईटी के सिविल एंड मैकेनिकल इंजीनियरिंग के फैकल्टी मौजूद रहेंगे। विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि कैसे इसका प्रयोग चीजों को बेहतर बना सकता है, साथ ही गलत तरीके से लागू होने पर इसके नुकसान भी उठाने पड़ सकते हैं। इसके साथ ही एल्सवियर इंडिया की एसोसिएट साइंटिफिक एडिटर डॉ.संध्या बिरला द्वारा शोध लेखन पर एक सत्र भी आयोजित किया गया। इसमें उन्होंने प्रभावी शोध लेखन, सही जर्नल चुनने के लिए सुझाव इत्यादि विषयों पर प्रतिभागियों से चर्चा की। आने वाले 5 दिन प्रतिभागियों के ज्ञानार्जन के लिए महत्त्वपूर्ण साबित होंगे जिसमें प्रतिभागियों को 'फाइनाइट् एलिमेंट एनालिसिस' पर जानकारी प्राप्त होगी।

बारिश कुछ दिनों के अंतराल में शहर में दस्तक दे देगी। चारों ओर छाई हरियाली प्रकृति प्रेमियों को जो सुकून प्रदान करती है, उसकी तुलना किसी से नहीं की जा सकती है। ऐसे में मौसम के इन नजारों का लुत्फ उठाने बाइक राइडर्स ने भी अपनी तैयारी कर ली है। बरसात के मौसम में पहाड़ी रास्तों की जगह वे जंगल के सफर को प्राथमिकता देते हैं। इसके अलावा कई तरह की तकनीक भी उनके लिए आई हुई है, जो राह आसान कर रही हैं।

मौसम ने बदला राइडर्स का ठिकाना पहाड़ी नहीं, अब जंगल का सफर

रायपुर। बाइक राइडिंग का अपना अलग मजा है। राइडर्स हर मौसम में बाइक राइडिंग करना पसंद करते हैं। बाइक राइडिंग करना हर किसी को पसंद है। कुछ लोग इसे पैशन के रुप में लेते हैं। मौसम के अनुसार बाइक राइडर्स अपनी राइडिंग की जगह तय करते हैं। प्रत्येक मौसम के लिए एक अलग जगह उनके द्वारा तय की जाती है। राइडर्स के लिए मोटरसाइकिल चलाना मजेदार और रोमांच भरा होता है। राइडिंग के दौरान वेअनुभव और यादे बुनते हैं। मानसून के दौरान पहाड़ों की मुश्किल सड़कों को तय करते हुए, अपने लक्ष्य के करीब पहुंचते जाते हैं। राइडर्स के अनुसार, छत्तीसगढ़ का बस्तर जिला सबसे सुंदर और आकर्षक है। जहां बारिश के दिनों में राइडिंग के लिए जाना सबसे अच्छा होता है। बस्तर की हरियाली और प्रकृति की सुंदरता मन को शांत करती है।

बरसात के लिए स्पेशल ब्रेक सिस्टम

बाइक राइडर प्रदीप नायर ने बताया, बीते 12 सालों से बाइक राइडिंग कर रहा हूं। मानसून के दौरान देश के प्रत्येक स्थान में हरियाली और खूबसूरती होती है। मानसून राइड का अपना अलग मजा है। यह एक ऐसा वक्त है, जिसमें गर्मी में होने वाली परेशानी नहीं होती। मानसून के दौरान हरियाली, घने बादल देखने में आकर्षक लगता है, जो सभी राइडर्स को भाता है। इन दिनों रोड में पानी, नदी-नालों में पानी का लेवल अधिक होना जैसी समस्या होती है, लेकिन इससे बाइक राइडर्स को कोई दिक्कत नहीं होती। वर्तमान में बाइक राइडर्स के पास एडवांस बाइक होती है, जिसमें एबीएस ब्रेक लगा होता है। यह ब्रेक बरसात के दौरान काम आता है।

राइडर्स के लिए खास हेलमेट

इसके साथ ही बाजार में राइडर्स के लिए हेलमेट, जैकेट,पैंट, जूते का किट मिलने लगा है, जिसमें सुविधानुसार प्रत्येक वस्तुएं उपलब्ध होती हैं। जिससे मानसून का विशेष प्रभाव नहीं पढ़ता। प्रदीप बताते हैं, बीते मानसून में 1200 किलो मीटर राइड तय की, जिसमें रतनपुर, अंबिकापुर,मैनपाठ, रायगढ़, शिवरिनारायण, बलौदाबाजार, बिलासपुर शामिल रहा। राइडर्स के लिए मानसून चैलेंजिंग नहीं है, इस दौरान छोटी-छोटी मुश्किलें मजेदार और यादगार होती है।

मानसून किट में रखें रैन कवर

अभिजीत का कहना है, बाइक राइडर्स अपने मानसून किट में रैन कवर जरुर रखें, जिससे आपको राइडिंग के दौरान मदद मिलेगी। अब तक 500 से अधिक स्थानों में राइड करने का मौका मिला, जिसमें सबसे यादगार सावन के दिनों का उज्जैन-इंदौर का ट्रिप रहा। जहां आधी रात में मेरी बाइक कीचड़ में फंस गई, जिसके बाद 10-12 कावड़ियों ने मेरी मदद की। यह यादगार पल मुझे जीवनभर याद रहेंगा।

औरंगाबाद और जगदलपुर में हरियाली

अभिजीत कर ने बताया, 2010 से बाइक राइडिंग की शुरुआत की। हर मौसम में बाइक राइडिंग का अपना अलग मजा होता है, जिसे आप केवल महसूस कर सकते हैं। बरसात के दिनों में हरियाली, बादल, पानी देखने को मिलती है, जो अपने आप में आकर्षक होती है। मानसून में घूमने के लिए औरंगाबाद, जगदलपुर और नागपुर अच्छी जगह है। बारिश के दौरान कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, जिसमें रोड में फिसलन और गड्ढे समान्य तौर पर देखने को मिलते हैं।

बस्तर सबसे सुंदर

हार्दिक गौतम ने बताया, इन दिनों प्रदेश की सबसे सुंदर जगह बस्तर है। जहां दंतेवाड़ा, बचेली, मैनपाट, अंबिकापुर, बिलासपुर की हरियाली लोगों को आकर्षक करती है। वहीं देश में केरल, कर्नाटक, असम , गुवाहाटी की प्रकृति सुंदरता देखने लायक होती है। फ्लाइट, बस, ट्रेन से ज्यादा मजा बाइक राइडिंग में आता है, जिससे आपको ऐसा लगेगा कि आपने अपने जीवन में कुछ अचीव किया है। जहां आपको रास्तों के साथ अलग-अलग लोगों से मिलने का अनुभव लाइफ टाइम याद रहेगा। इस मानसून पचमढ़ी ट्रिप जाने की तैयारी चल रही है, जिमसें की बाइक राइडर्स की टीम जाने वाली है।

मौसम अच्छा भी और बुरा भी

हार्दिक के मुताबिक, बरसात के दौरान बाइक राइडिंग के लिए सबसे अच्छी चीज मौसम है और सबसे बुरी चीज भी मौसम ही है। यदि मौसम अच्छा रहा तो बाइक में सफर करने में आनंद आता है। इन दिनों मौसम खराब होने पर रेनकोट पहने के बाद भी भीगना पड़ता है। वहीं सड़क साफ नहीं दिखता, रोड में फिसलन की समस्या और बाइक का स्पीड कम करना पड़ता है। इसके बावजूद बाइक राइडर्स को राइडिंग के लिए सबसे अच्छा मौसम बारिश ही लगता है। अब तक 300 से अधिक ट्रिप करने का मौका मिला है।

सिटी इवेंट

प्लंबर, इलेक्ट्रिशियन,कारपेंटर का प्रशिक्षण देगा वैश्य समाज

रायपुर। वैश्य वर्ल्ड फाउंडेशन छत्तीसगढ़ की कार्यसमिति की बैठक वृंदावन हाल में रखी गई। संगठन द्वारा कौशल उन्नयन, पर्यावरण संरक्षण के साथ ही सामाजिक गतिविधियों का विस्तार किया जाएगा। प्रतिमाह शहर, प्रदेश एवं समाज के लिए महत्वपूर्ण विषयों पर विचार गोष्ठी का आयोजन भी किया जाएगा। बैठक में इस संदर्भ में विस्तृत चर्चा हुई। वैश्य वर्ल्ड फाउंडेशन के स्थापना दिवस पर आयोजित प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में उपस्थित प्रतिनिधियों के सुझाव के पश्चात प्रदेश अध्यक्ष कन्हैया अग्रवाल ने निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि समाज को संगठित करने प्रत्येक घटकों के प्रमुखों से संपर्क कर उन्हें हर कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाएगा।

नवरात्रि में रास गरबा

प्राप्त सुझाव के आधार पर सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यों में सहभागिता बढ़ाते हुए नवरात्रि के पावन अवसर पर रास गरबा और दिसंबर माह में आनंद मेला आयोजन करने का निर्णय भी लिया गया। बैठक में मैथिलीशरण गुप्त उद्यान के व्यवसायीकरण को लेकर चिंता जताते हुए इस संबंध में नगर निगम के महापौर और कमिश्नर के समक्ष अपना पक्ष रखने का निर्णय भी लिया गया। कौशल उन्नयन के लिए प्लंबर, इलेक्ट्रिशियन, कारपेंटर एवं विभिन्न उपकरणों की रिपेयरिंग करने का प्रशिक्षण प्रारंभ करने निर्णय लिया गया। कौशल उन्नयन वर्कशॉप के लिए अरुण सिंघानिया द्वारा सहयोग किया जाएगा। राजधानी में एक बेहतरीन स्कूल बनाने और नया रायपुर के सत्यसाई हॉस्पिटल में बच्चों के हार्ट का इलाज कराने आने वाले लोगों के लिए मंगल भवन बनाने पर चर्चा हुई।

नियुक्त हुए संयोजक

बैठक में सर्वसम्मति से आगामी कार्यक्रमों का निर्धारण करने के साथ कार्यक्रम संपादन के लिए संयोजकों की नियुक्ति की गई।
कौशल उन्नयन के लिए अशोक गुप्ता एवं रजनी घरडे, विचार गोष्ठी के लिए अशोक वैश्य, लखनलाल बानी एवं राकेश केसरवानी, स्वास्थ्य शिविर के लिए कमलेश नथवानी, पर्यावरण संरक्षण के लिए श्रीमती रजनी घरडे, संगठन विस्तार के लिए अशोक वैश्य, अशोक गुप्ता, राकेश केशरवानी, शशि बागड़ी, संगीता जैन एवं रेखा केसरवानी, रास गरबा और आनंद मेला के आयोजन के लिए कोषाध्यक्ष निकेश बरडिया, नितेश अग्रवाल एवं राजेश केडिया को जिम्मेदारी दी गई है। बैठक के अंत में पूर्व अध्यक्ष स्व.विजय दम्मानी को श्रद्धांजलि दी गई। बैठक में प्रमुख रूप से शरद गुप्ता, राजू गुप्ता, डीआर साहू, प्रवीण खरे, प्रतीक अग्रवाल, अनिल कश्यप सहित पदाधिकारीगण, महिला एवं युवा इकाई के सदस्यगण उपस्थित रहे।

बारिश के पहले छपाक...

रायपुर। लंबे इंतजार के बाद अंततः मंगलवार को राजधानी में प्री मानसूनी बारिश हुई। देर शाम हुई बारिश के पहले दोपहर में तपती धूप का सामना लोगों को करना पड़ा। स्कूलों में गर्मी की छुट्टियां 25 जून तक बढ़ा दी गई हैं। ऐसे में गर्मी की छुट्टियों का लुत्फ उठाने और तपती गर्मी से राहत पाने बच्चों की टोली काठाडीह खारून नदी पहुंची। युवा भी बड़ी संख्या में रहे। इससे यहां मेले सा माहौल नजर आया।

नेशनल एंट्रेंस स्क्रीनिंग टेस्ट की एडमिट कार्ड तिथि री-शेड्यूल

रायपुर। नेशनल एंट्रेंस स्क्रीनिंग टेस्ट 2024 एडमिट कार्ड जारी होने का इंतजार कर रहे उम्मीदवारों के लिए महत्वपूर्ण खबर है। इस टेस्ट के लिए एडमिट कार्ड जारी होने की तिथि को री-शेड्यूल किया गया है। ऑफिशियल वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक अब प्रवेश पत्र 20 जून को डाउनलोड के लिए उपलब्ध करवाया जाएगा। प्रवेश पत्र जारी होते ही अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट ***nestexam.in*** *पर जाकर मांगी गई डिटेल दर्ज करके इसे डाउनलोड कर सकेंगे। नेशनल एंट्रेंस स्क्रीनिंग टेस्ट 2024 का आयोजन 30 जून को देशभर में निर्धारित परीक्षा केंद्रों में होगा। एग्जाम का आयोजन दो शिफ्ट में किया जाएगा। पहले सेशन की परीक्षा सुबह 9 बजे से दोपहर 12:30 तक एवं दूसरे सेशन की परीक्षा का आयोजन दोपहर 2:30 से शाम 6 बजे तक होगी।*

तीन दिनों तक चलेंगी रविवि की प्रवेश परीक्षाएं, इसमें प्राप्तांकों के आधार पर यूटीडी में दाखिले

रविवि की प्रवेश परीक्षाएं आज से, सर्वाधिक 461 आवेदन बीएएलएलबी के लिए तो सबसे कम 4 अर्जी ऑप्टो टेक में

कार्नर न्यूज

रायपुर। पं.रविशंकर शुक्ल विवि की प्रवेश परीक्षाओं की शुरुआत आज से ही हो रही है। इसके लिए आवेदन प्रक्रिया अप्रैल माह से ही जारी थी। प्राप्त आवेदनों के आधार पर छात्रों के एडमिट कार्ड जारी किए जा चुके हैं। विधि कोर्स के लिए छात्रों द्वारा सर्वाधिक आवेदन किए गए हैं, जबकि सबसे कम आवेदन एमटेक इन ऑप्टो के लिए मिले हैं। बीएएलएलबी के लिए 461 छात्रों के आवेदन किया है, जबकि एमटेक इन ऑप्टो के लिए रविवि को सिर्फ 4 आवेदन ही मिले हैं। इसे मिलाकर रविवि अध्ययनशाला में संचालित पांच पाठ्यक्रम ऐसे हैं, जिसके लिए दस आवेदन भी नहीं मिल सके हैं। सीट से कम आवेदन होने के कारण इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले प्रत्येक छात्र का प्रवेश लगभग तय है।

इन कोर्स की मांग सर्वाधिक

बीएएलएलबी के अलावा एमएससी कैमेस्ट्री के लिए 352, एमएससी माइक्रोबायोलॉजी के लिए 134, एमएससी गणित के लिए 245, एमएससी फिजिक्स के लिए 360, एमपीएड के लिए 273, एमए छत्तीसगढ़ी के लिए 162, एमए योगा के लिए 127, बीपीएड के लिए 351, एमएससी बायोसाइंस के लिए 103 तथा एमएससी बायोटेक्नोलॉजी के लिए 205 आवेदन मिले हैं। इन विषयों को छोड़कर शेष सभी पाठ्यकम के लिए 100 से कम छात्रों ने आवेदन किए हैं।

इनमें है सबसे कम दिलचस्पी

एमएससी इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए 9, एमएससी भूगोल के लिए 7, एमए एशियंट हिस्ट्री के लिए 6, एमए रुरल प्लानिंग एंड डेवलपेंट के लिए 5 आवेदन मिले हैं। इसके अलावा जिन विषयों के लिए 50 से कम आवेदन मिल हैं, उनमें एमएससी पर्यावरण विज्ञान-17, एमएससी जूलॉजी-48, एमएससी बायोकैमेस्ट्री-39, एमएससी एंथ्रोपोलॉजी-35, एम लिब-54, एमए भूगोल-40, एमए इतिहास-37, एमए इकोनॉमिक्स-43, एमए सोशलॉजी-31, एमए हिंदी-28 और एमएसडब्ल्यू-14 आवेदन मिले हैं। इन पाठ्यक्रमों में 20 से 60 तक सीटें हैं।

पांच ऐसे विषय जिसमें आवेदन 10 से कम, परीक्षा में शामिल सभी छात्रों की सीट कंफर्म

ऑनलाइन होगी परीक्षाएं

रविवि द्वारा प्रवेश परीक्षाएं ऑनलाइन मोड में ली जाएंगी। छात्रों को इसके लिए अपना लैपटॉप, टैबलेट अथवा स्मार्ट फोन लेकर आना होगा। छात्रों से कहा गया है कि वे अपने साथ एंड्रायड फोन लेकर आएं। एप्पल अथवा अन्य प्रोसेस वाले फोन लाने से इनकार किया गया है। प्रवेशपत्र सहित अन्य जानकारियां रविवि की आधिकारिक वेबसाइट में अपलोड कर दी गई हैं। प्रवेश परीक्षाओं के परिणाम संबंधित विभाग द्वारा अपने-अपने स्तर पर जारी किए जाएंगे। इसके बाद छात्रों के दाखिले शुरू होंगे।

कॉलेजों के लिए आवेदन शुरू

विवि यूटीडी के इतर महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए रविवि द्वारा पोर्टल खोल दिए गए हैं। छात्र रविवि की वेबसाइट में जाकर मनपसंद संकाय का चुनाव करने के बाद किन्हीं पांच महाविद्यालयों का चुनाव विकल्प के आधार पर कर सकते हैं। किसी तरह की समस्या होने पर महाविद्यालय अथवा रविवि के हेल्पडेस्क से संपर्क कर सकते हैं।

सिटी लाइव

राजनीति व समाज को आईना दिखाता है व्यंग्य, यह जरूरी

रायपुर। हिंदी साहित्य एवं व्यंग्य संस्थान द्वारा व्यंग्यकार राजशेखर चौबे के व्यंग्य संग्रह 'संतरा गणतंत्र' का लोकार्पण किया गया। यह कार्यक्रम शहर स्थित वृंदावन हॉल में रखा गया। संस्थान के अध्यक्ष व संतरा गणतंत्र व्यंग्य संग्रह के लेखक राजशेखर चौबे ने बताया, संतरा गणतंत्र उनका चौथा व्यंग्य संग्रह है। जिसमें विविध विषयों पर 56 व्यंग्य लिखा गया है। लोकप्रिय हरिशंकर परसाई ने कहा था, 'मैं सुधार के लिए नहीं, बदलने के लिए लिखना चाहता हूं'। यह वाक्य मेरी लिए प्रेरणा स्वरुप है। कार्यक्रम के दौरान लेखक ने 'दो लड़कियों की बातचीत' पर व्यंग्य का पाठ किया, जो लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना। मुख्य अतिथि वक्ता के रुप में व्यंग्यकार डॉ. महेंद्र कुमार ठाकुर, टीकाराम साहू, डॉ. कल्पना मिश्रा, वीरेंद्र सरल, अरुण निगम और आनंद तिवारी उपस्थित रहे।

परसाई ने जलाई व्यंग्य की मशाल

वक्ता डॉ. कल्पना मिश्रा ने कहा, व्यंग्य वर्तमान राजनीति और समाज का आईना है। जिसमें विसंगतियों और विडंबनाओं पर तीखा प्रहार किया जाता है। हरिशंकर परसाई ने व्यंग्य की मशाल जलाई है। वक्ता डॉ. महेंद्र कुमार ठाकुर ने कहा, राजशेखर चौबे के व्यंग्य बहुत अच्छे, सामाजिक और सरोकारी हैं। बड़ी निर्भीकता के साथ व्यंग्य लिखा गया है। कार्यक्रम का संचालन आकाशवाणी से शुभ्रा ठाकुर ने किया। इस दौरान अशोक शर्मा, रावलमल जैन, शारदेंदु झा, अनिता झा, निर्मला शर्मा, शुभा शर्मा, आनंद किशोर, हेमराज सूर्यकांत गुप्ता, सूर्या बाबू, संजय पेंढारकर मौजूद रहे।

कैंपस लाइव

बच्चों संग माताएं सीख रहीं योग-ध्यान की बारीकियां

रायपुर । अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शहर के विभिन्न स्थानों पर प्रशिक्षण शिविर का संचालन किया जा रहा। इस दौरान टिकरापारा नूतन स्कूल में 7 जून से 15 दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसका समापन योग दिवस के दिन किया जाएगा। निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर रोजाना सुबह 5:10 से शुरु होकर 6:30 तक संचालित की जाती है, जिसमें स्कूली बच्चों संग महिलाएं उपस्थित हो रही हैं। महिलाओं में इसे लेकर विशेष दिलचस्पी देखने को मिल रही है। वे अपने बच्चों के साथ योग सीखने पहुंच रही हैं।

रोजाना योग से फायदे

प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित प्रतिभागियों को योग संबंधित जानकारी दी जाती है। इसके साथ ही रोजाना योग के फायदे बताए जा रहे हैं। इस अवसर पर ध्यान और पतंजलि योग कराया जा रहा है। प्रशिक्षण शिविर में विश्व योग दिवस के लिए 35 आसन, पांच प्राणायाम, कुंभक -रेचक और ध्यान की क्रिया कराई जा रही है। योग प्रशिक्षक केएम अग्रवाल योग के साथ उनके फायदे की क्रमबद्ध जानकारी दे रहे हैं। संस्था द्वारा योग दिवस के अवसर पर अधिक से अधिक लोगों को योग करने की अपील की जा रही है।

एजूकेशन अपडेट

पेन-पेपर मोड में हुआ यूजीसी-नेट रायपुर में 4,085 ने दिलाई परीक्षा

रायपुर। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ओर से राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा जून 2024 सेशन की परीक्षा का आयोजन मंगलवार को दो शिफ्ट में किया गया है। पहली शिफ्ट की परीक्षा सुबह 9:30 से लेकर दोपहर 12:30 तक संपन्न करवाई गई। दूसरी शिफ्ट की परीक्षा दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित की गई है। इस वर्ष एनटीए की ओर से परीक्षा कंप्यूटर मोड में आयोजित न करके पेन-पेपर बेस्ड आयोजित की गई है। एग्जाम कुल 83 विषयों के लिए देशभर में निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर संपन्न करवाया गया। रायपुर में 4 हजार 85 छात्र इस परीक्षा में शामिल हुए।

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये UGC - NET

पिछले वर्ष से आसान रहा प्रश्न पत्र

स्टूडेंट्स और कोचिंग सेंटर द्वारा किए गए प्रश्न पत्र के विश्लेषण के अनुसार, इस वर्ष का प्रश्नपत्र न ही आसान और न ही कठिन रहा। प्रश्नपत्र मध्यम स्तर का रहा है। इसके साथ ही पेपर 1 में पेपर 1 में डाटा इंटरप्रिटेशन भी आसान रहा है। यूजीसी नेट एग्जाम में उम्मीदवारों को दो प्रश्न पत्र हल करने रहे। पहले प्रश्नपत्र में 50 प्रश्न पूछे गए जिसके लिए 100 अंक निर्धारित रहे। प्रश्नपत्र द्वितीय में 100 बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न पूछे गए, जिसके लिए 200 अंक निर्धारित हैं। प्रश्न पत्र हल करने के लिए उम्मीदवारों को कुल 3 घंटे का समय प्रदान किया गया। एनटीए ने इसके लिए पहले ही गाइडलाइन जारी कर दी थी। परीक्षार्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने के एक घंटे पूर्व केंद्र में पहुंचने निर्देशित किया गया था।

विश्व सिकलसेल जागरूकता दिवस आज, शादी के पहले जांच खत्म कर सकती है बीमारी

'हिम्मत' ही है सिकलसेल की दवा डर छूटा तो जीवन हो गया सामान्य

"बदलते समय के साथ बीमारियों के उपचार के लिए कई तरह की तकनीक विकसित हुई है, लेकिन कई बीमारियां ऐसी भी हैं, जिनका पूर्ण रूप से उपचार अब तक नहीं मिल सका है। कुछ ऐसी ही बीमारी सिकलसेल है, जिससे 5 साल के बच्चे से लेकर 50 के व्यस्क भी जूझ रहे हैं।

रायपुर। प्रदेश में अनुवांशिक बीमारियों में सिकलसेल प्रमुख है, जो व्यक्ति के रक्त को प्रभावित करता है। प्रदेश में आदिवासी क्षेत्र जशपुर, बस्तर व नारायणपुर जैसे इलाकों में इसके सर्वाधिक मरीज मिले हैं। राजधानी में सैकड़ों ऐसे मरीज हैं, जिन्हें हर महीने खून की जरूरत है। विशेषज्ञों का कहना है कि शादी के पहले यदि वर-वधु की सिकलसेल जांच करवा ली जाए तो इस बीमारी को आगे बढ़ने से रोका जा सकता है। हरिभूमि ने विश्व सिकलसेल जागरूकता दिवस पर बच्चों और युवाओं से बातचीत, जो बचपन से ही इस बीमारी को हराने जंग लड़ रहे हैं। बच्चों के अभिभावकों ने बताया, हर एक से दो महीने के बीच खून चढ़ाने के लिए अस्पताल में भर्ती करना पड़ता है। कई बच्चों को उनके अभिभावकों द्वारा अभी तक इस बीमारी के बारे में नहीं बताया गया है। पालकों का कहना है कि सिकलसेल बीमारी का डर बचपन से दिमाग में डल गया, तो आने वाले समय बच्चों का आत्मविश्वास और कम हो जाएगा। इसलिए बीमारी के बीच घरों में वही मौहाल रखते हैं, जैसे सामान्य बच्चों का होता है।

25 किलो के शरीर में हर साल 2 लीटर खून की जरूरत

सिकलसेल इंस्टिट्यूट प्रदेशभर से लोग इलाज कराने पहुंचते हैं। जशपुर से आई 15 साल की कविता ध्रुव जब 2 साल की थी, तब उनके पालकों को मालूम चला कि उसे सिकलसेल है। शरीर में 4 महीने के अंतराल पर खून चढ़ता है। परिजन ने बताया कि कविता का वजन लगभग 25 किलो है, जिसे हर साल 2 लीटर खून की जरूरत पड़ जाती है। 2 साल से 6 साल के बीच ज्यादातर समय अस्पताल में बिता। हर महीने खून चढ़ाना पड़ता था। इस वजह से समय पर स्कूल में भर्ती नहीं कराया। कविता अभी 8वीं कक्षा की छात्र है। उनका कहना है कि इस बीमारी के साथ बचपन निकल गया, लेकिन अब दवा की मदद से काफी सुधार देखने को मिला है। डॉक्टर का कहना है कि 22 से 24 साल उम्र तक साल में एक बार चढ़ाने की आवश्यकता होगी।

बचपन में परिजन के साथ जाता था, अब खुद आता हूं अस्पताल

आरंग जिले के 25 वर्षीय कैलाश साहू सरकारी सिकलसेल इंस्टिट्यूट में अपना उपचार करवा रहे हैं। उनका कहना है कि बचपन में हर महीने खून चढ़ाना पड़ता था, लेकिन काफी पतला और कमजोर हो चुका था। अब नियमित दवा लेने से ही काफी सुधार आया है। उनका कहना है कि अब हर दो महीने में चेकअप कराने खुद अस्पातल आता हूं। बचपन से 17 साल तक पापा और दादा के साथ आता था। अब दवा लेने के साथ खून चढ़ाने का काम खुद कर लेता हूं। पहले इस बीमारी से डर लगता था, लेकिन अब यह डर नहीं रहा। वर्तमान में केवल दवा मात्र से ही हर महीने खून चढ़ाने की आवश्यकता को खत्म किया जा सकता है। सिकलसेल के कारण बचपन में खेलकूद की गतिविधियों से हमेशा दूर रहा। आज भी अत्यधिक ठंडी जगह, पहाड़ों या फिर लंबी सीढ़ी चढ़ने से बचता हूं।

प्रदेश के 33 जिले के 33 हजार हितग्राहियों का चिन्हांकन

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विश्व सिकलसेल जागरुकता दिवस पर कहा है कि लोगों को जगाना और छत्तीसगढ़ से सिकलसेल एनीमिया को भगाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ और पिछड़े आदिवासी क्षेत्रों में सिकलसेल बीमारी की अधिक से अधिक जागरूकता की आवश्यकता है, ताकि इस बीमारी का उन्मूलन किया जा सके। प्रदेश के 33 जिलों के 33 हजार हितग्राहियों को सिकलसेल के लिए चिन्हित किया गया है। प्रदेश के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों, छात्रावास-आश्रमों तथा आवासीय विद्यालयों में भी सिकलसेल स्क्रीनिंग एवं जागरूकता शिविरों का आयोजन 19 जून को किया जाएगा। राज्यस्तरीय मुख्य आयोजन राजधानी के अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में होगा।आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों द्वारा कार्ययोजना बनाकर सभी जिलों में सिकलसेल की स्क्रीनिंग एवं जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

बच्चे के पैदा होते ही लगा सकते हैं पता

सिकलसेल एनीमिया का पता बच्चे के पैदा होने के दौरान टेस्टिंग के जरिए लगाया जा सकता है। डॉ. अरविंद नेरलवार का कहना है कि सिकलसेल एक अनुवांशिक बीमारी है। यदि माता-पिता में सिकल सेल के जीन हैं तो बच्चों में इस बीमारी का होना स्वाभाविक है। आमतौर पर इस बीमारी के लक्षण 2.5 महीने के बच्चे में नजर आन लगते हैं। इस बीमारी के कारण मरीज के शरीर में खून की कमी, हल्की पीलिया, तिल्ली का बढ़ जाना, पेट एवं छाती में दर्द होना, सांस लेने में तकलीफ और हड्डियों और जोड़ों में सूजन की समस्या हो जाती है। सिकलसेल से संबंधित जानकारी के लिए सरकारी टोल फ्री नंबर-18002332505 है।

अस्पताल में बीता बचपन का बड़ा हिस्सा

कवर्धा की रहने वाली ममता यादव बचपन से ही सिकलसेल का सामना कर रही हैं। 22 वर्षीय ममता बताती हैं कि जब वे छोटी थी तो उनके माता-पिता को परिचित सलाह दिया करते थे कि इसकी उम्र ज्यादा नहीं है, इस पर पैसे खर्च ना करें, आदि। इन सब बातों को ममता ने अपने हौसले और दृढ़ निश्चय से गलत साबित करके दिखा गया। कंप्यूटर साइंस में मास्टर की डिग्री करने वाली ममता वर्तमान में भिलाई में एक निजी फर्म में लैब केमिस्ट हैं। वे बताती हैं कि सिकलसेल होने के कारण उन्हें नियमित अंतराल पर अस्पताल में भर्ती करना पढ़ता था। अभी भी उन्हें अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना पड़ता है और अस्पताल भी नियमित रूप से जाना होता है। कई बार भर्ती होना पड़ता है। यह सब वह खुद ही करती हैं। इन सबके बीच उन्होंने अपनी पढ़ाई और नौकरी जारी रखी, क्योंकि आगे कभी भी किसी पर निर्भर नहीं रहना चाहती हैं। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने के साथ घूमने-फिरने से लेकर अन्य शौक भी खुद के दम पर ही पूरा करती हैं।

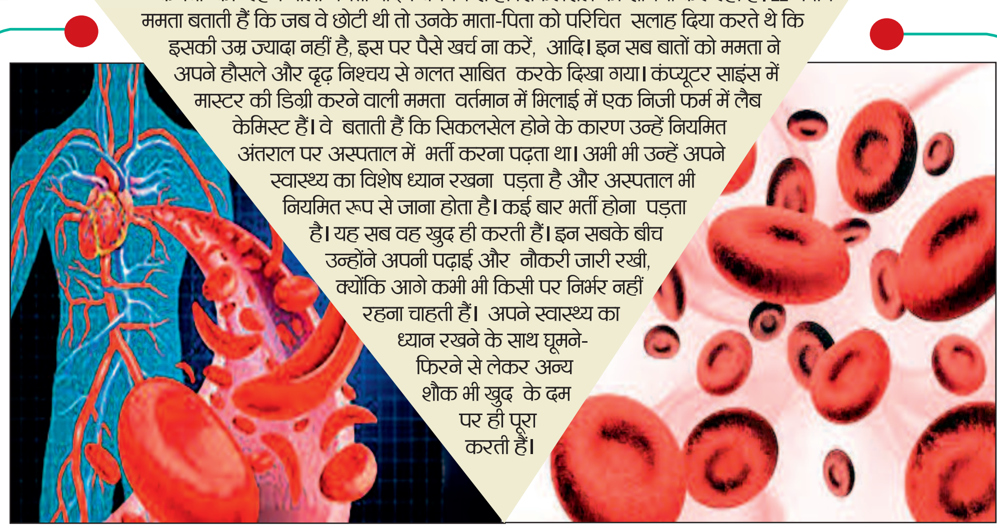

75 लाख से अधिक लोगों को सिकलसेल जेनेटिक कार्ड

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, राज्य के 33 जिलों के लक्षित 1 करोड़ 77 लाख 69 हजार 535 सिकल सेल स्क्रीनिंग के विरूद्ध कुल 1 करोड़ 11 लाख 06 हजार 561 स्क्रीनिंग की गई है। इसमें 1 करोड़ 06 लाख 24 हजार 245 स्क्रीनिंग निगेटिव पाई गई है। स्क्रीनिंग में 2 लाख 90 हजार 663 वाहक पाये गये हैं तथा 22 हजार 672 बीमारी प्राप्त हुई। इस प्रकार राज्य में स्क्रीनिंग का कुल प्रतिशत 63 है। राज्य में 1 लाख 68 हजार 981 स्क्रीनिंग कन्फर्मेशन की प्रक्रिया में है। राज्य में 75 लाख 79 हजार 257 सिकल सेल जेनेटिक कार्ड वितरित किए गए हैं। कार्ड वितरण का प्रतिशत 63 है।

टेक्नोलॉजी ने लौटाया कंप्यूटर साइंस व आईटी का क्रेज राष्ट्रीय संस्थानों के लिए पंजीयन बंद, प्रथम सूची कल

जोसा काउंसलिंग प्रक्रिया 10 जून से 26 जुलाई के मध्य होगी पांच राउंड में

इस साल आईआईटी, एनआईटी व ट्रिपल आईटी में प्रवेश के लिए होने वाली जोसा काउंसलिंग प्रक्रिया 10 जून से 26 जुलाई के मध्य पांच राउंड में संपन्न होगी। पंजीयन के लिए अभ्यर्थी 18 जून तक शाम 5 बजे तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन और च्वॉइस फिलिंग कर सकते थे। पिछले वर्ष पंजीयन के लिए चार हजार रुपए शुल्क लगा था, इस बार पंजीयन के लिए छात्रों को पांच हजार रुपए शुल्क देना पड़ा। पहली मेरिट सूची 20 जून को जारी की जाएगी।

रायपुर। जेईई एडवांस्ड के परिणाम जारी होने के बाद देश के आईआईटी, एनआईटी और ट्रिपलआईटी समेत अन्य संस्थानों में प्रवेश के लिए पंजीयन शुरू हो गए थे। इस काउंसिलिंग के माध्यम से इस साल देश के 23 आईआईटी, 32 एनआईटी, 26 ट्रिपलआईटी, 40 जीएफटीआई की 57 हजार से अधिक सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। विशेषज्ञों के मुताबिक, इस बार एनआईटी में बीटेक प्रोग्राम के लिए कटऑफ 9103 से 15714 के बीच रहने की उम्मीद है। पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष भी कंप्यूटर साइंस और इंफर्मेशन टेक्नोलॉजी, आईटी ब्रांच की डिमांड सबसे ज्यादा रहेगी। पिछले वर्ष आईआईटी भिलाई में सीएस में 3447 से 5393 रैंक वाले छात्रों को प्रवेश मिला था। इस बार सीट 40 सीटें बढ़ाने के बाद कटऑफ भी अधिक होने की बात कही जा रही है।

प्रदेश में इंजीनियरिंग की 2,446 सीटों में होगा प्रवेश

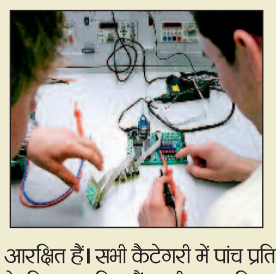

प्रदेश में इंजीनियरिंग की 2,446 सीटों में प्रवेश होगा। आईआईटी भिलाई में कुल छह ब्रांच हैं। इनमें यूजी की 283 सीटें हैं। इसी तरह एनआईटी में यूजी के 12 ब्रांच में 1159 और ट्रिपलआईटी के तीन ब्रांच में 180 सीटें हैं। आईआईटी में एडमिशन ऑल इंडिया रैंक के आधार पर होती है। इनमें 10 प्रतिशत सीटें ईडब्ल्यूएस, 27 प्रतिशत ओबीसी, 15 प्रतिशत एएससी और 7.5 प्रतिशत एसटी छात्रों के लिए आरक्षित है। एनआईटी में 50 प्रतिशत सीटें ऑल इंडिया कोटा और 50 प्रतिशत सीटें स्टेट कोटा के लिए आरक्षित हैं। सभी कैटेगरी में पांच प्रतिशत सीटें पीडब्ल्यूडी और 30 प्रतिशत गर्ल्स कोटा के लिए आरक्षित हैं। इसी तरह ट्रिपलआईटी में 35 प्रतिशत सीटें ऑल इंडिया कोटा, 50 प्रतिशत सीटें स्टेट कोटा और 15 प्रतिशत एनटीपीसी कोटा के तहत आरक्षित हैं।

आईआईटी भिलाई में बढ़ी 40 सीट, अब 283 सीटों पर प्रवेश

पिछले साल 23 आईआईटी की 17,385 सीटों के लिए काउंसलिंग हुई थी। इस साल यह संख्या बढ़कर 17, 740 हो गई है। आईआईटी भिलाई में 40 सीट बढ़ी है। इस बार 283 सीटों में प्रवेश मिलेगा। आईआईटी मुंबई में इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग एंड ऑपरेशन्स रिसर्च में 40 सीटें, आईआईटी मद्रास में डाटा साइंस एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में 50 सीटें, आईआईटी खड़गपुर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की 30 सीटें, आईआईटी गांधीनगर में इंटीग्रेटेड सर्किट डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी में 30 सीटें, आईआईटी भुवनेश्वर में इंजीनियरिंग फिजिक्स की 20, तिरुपति में 10, और आईआईटी धनबाद में 45 सीटों का इजाफा हुआ है।

पिछले साल के कटऑफ के अनुसार चुनें कॉलेज

आईआईटी, एनआईटी व ट्रिपलआईटी में प्रवेश को लेकर कॅरियर काउंसलर योगेश सोनी का कहना है कि स्टूडेंट्स को च्वाइस फिलिंग का अवसर एक बार ही दिया गया है। विद्यार्थियों को कॉलेज च्वाइस लॉक करने से पहले सही से चेक करें, क्योंकि लॉक करने के उपरांत उसमें बदलाव संभव नहीं होंगे। इसलिए स्टूडेंट्स कॉलेजों की ओपनिंग और क्लोजिंग रैंकों को देखते हुए कॉलेजों को चुनने का मिलने का अनुमान लगा सकते हैं। जोसा की वेबसाइट में पूरे आंकड़े मौजूद हैं। अपनी रैंक के अनुसार गत वर्षों की क्लोजिंग रैंक से नीचे की रैंक वाले कॉलेज ब्रांचों को भी अपनी रुचि अनुसार कॉलेज प्राथमिकता सूची के क्रम में शामिल करें। जोसा काउंसलिंग में कॉलेजों को भरने से पूर्व अपनी प्राथमिकता के कॉलेजों की सूची कागज पर बनाकर उसका आकलन करके ही ऑनलाइन फॉर्म भरें, ताकि गलती होने की संभावना ना रहे।

18 जून शाम 5 बजे तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन और च्वॉइस फिलिंग का दिया गया था मौका

इन संस्थानों ने बंद किया ब्रांच अपग्रेडेशन का विकल्प

एनआईटी के प्रो.एसवी राव के मुताबिक इस वर्ष आईआईटी के साथ-साथ 16 एनआईटी ऐसे हैं जिन्होंने ब्रांच अपग्रेडेशन के ऑप्शन को बंद किया है। इन एनआईटी में रायपुर के साथ जयपुर, इलाहाबाद, कालीकट, दिल्ली, हमीरपुर, नागालैंड, पटना, पुडुचेरी, कुरुक्षेत्र, राउकेला, तिरूचिरापल्ली, वारंगल, सूरत और आंध्रप्रदेश शामिल है। हर वर्ष बड़ी संख्या में विद्यार्थी शीर्ष आईआईटी-एनआईटी की कोर ब्रांचों के अतिरिक्त लोअर-ब्रांचों को उनके नीचे के आईआईटी-एनआईटी की कोर ब्रांचों से ज्यादा प्राथमिकता में रखते थे, क्योंकि विद्यार्थियों की यह सोच होती है कि वे शीर्ष आईआईटी एवं एनआईटी में लोअर ब्रांचों में प्रवेश लेकर प्रथम वर्ष की परफॉर्मेंस के आधार पर ब्रांच अपग्रेड करवा सकते हैं।अब 9 आईआईटी व 16 एनआईटी में ब्रांच अपग्रेड का विकल्प बंद होने से विद्यार्थी इन कॉलेजों में केवल अपनी रूचि के अनुसार पढ़ने वाली ब्रांच को ही प्राथमिकता सूची में रख सकेंगे।

स्पोर्ट्स

ट्रैम्पोलिन को बना रही हैं वर्कआउट का हिस्सा, छोटे-छोटे टिप्स पर करें फोकस

यह तो हम सभी जानते हैं कि फिट और हेल्दी रहने के लिए एक्सरसाइज करना बेहद जरूरी है। वर्कआउट सिर्फ आपका वजन ही कम नहीं करता है, बल्कि यह आपकी ओवर ऑल हेल्थ का ख्याल रखता है। हालांकि, कई लोगों की यह शिकायत होती है कि उनका वर्कआउट सेशन काफी बोरिंग होता है और इसलिए वे जल्द ही अपना फिटनेस रूटीन बीच में छोड़ देते हैं। हो सकता है कि आपके लिए भी वर्कआउट करना काफी बोरिंग हो। हालांकि, अगर आप चाहें तो इसे काफी मजेदार बना सकती हैं। दरअसल, कई ऐसे इक्विपमेंट व प्रॉप्स होते हैं, जो वर्कआउट को अधिक इफेक्टिव और इंटरस्टिंग बनाते हैं। इन्हीं में से एक है ट्रैम्पोलिन। ट्रैम्पोलिन पर अक्सर बच्चे मस्ती करते हुए नजर आते हैं, लेकिन आप इसे अपने वर्कआउट रूटीन में शामिल करके एक मजेदार ट्विस्ट दे सकते हैं। हालांकि, अगर आप पहली बार ट्रैम्पोलिन को अपने वर्कआउट रूटीन में शामिल कर रही हैं तो आपको कुछ छोटे-छोटे टिप्स को जरूर फॉलो करना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ टिप्स

के बारे में बता रहे हैं- अगर आप ट्रैम्पोलिन पर वर्कआउट करने का मन बना रहे हैं तो आपको अपनी सुरक्षा का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए। मसलन, इस्तेमाल से पहले यह चेक करें कि ट्रैम्पोलिन में कोई छेद या डैमेज्ड स्प्रिंग ना हो। इसके अलावा, ट्रैम्पोलिन के चारों ओर सेफ्टी नेट का इस्तेमाल किया जाए, जिससे गिरने का खतरा काफी हद तक कम हो जाए।

जरूर करें वार्मअप

वर्कआउट से पहले वार्मअप करना बेहद जरूरी होता है, फिर भले ही आप ट्रैम्पोलिन का इस्तेमाल कर रहे हों। जब आप वार्मअप करते हैं तो इससे आपकी मसल्स और ज्वॉइंट्स एक्सरसाइज के लिए तैयार होती है। कोशिश करें कि आप ट्रैम्पोलिन का इस्तेमाल करने से पहले हल्की जॉगिंग या स्ट्रेचिंग जरूर करें।

बॉडी फॉर्म पर करें फोकस

अगर आप चाहते हैं कि ट्रैम्पोलिन वर्कआउट करते हुए आपको किसी तरह की चोट ना लगे तो आपको अपनी बॉडी फॉर्म का खास ख्याल रखना चाहिए। हमेशा ध्यान रखें कि ट्रैम्पोलिन वर्कआउट करते हुए अपने कोर को एंगेज रखें और घुटनों को लॉक करने से बचें। इसके अलावा, ट्रैम्पोलिन पर जंप करते हुए आप बीच में रहने की कोशिश करें ताकि आप किनारों से बच सकें। इससे चोट लगने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

अकेले ही करें वर्कआउट

ट्रैम्पोलिन पर वर्कआउट करते हुए आपको इस बात का खास ख्याल रखना चाहिए कि एक बार में केवल एक व्यक्ति ही वर्कआउट करें। अगर एक ट्रैम्पोलिन पर कई लोग वर्कआउट करते हैं तो इससे उनके आपस में टकराने और चोट लगने की संभावना काफी बढ़ जाती है। इतना ही नहीं, ऐसा करने से उनका बॉडी बैलेंस भी नहीं बन पाता है। इसके अलावा, ट्रैम्पोलिन वर्कआउट करते हुए आप अलग-अलग मसल्स को टारगेट करने के लिए जंपिंग जैक, हाई नी, टक जंप और बट किक्स जैसे कई अलग एक्सरसाइज करें।

हालांकि, यह ध्यान दें कि एक बिगनर के रूप में आप किसी एक्सपर्ट की देख-रेख में ही इसे करें।

गंभीर बीमारियों के हो सकते हैं शिकार, अगर अब भी नहीं संभले तो

आप भी तो नहीं खा रहे 'व्हाइट प्वाइजन'? हो जाइए सावधान

शरीर स्वस्थ और फिट रहे इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी लाइफस्टाइल और आहार पर विशेष रूप से ध्यान देते रहे। आहार विशेषज्ञ बताते हैं, अगर हम सभी सिर्फ खानपान में ही सुधार कर लें तो कई प्रकार की गंभीर और क्रोनिक बीमारियों से बचाव कर सकते हैं। आहार में गड़बड़ी से संबंधित कई अध्ययनों में 'व्हाइट पॉइजन' यानी सफेद जहर को लेकर लोगों को सावधान किया जाता रहा है। 'व्हाइट पॉइजन' यानी चीनी और नमक के अधिक सेवन को मौजूदा समय में तेजी से बढ़ती कई क्रोनिक बीमारियों के लिए प्रमुख कारण माना जा रहा है।आहार विशेषज्ञ कहते हैं, नमक और चीनी के अधिक सेवन से डायबिटीज से लेकर हाइपरटेंशन और इंफ्लामेशन जैसी गंभीर समस्याओं का जोखिम रहता है। इससे अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों तरह की स्वास्थ्य विकारों का जोखिम देखा जाता रहा है। अगर आप भी इनका अधिक मात्रा में सेवन करते हैं तो सावधान हो जाइए।

चीनी और नमक के कारण होने वाली समस्याएं

आहार विशेषज्ञ गरिमा तनेजा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया, चीनी और नमक दोनों ही हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं। आमतौर पर चीनी को डायबिटीज और नमक को हाई ब्लड प्रेशर का कारक माना जाता है। पर डायबिटीज रोगियों के लिए नमक और ब्लड प्रेशर-हृदय रोगियों के लिए चीनी के भी कई गंभीर नुकसान हो सकते हैं। दुर्भाग्यवश भारत में ज्यादातर लोग चीनी और नमक की रोजाना तय मात्रा से कहीं अधिक सेवन करते हैं। इसके कारण शरीर में इंफ्लामेशन और कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।

ज्यादा चीनी खीने के नुकसान

ज्यादा चीनी खीने के कारण टाइप-2 डायबिटीज के जोखिमों को लेकर सभी जानते हैं, पर क्या आप जानते हैं कि इसका अधिक सेवन आपमें हृदय रोगों के खतरे को भी बढ़ा देता है? साक्ष्य बताते हैं कि अधिक चीनी वाले आहार से मोटापा और शरीर में सूजन के साथ-साथ ट्राइग्लिसराइड्स, रक्त शर्करा और रक्तचाप के भी बढ़ने का खतरा रहता है। ये सभी हृदय रोग के लिए जोखिम कारक हैं। 25,877 से अधिक वयस्कों पर किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि जिन व्यक्तियों ने अधिक मात्रा में ऐडेड शुगर वाली चीजों का सेवन किया, उनमें हृदय रोग और कोरोनरी से संबंधित जटिलताओं का खतरा अधिक देखा गया।

अधिक नमक खाते हैं तो सावधान

अधिक चीनी की ही तरह से ज्यादा नमक खाना भी सेहत के लिए हानिकारक है। नमक की अधिकता के कारण ब्लड प्रेशर तो बढ़ता ही है इसके अलावा इसे पेट के कैंसर को बढ़ाने वाला कारक भी माना जाता है।

268,000 से अधिक प्रतिभागियों पर किए गए अध्ययनों की समीक्षा में पाया गया कि जो लोग प्रतिदिन 3 ग्राम तक नमक का सेवन करते हैं, उनमें पेट के कैंसर का जोखिम उन लोगों की तुलना में 68% अधिक हो सकता है, जो प्रतिदिन 1 ग्राम या इससे कम नमक खाते हैं।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

आहार विशेषज्ञ बताते हैं, नमक और चीनी के कारण होने वाले स्वास्थ्य जोखिमों को देखते हुए इसे 'व्हाइट पॉइजन' कहा जाता है। नमक हमारी हड्डियों से कैल्शियम को सोख लेता है जबकि चीनी उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को तेज करती है और अवसाद का कारण बनती है। शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की सेहत को ठीक रखने के लिए जरूरी है कि दैनिक आहार से नमक और चीनी दोनों की मात्रा कम कर लें।

राज्य स्तरीय जूडो में 24 स्वर्ण जीत दुर्ग जिला ओवरऑल चैंपियन

17 स्वर्ण जीत बिलासपुर द्वितीय और 6 स्वर्ण जीत बलौदाबाजार भाटापारा तृतीय

भिलाई। छत्तीसगढ़ प्रदेश जूडो संघ के तत्वावधान में बी आर अम्बेडकर भवन, बैकुण्ठ धाम, भिलाई में आयोजित तीन दिवसीय राज्य जूडो प्रतियोगिता में 24 स्वर्ण पदक जीतकर दुर्ग जिला ओवर ऑल चैम्पियन रहा। 15-17 जून तक दुर्ग जिला जूडो संघ द्वारा संपन्न सब जूनियर, कैडेट, जूनियर एवं सीनियर जूडो प्रतियोगिता का पुरूस्कार वितरण सह समापन समारोह परविंदर सिंह ग्रेवाल (महासचिव बीएसपी ऑफिसर एसोसिएशन) के मुख्य आतिथ्य में हुआ। अध्यक्षता रिमी थॉमस (जोनल प्रतिनिधि ऑफिसर एसोसिएशन) ने की। आयोजन बशीर अहमद खान (मुख्य कार्यकारी अधिकारी), छत्तीसगढ़ प्रदेश जूडो संघ के अरुण कुमार द्विवेदी (अध्यक्ष) एवं शंभू राम सोनी (महासचिव), ए त्रिनाथ राव (पूर्व थाना अध्यक्ष), आर पी शर्मा तथा आरोग्यं अस्पताल के मार्केटिंग हेड हेमंत यादव के विशेष आतिथ्य में संपन्न हुआ।जिला जूडो संघ रायपुर के अध्यक्ष अनीस मेमन ने बताया कि सब जूनियर, कैडेट, जूनियर एवं सीनियर वर्ग की राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता 2024 में 24 स्वर्ण, 19 रजत और 12 काँस्य पदक सहित कुल 54 पदक जीत कर दुर्ग जिला ओवरऑल चैंपियन बना। 17 स्वर्ण, 06 रजत और 03 काँस्य सहित कुल 26 पदक जीत कर ₹₹बिलासपुर जिला₹₹ फर्स्ट रनर अप बना। 06 स्वर्ण, 11 रजत और 13 काँस्य सहित कुल 30 पदक जीत कर बलोदा बाजार भाटापारा जिला सेकेण्ड रनर अप बना। रायपुर जिले को 06 स्वर्ण, 04 रजत और 09 काँस्य सहित कुल 19 पदक प्राप्त हुए और चतुर्थ स्थान पर संतोष करना पड़ा। दुर्ग, बिलासपुर और बलौदाबाजार (भाटापारा) तीनों चैंपियन जिलों को ट्रॉफी अतिथियों ने प्रदान किया। पुरुस्कार वितरण सह समापन समारोह में प्रदेश के लगभग 17 जिलों के 322 खिलाड़ियों 36 प्रशिक्षक/प्रबंधक के साथ विशेष रूप से लखन कुमार साहू, अनीस मेमन, सतीश सिंह, अब्दुल मोईन, राजकुमार जायसवाल, सर्वजीत सिंह, उदय

सिंह यादव, बसंता नायर, प्रफुल्ल भानु, अशोक पटेल, परमजीत सिंह और राहुल शर्मा सहित विभिन्न जिलों से आए हुए जिला जूडो संघ के अध्यक्ष एवं सचिव उपस्थित थे। आयोजन सचिव आलोक मिश्रा ने आभार प्रदर्शन किया।

जूनियर एवं सीनियर वर्ग में परिणाम पुरुष जूनियर में 55 किलोग्राम प्रथम संदीप रात्रि बलौदा बाजार, द्वितीय सुरेश साहू दुर्ग तृतीय रोशन शर्मा दुर्ग एवँ शुभम तेलम बीजापुर, 60 किलोग्राम प्रथम अनिल कुमार गोटा कोंडागांव , द्वितीय अभिजीत आचार्य दुर्ग तृतीय ऑनर्स कोडियम बीजापुर एवं घनश्याम निर्मलकर दुर्ग, 66 किलोग्राम वजन वर्ग में अपूर्व सोनी बलौदा बाजार प्रथम , ओम साहू बिलासपुर द्वितीय, पार्थ चवडा रायपुर तृतीय, 73 किलोग्राम वजन वर्ग में आयुष सोनकर बीएसपी प्रथम, यशवंत पांडे बस्तर द्वितीय, 81 किलोग्राम वजन वर्ग मनोज साहू रायपुर प्रथम , कार्तिकेय मिश्रा बिलासपुर द्वितीय, 90 किलोग्राम वजन वर्ग में राज सिंह दुर्ग प्रथम, भरत तिवारी बिलासपुर द्वितीय रहे। महिला वर्ग (जूनियर) में 44 किलोग्राम वर्ग में दीपिका साहू दुर्ग प्रथम , रोशनी चांदनी बीजापुर द्वितीय, 48 किलोग्राम वजन वर्ग में चांदनी यादव बिलासपुर प्रथम , पूर्णिमा कुमारी दुर्गा द्वितीय एवं शिवानी नेम कोंडागांव तृतीय। 52 केजी वजन वर्ग में प्रथम प्रिया विश्वकर्मा दुर्ग , तनु रानी साहू दुर्ग द्वितीय, अवी कटरे रायपुर तृतीय,57 किलोग्राम वजन वर्ग में आकांक्षा जायसवाल बिलासपुर प्रथम , हर्षिता प्रसाद बीएसपी द्वितीय , श्याम अंजा बीजापुर तृतीय, 63 किलोग्राम शारदा गोस्वामी बिलासपुर प्रथम, इशिता दुर्ग द्वितीय, 70 किलोग्राम वजन वर्ग में नंदिनी सिंह दुर्ग प्रथम , अवनी द्विवेदी रायपुर,78 किलोग्राम वजन वर्ग में साधना जायसवाल बिलासपुर प्रथम, मनजोत कौर रायपुर द्वितीय एवं तितिक्षा साहू बीएसपी तृतीय, 78 किलोग्राम वजन वर्ग में स्नेहा योगी दुर्ग प्रथम रहे।

क्रिकेट में प्रदेश स्तरीय कायस्थ प्रीमियर लीग सीजन-7 की विजेता बनी चित्रांश टाइटन्स

रायपुर। कायस्थ प्रीमियर क्रिकेट लीग का आयोजन 09 जून से 16 जून तक राजधानी रायपुर में किया गया। जिसमें पूरे प्रदेश से लगभग भिलाई, राजनांदगाँव, बेमेतरा, बालोद, बिलासपुर, महासमुंद, कवर्धा, रायपुर सहित अन्य ज़िलों की टीम ने भाग लिया।रविवार 17 जून को कायस्थ प्रीमियर लीग के फ़ाइनल मैच हुआ जिसके मुख्य अतिथि सांसद बृजमोहन अग्रवाल एवं विशेष अतिथि विधायक रायपुर उत्तर पुरंदर मिश्रा उपस्थित थे।रविवार को सबसे पहले महिला स्पेशल का फाइनल मैच स्वर्गीय श्रीमती आशा श्रीवास्तव की स्मृति में आयोजित किया गया। पहले बैटिंग करते हुए टीम रेड ने छह विकेट के नुक़सान पर निर्धारित ओवरों में 73 रन बनाये सबसे ज़्यादा नीलिमा श्रीवास्तव ने 45 रन अपनी टीम के लिए बनाये। इसके जवाब में टीम ऑरेंज निर्धारित ओवरों में 54 रन ही बना सकी और टीम रेड ने यह महिला स्पेशल 19 रनों से जीत लिया। नीलिमा को उनके शानदार ऑलराउंडर प्रदर्शन के लिए वुमन ऑफ़ द मैच का पुरस्कार दिया गया। केपीएल-7 का फाइनल मैच चित्रांश टाइटन्स और चित्रांश सुपर किंग्स के बीच खेला गया। चित्रांश टाइटन्स की तरफ़ से सबसे ज़्यादा तीन विकेट प्रवेश ने लिए। जिसके लिये उन्हें मैन ऑफ़ द मैच का पुरस्कार दिया गया। चित्रांश टाइटन्स केपीएल सीजन 7 की विजेता टीम बनी। इस साल केपीएल जूनियर का भी आयोजन स्वर्गीय सुदीप खरे की स्मृति में किया जिसमें टीम आकाश विजेता और टीम पृथ्वी उपविजेता टीम बनी। इस प्रतियोगिता के आयोजक छत्तीसगढ़ कायस्थ समाज और अखिल भारतीय कायस्थ महासभा छत्तीसगढ़ थे आयोजन समिति के राहुल श्रीवास्तव प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय कायस्थ महासभा युवा प्रकोष्ठ ने धन्यवाद ज्ञापन। आयोजन समिति में प्रमुख रूप से संजय श्रीवास्तव प्रदेश महामंत्री भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़ कायस्थ समाज के संरक्षक रज्जन श्रीवास्तव, प्रमोद खरे प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय कायस्थ महासभा छत्तीसगढ़, प्रदीप वर्मा महासचिव अखिल भारतीय कायस्थ महासभा, अशोक श्रीवास्तव, दिलीप वर्मा, वैभव श्रीवास्तव, संजय वर्मा, राकेश वर्मा, अभिषेक सक्सेना, अमित वर्मा विश्वासु श्रीवास्तव, शुभम श्रीवास्तव, अंशुमन वर्मा, वैदूर्य, रौनक़, महिला विंग से उषा रंजन श्रीवास्तव, डॉ सीमा श्रीवास्तव, मंगला श्रीवास्तव, छाया खरे, ज्योति खरे, सारिका वर्मा, अमृता श्रीवास्तव, नेहा श्रीवास्तव, इशिका श्रीवास्तव, स्वाति श्रीवास्तव, नीलिमा, डॉ सारिका , रीना श्रीवास्तव, काजल सिन्हा, काजल कुलश्रेष्ठ और रचना वर्मा इत्यादि शामिल है।

नवजात शिशु के कपड़े रखते समय वास्तु का रखें ध्यान

जब घर में एक नन्हें शिशु की किलकारी गूंजती है तो पूरा घर खुशियों से भर जाता है। घर का हर सदस्य उस शिशु की देखभाल में लग जाता है। नवजात शिशु की हर छोटी से छोटी जरूरत का ख्याल रखा जाता है। अमूमन उसके कपड़ों से लेकर हर सामान के लिए एक अलग जगह बनाई जाती है, ताकि उसके सामान को संभालकर रखा जा सके। लेकिन क्या आपको पता है कि नवजात शिशु के कपड़े रखने का भी एक सही तरीका होता है। अगर आप नवजात शिशु के कपड़ों को रखते समय वास्तु के कुछ नियमों का ध्यान रखते हैं तो इससे शिशु पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

इस दिशा में ना रखें कपड़े

जब आप नवजात शिशु के कपड़े रख रहे हैं तो आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आप उसे कभी भी कमरे की दक्षिण पूर्व दिशा यानी आग्नेय कोण की अलमारी में ना रखें। अगर इस दिशा में बनी अलमारी में शिशु के कपड़े रखे जाते हैं तो इससे उसकी सेहत पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

पश्चिम दिशा की अलमारी

नवजात शिशु के कपड़े रखने के लिए पश्चिम दिशा की अलमारी सबसे अच्छी मानी जाती है। इससे बच्चों की सेहत पर सकारात्मक असर पड़ता है। साथ ही साथ, वे अधिक प्रसन्न रहते हैं। इसलिए हमेशा कोशिश करें कि आप चाहे किसी भी कमरे में शिशु के कपड़े रखें, लेकिन अलमारी पश्चिम दिशा में ही बनी हुई हो।

कार्नर न्यूज

अच्छे संस्कार डालने धीरज से काम लेना होगा

अपने बच्चों की बुरी आदतों से ऐसे पाएं छुटकारा, मिलेगी सभी को राहत

अगर आपको अचानक पता लगे कि आपका बच्चा झूठ बोलता है तो आप बेहद परेशान जाएंगी। ऐसे में उसकी इस आदत को छुड़ाने के लिए आप क्या करेंगी? राधा ने अपने बेटे अमर से पूछा कि होमवर्क कर लिया तो अमर ने जवाब दिया, "हां मां, कर लिया और अब मैं खेलने जा रहा हूं।" अमर के जाने के बाद राधा ने उसकी कॉपी देखी तो उसने होमवर्क नहीं किया था। यह पहली बार नहीं था, जब अमर ने झूठ बोला हो। वह अक्सर ही कई तरह के झूठ पूरे आत्मविश्वास से बोलता रहता है, जिससे राधा काफी परेशान भी है। कई बार माता-पिता राधा की तरह बच्चों के झूठ बोलने की आदत को नजरअंदाज कर देते हैं। मगर बच्चे अक्सर ही इन छोटे झूठों से ही बड़े झूठ बोलना सीखते हैं। इसलिए आपको उनकी आदत में इस झूठ को शुमार होने से पहले ही रोकना होगा।

खुला माहौल

बच्चे अपनों से प्यार पाने तो कभी-कभी किसी काम से बचने के लिए भी झूठ बोलते हैं। आपके लिए यह महत्वपूर्ण है कि उनके झूठ को बढ़ावा न मिले। आप बच्चों को इस बात पर पूरा विश्वास दिलाएं कि उन्हें बिना शर्त प्यार किया जाता है। साथ ही आप उनके साथ संवाद करें और उन्हें उनकी भावनाओं तथा विचारों को साझा करने के लिए एक खुला माहौल दें।

फटकार नहीं, प्यार

कई बार बच्चे डांट तथा पिटाई से बचने के लिए भी झूठ बोल देते हैं और धीरे-धीरे यह उनकी आदत में शुमार हो जाता है। आपको यह भी समझना होगा कि अगर आप हर समय गुस्सा ही करेंगी तो वे झूठ बोलना सीखेंगे ही। इसलिए आपको बच्चों को इतना स्पेस देना चाहिए कि अगर उन्होंने कोई गलती की भी है तो वे उसे आपसे साझा करने में डरें नहीं। साथ ही जब वे आपको अपनी गलती खुद बताएं तो आप उन्हें डांटने या सजा देने के बजाय प्यार से समझाएं।

नुकसान भी बताएं

उन से कोई भी गलती होने पर उन्हें बताएं कि वे डरें नहीं और अपनी इस गलती से सीखने की कोशिश करें। साथ ही आप उन्हें यह भी बताएं कि झूठ बोलने के क्या-क्या नुकसान होते हैं। इसके लिए आप उन्हें पंचतंत्र या अन्य कहानियां सुना सकती हैं। अगर बच्चा लगातार झूठ पर झूठ बोलता ही जा रहा है तो आप प्यार के साथ थोड़ी सख्ती भी दिखा सकती हैं।

आप बोलें सच

घर में कोई बिन बुलाया मेहमान या किसी का फोन आता है तो घर के बड़े कह देते हैं कि 'बेटा कह दो कि पापा या मम्मी घर पर नहीं हैं।' बस, यहीं से बच्चों के झूठ बोलने की शुरुआत होती है। उन्हें ऐसा महसूस होता है कि जब बड़े ऐसा कर सकते हैं तो हम क्यों नहीं। इसलिए बच्चों के सामने झूठ न बोलें और न ही उन्हें झूठ बोलने के लिए प्रोत्साहित करें।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

ऑस्कर विनिंग फिल्म के रीमेक का हिस्सा बने माइल्स टेलर

अभिनेता माइल्स टेलर के प्रशंसकों के लिए बड़ी खुशखबरी है। टेलर ने पैरामाउंट पिक्चर्स की 1982 की क्लासिक फिल्म 'एन ऑफिसर एंड अ जेंटलमैन' के आधुनिक संस्करण से जुड़ने का फैसला किया है। फिल्म में अभिनेता अपने दमदार अभिनय का लोहा मनवाते नजर आएंगे। 37 वर्षीय अभिनेता को इस रोमांटिक ड्रामा में मूल फिल्म में रिचर्ड गेरे के जरिए निभाए गए किरदार जैक मेयो की भूमिका में देखा जाएगा। रीमेक के कथानक और पात्रों के बारे में विवरण अभी भी गुप्त हैं, लेकिन इसे मूल कहानी का आधुनिक संस्करण बताया गया है। मैट जॉनसन के पुराने संस्करण पर आधारित, डाना फॉक्स ने पटकथा का नवीनतम मसौदा लिखा है। टेम्पल हिल पैरामाउंट के लिए फिल्म का निर्माण करेगा। टेलर के लिए सैन्य जगत के पात्रों को चित्रित करना कोई नई बात नहीं है। 'टॉप गनः मेवरिक' में 'रूस्टर' ब्रैडशॉ के रूप में उनकी हालिया भूमिका हिट साबित हुई, और दर्शक उन्हें इस शैली के भीतर एक नई चुनौती लेते हुए देखने के लिए उत्सुक हैं। टेलर हैकफोर्ड द्वारा निर्देशित मूल फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धूम मचाने में कामयाब रही थी। इस फिल्म ने छह अकादमी नामांकन और दो जीत हासिल किए थे। इसमें लुई गॉसेट जूनियर के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता और सर्वश्रेष्ठ मूल गीत शामिल थे। 'एन ऑफिसर एंड अ जेंटलमैन' की कहानी की बात करें तो यह गेरे के किरदार पर केंद्रित है, जिसके जीवन में नौसेना प्रशिक्षण के दौरान तमाम चुनौतियां आती हैं। इस उथल-पुथल के बीच, गेरे के किरदार को एक लड़की से प्यार हो जाता है, जिसका किरदार डेबरा विंगर ने निभाया है। यह प्रोजेक्ट हॉलीवुड में टेलर की हॉट स्ट्रीक को जारी रखता है। उन्होंने हाल ही में नेटफ्लिक्स साइंस-फिक्शन थ्रिलर 'स्पाइडरहेड' में क्रिस हेम्सवर्थ के साथ अभिनय किया और वह आन्या टेलर-जॉय के साथ आगामी थ्रिलर 'द गॉर्ज' और माइकल जैक्सन की बायोपिक 'माइकल' में दिखाई देने वाले हैं।

टॉलीवुड

राम चरण की 'गेम चेंजर' के बनने में देरी, निर्माता की जेब हो रही है ढीली

'गेम चेंजर' एक ऐसी दक्षिण भारतीय फिल्म है, जिसे बनने में बहुत ज्यादा वक्त लग रहा है। फिल्म से जुड़ा कोई अपडेट सामने आता है तो दर्शकों का उत्साह बढ़ जाता है, लेकिन फिर इसकी रिलीज का इंतजार उत्साह को कम कर देता है। इस फिल्म पर तीन साल से कम चल रहा है, जो वाकई में एक लंबा समय है। राम चरण और कियारा के फैंस के लिए समस्या केवल इतनी ही नहीं है। दर्शकों को अभी तक इस सवाल का भी जवाब नहीं मिला है कि फिल्म आखिर किस तारीख को रिलीज होगी। अब 'गेम चेंजर' को लेकर एक नई चर्चा चल पड़ी है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म इंडस्ट्री में इस बात की चर्चा चल रही है कि 'गेम चेंजर' का बजट बढ़ गया है। इसके पीछे की वजह यही है कि फिल्म को बनने में काफी समय लग रहा है। कहा जा रहा है कि फिल्म के निर्माता दिल राजू इस बात से चिंतित नजर आ रहे हैं। 'गेम चेंजर' का निर्देशन शंकर ने किया है। उन्होंने ही इस फिल्म की कहानी भी लिखी है। यह एक राजनीतिक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। फिल्म में राम चरण और कियारा आडवाणी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इन दोनों के अलावा अंजलि, एसजे सूर्या, जयराम, सुनील, श्रीकांत, समुथिरकानी और नासर भी अभिनय करते हुए दिखाई देंगे। इसमें राम चरण दो भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'गेम चेंजर' के अलावा शंकर 'इंडियन 2' में भी व्यस्त थे। कहा जा रहा है कि निर्माताओं के साथ कुछ मुद्दों के चलते फिल्म की शूटिंग पर असर पड़ा है। बता दें कि फिल्म की कहानी कार्तिक सुब्बाराज ने लिखी है। दिल राजू ने श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स के बैनर तले फिल्म का निर्माण किया है। एस थमन ने इसे अपनी धुनों से सजाया है। शमीर मुहम्मद के कंधों पर एडिटिंग का जिम्मा है।

भोजपुरी

पवन ने पैर छूने को किया था मजबूर अक्षरा ने रो-रोकर बताया अपना हाल

भोजपुरी एक्टर पवन सिंह और अक्षरा सिंह के अफेयर की खबरें लंबे समय तक चर्चा में रही थीं। हालांकि, जब वो रिलेशनशिप में थे जो उन्होंने इसे लेकर कुछ भी रिएक्ट नहीं किया था। लेकिन ब्रेकअप के बाद अक्षरा ने पवन सिंह पर कई संगीन इल्जाम लगाए थे। साथ ही पवन सिंह संग प्यार और अफेयर की बात को स्वीकार किया था। शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में अक्षरा सिंह ने कहा था, 'मैं उनके प्यार में थी. मुझे लगता था कि मेरी जिंदगी का ये ही लड़का है। उसके बाद जब उन्हें ये लगा कि ये लड़की मेरे हाथ में है तो. एक समय ऐसा था कि मुझे लगता था कि वो जो भी कहें मैं मान लूंगी। मैं इमोशनल थी. नाम जुड़ गया है तो इनके साथ जिंदगी बितानी है। शादी के सपने देख रही थी। प्यार में पागल थी.पहली बीवी को लेकर कोई सवाल नहीं किया।' आगे अक्षरा ने कहा, 'करीबन एक साल ये चला. उसके बाद डॉमिनेटिंग वाला फेज शुरू हो गया। मैं रोज झूठ बोलकर उनके जगने से पहले उनके घर जाती थी।

तुर्क फैशन

लाइफ स्टाइल

तुर्की (अब तुर्किये) में फैशन यहां की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत समकालीन धार के साथ खूबसूरती से जोड़ता है। यूरोप और एशिया के बीच एक पुल के रूप में, तुर्किये का फैशन दृश्य विविध प्रभावों का एक आकर्षक मिश्रण है, जो भौगोलिक और ऐतिहासिक रूप से इसकी अनूठी स्थिति को दर्शाता है। इस्तांबुल के ज़ोरलू सेंटर में मॉडेस्ट फैशन वीक के दौरान मोडानिसा और अन्य मॉडल रैम्प पर चलते हुए तुर्क फैशन की समृद्ध परंपरा का नेतृत्व कर रहे हैं।

मिल्क क्लींजर और बाम क्लींजर को जानिए दोनों में क्या है अंतर

स्किन केयर का सबसे पहला व बेसिक स्टेप होता है क्लीनिंग। अमूमन स्किन की क्लीनिंग के लिए क्लींजर का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है, क्योंकि ये आपकी स्किन पर अधिक जेंटल होते हैं। हालांकि, आजकल मार्केट में मिल्क क्लींजर से लेकर फोम क्लींजर, ऑयल क्लींजर व बाम क्लींजर आदि कई प्रोडक्ट्स अवेलेबल हैं। अधिकतर महिलाओं को इन क्लींजर के बीच का अंतर पता नहीं होता है और फिर ऐसे में वे किसी भी प्रोडक्ट का इस्तेमाल करना शुरू कर देती हैं। जबकि वास्तव में आपको ऐसा नहीं करना चाहिए।

मिल्क क्लींजर : मिल्क क्लींजर काफी लाइट और क्रीमी होते हैं और ये स्किन को क्लीन करने के साथ-साथ उसे मॉइश्चराइज भी करते हैं। जिसके कारण आपकी स्किन अधिक सॉफ्ट नजर आती है। यह वाटर बेस्ड होते हैं, जिसमें एमोलिएंट, ऑयल और हाइड्रेटिंग इंग्रीडिएंट्स को मिलाया जाता है। चूंकि ये स्किन केनेचुरल ऑयलको हटाए बिना क्लीन करते हैं और अधिक जेंटल होते हैं, इसलिए इन्हें सेंसेटिव, रूखी या मैच्योर स्किन के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इनका एक फायदा यह भी है कि ये नॉन-ग्रीसी होते हैं, इसलिए आप इन्हें डेली यूज में इस्तेमाल कर सकते हैं। मिल्क क्लींजर हल्के मेकअप व गंदगी को आसानी से हटाते हैं, लेकिन हैवी व वाटरप्रूफ मेकअप को रिमूव करने के लिए आपको मेकअप रिमूवर का ही सहारा लेना पड़ेगा।

बाम क्लींजर : बाम क्लींजरमिल्क क्लींजरकी तुलना में अधिक थिक होते हैं और इनकी बाम जैसी कंसिस्टेंसी होती है। हालांकि, जब आप इन्हें लगाते हैं तो ये तेल में पिघल जाता है। बाम क्लींजर ऑयल बेस्ड होते हैं, जिसमें ऑयल और मक्खन का इस्तेमाल किया जाता है। ये स्किन को डीप हाइड्रेशन देते हैं। अगर आप अपनी स्किन को क्लीन करने के साथ-साथ हैवी मेकअप व सनस्क्रीन को भी हटाना चाहती हैं तो ऐसे में बाम क्लींजर का इस्तेमाल किया जा सकता है। इन्हें रूखी व मैच्योर स्किन के लिए काफी अच्छा माना जाता है। बाम क्लींजर का इस्तेमाल अमूमन डबल क्लींजिंग के दौरान किया जाता है। बाम क्लींजर से क्लीनिंग करने के बाद वाटर बेस्ड क्लींजर का उपयोग किया जाता है।

मिल्क क्लींजर और बाम क्लींजर में अंतरः मिल्क क्लींजर और बाम क्लींजर दोनों ही आपकी स्किन को क्लीन करने में मदद करते हैं। लेकिन रूखी से लेकर नॉर्मल व सेंसेटिव स्किन के लिए मिल्क क्लींजर का इस्तेमाल किया जा सकता है। मिल्क क्लींजर दैनिक उपयो के लिए काफी अच्छे माने गए हैं, क्योंकि यह लाइट व हाइड्रेटिंग क्लींजर है। वहीं, बाम क्लींजर का इस्तेमाल रूखी व कॉम्बिनेशन स्किन पर किया जा सकता है।

स्ट्राइप्स आउटफिट को कैरी करते समय इन टिप्स को करें फॉलो

खुद को स्टाइल करते हुए हम सभी कई तरह के स्टाइल व प्रिंट्स को कैरी करते हैं। फैशन की इस दुनिया में यू तो स्टाइल बदलते रहते हैं। लेकिन कुछ ऐसे प्रिंट्स होते हैं, जो कभी भी आउट ऑफ फैशन नहीं होते हैं। इन्हीं प्रिंट्स में से एक है स्ट्राइप्स। स्ट्राइप्स को हम सभी कभी साड़ी तो कभी सूट तो कभी टॉप में इस प्रिंट को स्टाइल करते हैं। स्ट्राइप्स में भी आपको कई तरह के पैटर्न मिल जाएंगे, जिन्हें आप अपने स्टाइल व पसंद के अनुसार पहन सकती हैं। कई बार ऐसा होता है कि आप स्ट्राइप्स में भी अच्छे नहीं लगते हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि स्ट्राइप्स पहनते समय आप कुछ छोटी-छोटी बातों पर ध्यान नहीं देती हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आपको स्ट्राइप्स आउटफिट पहनते समय ध्यान रखना चाहिए-

बॉडी टाइप का रखें ध्यान

स्ट्राइप्स पैटर्न में आपको चौड़ाई से लेकर कलर व डायरेक्शन तक काफी वैरिएशन मिल जाएंगी। इसलिए, यह जरूरी है कि जब भी आप स्ट्राइप्स पहनें तो इन छोटी-छोटी चीजों पर फोकस करें। स्ट्राइप्स को हमेशा अपनी बॉडी टाइप को ध्यान में रखते हुए ही पहनना चाहिए। मसलन, अगर आप अधिक लंबी और स्लिम दिखना चाहती हैं तो ऐसे में वर्टिकल स्ट्राइप्स पहनना अच्छा आइडिया है। वहीं, अपनी बॉडी को थोड़ा हैवी दिखाने के लिए हॉरिजॉन्टल स्ट्राइप्स पहन सकती हैं।

अलग-अलग स्ट्राइप्स को करें स्टाइल

अगर आप स्ट्राइप्स में भी स्टाइलिश दिखना चाहती हैं तो इसका एक अच्छा तरीका है कि आप अलग-अलग स्ट्राइप्स को एक साथ स्टाइल करें। मसलन, आप थिन स्ट्राइप्स और थिक स्ट्राइप्स को एक साथ पहन सकती हैं।

सेंसेटिव है आपकी स्किन तो डार्क सर्कल्स दूर करने बनाएं ये क्रीम

आंखों के नीचे डार्क सर्कल्स किसी को भी अच्छे नहीं लगते हैं। जब आंखों के नीचे डार्क सर्कल्स होते हैं तो इससे चेहरा काफी डल, बेजान व थका हुआ महसूस होने लगता है। अमूमन यह देखने में आता है कि डार्क सर्कल्स की समस्या को दूर करने के लिए हम मार्केट में मिलने वाली अंडर आई क्रीम्स का इस्तेमाल करते हैं। जबकि इसके लिए अंडर आई क्रीम्स बनाना ज्यादा बेहतर होता है।

एलोवेरा और विटामिन ई की मदद से बनाएं क्रीमः एलोवेरा सेंसेटिव स्किन को नेचुरली हाइड्रेट करता है, जबकि विटामिन ई आपकी आंखों के आस-पास की सूजन और पफीनेस को कम करता है।

इस्तेमाल करने का तरीकाः सबसे पहले एलोवेरा का पत्ता तोड़कर उसका फ्रेश जेल निकाल लें। अब एक कटोरी में एलोवेरा जेल और विटामिन ई कैप्सूल तोड़कर अच्छी तरह मिक्स करें।इसमें नारियल तेल और गुलाब जल मिक्स करें।तैयार मिश्रण को हर रात सोने से पहले अपनी आंखों के नीचे लगाएं।आप इसे रेफ्रिजरेट भी कर सकते हैं, ताकि आपको हर दिन इसे बनाना ना पड़े।

एवोकाडो और बादाम से बनाएं क्रीमः अगर आपकी स्किन सेंसेटिव होने के साथ-साथ एजिंग भी है तो आप एवोकाडो और बादाम की मदद से क्रीम बनाएं। एवोकाडो एक नेचुरल मॉइश्चराइजर है, जो फाइन लाइन्स को कम करता है। वहीं, बादाम आपकी स्किन को रिजुविनेट करता है। इस क्रीम को नियमित रूप से लगाने से कुछ ही वक्त में डार्क सर्कल्स की अपीयरेंस कम होने लगती है।

पार्लर जाने का वक्त नहीं है तो न हों परेशान, ऐसे लाएं चेहरे पर निखार

त्यौहार का मौका है और आप घर से बाहर नहीं निकल पा रही हैं तो कोई बात नहीं। आपको कुछ ऐसे होममेड फेस पैक के बारे में जरूर जानना चाहिए, जिनके इस्तेमाल से आपका चेहरा खिल उठेगा। ये सभी फेस पैक पूरी तरह से नेचुरल चीजों से मिल कर बने हैं। ऐसे में इनका कोई साइड इफेक्ट नहीं है। इसी के चलते आप इन फेस पैक की मदद से घर पर पार्लर जैसा निखार पा सकती हैं। तो चलिए देर न करते हुए आपको भी इन घरेलू फेसपैक के बारे में बताते हैं।

टमाटर और शहद का पैक

गर्मी के मौसम में त्वचा को हाइड्रेट रखना जरूरी होता है। इसमें टमाटर आपकी मदद कर सकता है। इसके लिए आप टमाटर और शहद का पैक तैयार करके त्वचा पर लगा सकती हैं। पैक को तैयार करने के लिए सबसे पहले टमाटर का पेस्ट तैयार करें और फिर इसमें शहद मिक्स करें। अब इस पैक को आप आसानी से अपनी त्वचा पर लगा सकती हैं। ये त्वचा का दमकाने में आपकी मदद करेगा।

बेसन और नींबू का पैक

नींबू में मौजूद तत्व आपकी त्वचा को ब्लीच करने का काम करते हैं। ऐसे में आप चाहें तो बेसन और नींबू का पैक तैयार करके इसे अपनी त्वचा पर लगा सकती हैं। इसे चेहरे पर लगाकर 20 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। कुछ देर के बाद अपना चेहरा धो लें। इससे आपका चेहरा चमक जाएगा।

आलू और शहद का पैक

आलू में मौजूद तत्व त्वचा की कई समस्या को न सिर्फ दूर करते हैं, बल्कि ये इंस्टेंट ग्लो भी देते हैं। ऐसे में आप आलू और शहद का पैक तैयार करके इससे अपनी स्किन को साफ कर सकती हैं। इसके लिए बस आलू का रस निकालकर इसमें आपको शहद मिक्स करना है।

कार्नर न्यूज

को ग्रूमिंग रूटीन निखारता है आपकी पर्सनैलिटी और बढ़ाता है आत्मविश्वास

शानदार दिखने और महसूस करने के लिए अपनाएं कम्पलीट मेंस ग्रूमिंग रूटीन

क्या आपने कभी सोचा है कि रितिक रोशन और रणबीर कपूर जैसी सेलेब्रिटी हमेशा सुपर क्लीन और शाइनिंग क्यों दिखते हैं? ऐसा इसलिए है क्योंकि वे पुरुषों के ग्रूमिंग रूटीन को फॉलो करते हैं। एक अच्छा ग्रूमिंग रूटीन एक हेल्दी विकल्प भी है क्योंकि ये आपकी त्वचा को रोजमर्रा के प्रदूषण और सनडैमेज से बचाता है। फोर्ब्स के मुताबिक, ये आपकी पर्सनैलिटी और आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है। अगर आप भी फॉलो करने के लिए डेली ग्रूमिंग रूटीन की तलाश कर रहे हैं, तो आपको वह सब जानना चाहिए, जिनकी आपको जरूरत होगी।

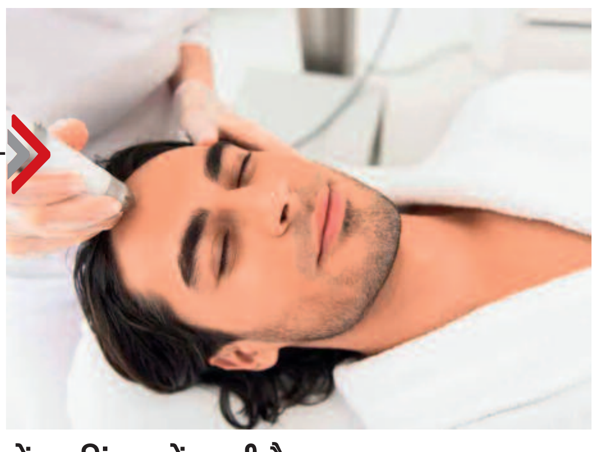

मेंस ग्रूमिंग क्यों जरूरी है?

एक रिसर्च के अनुसार, 'ग्रूमिंग रूटीन फॉलो करने से पुरुषों के मन में अपनी बॉडी इमेज को बेहतर बनाने में मदद मिलती है।' ग्रूमिंग से बूस्ट होने वाला ये सेल्फ कॉन्फिडेंस न सिर्फ आपकी पर्सनल बल्कि प्रोफेशनल लाइफ में भी हेल्प करता है।

मेंस ग्रूमिंग के स्टेप्स

मेंस ग्रूमिंग कोई ऐसा काम नहीं है, जिसे अलग से करने की जरुरत पड़े। बल्कि, अपनी दिनचर्या के कामों को बेहतर ढंग से करना ही सटीक ग्रूमिंग रूटीन है। आइए, इसके बारे में थोड़ा विस्तार से जानते हैं।

चेहरे को धोना

हम सभी रोज अपने चेहरे को धोते ही हैं। लेकिन अगर स्किन की जरुरतों और टाइप के हिसाब से सही प्रोडक्ट और टेक्निक को चुना जाए तो बेहतर रिजल्ट हासिल किए जा सकते हैं। जैसे,

अगर पॉल्यूशन छीन रहा है चमक

भारत के ज्यादातर शहरों में प्रदूषण बड़ी समस्या है। प्रदूषण के बारीक कार्बन कण स्किन पर चिपक जाते हैं, जिससे स्किन की केमिस्ट्री बदल जाती है। इसके अलावा, ये स्किन तक पोषक तत्वों का पहुंचना भी मुश्किल बना देते हैं।